नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 19

सोमवार, 23 से 29 जून 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

दिल्ली की सीएम ने नरेला में नए डीटीसी डिपो का किया उद्घाटन 03

भारत की सख्ती से पाक बेहाल कीमतों ने छू लिया आसमान 08

NCR समाचार

भारत ने इंग्लैंड को पहले टी-20 में 97 रन से हराया 10

ऐसे इस्तेमाल करें मॉइश्चराइजर 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

क्या नीसा देवगन एक्टिंग में करने वाली हैं डेब्यू? 12

पुरी रथयात्रा में भगदड़ : तीन श्रद्धालुओं की मौत

रथ यात्रा के इतिहास में गुंडिचा मंदिर में पहली बार भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत

पुरी, एजेंसी। ओड़िशा के पुरी में गुंडिचा मंदिर के पास भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान रविवार तड़के भगदड़ मचने से कम से कम तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान रविवार तड़के करीब 4.20 बजे सारधाबली में गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मचने का यह पहला मामला है जब इस तरह की घटना में किसी श्रद्धालु की जान गयी है।

गौरतलब है कि इस हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गए।

इससे पहले 2008, 2012 और 2015 के दौरान पुरी रथ यात्रा में भगदड़ में भक्तों की मौत हो चुकी है, लेकिन गुंडिचा मंदिर के पास श्री जगन्नाथ मंदिर की नौ दिवसीय यात्रा में ऐसी भगदड़ कभी नहीं हुयी थी। राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने इस त्रासदी के लिए भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को जिम्मेदार ठहराया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई.बी खुरानिया ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद इस घटना का कारण भक्तों द्वारा अपने मोबाइल फोन से सेल्फी और फोटो लेने को बताया।

ओडिशा के लोग तीन श्रद्धालुओं की मौत से सदमे में हैं। घायल सात लोगों का इलाज जिला मुख्यालय अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुंडिचा मंदिर के पास बड़ी संख्या में श्रद्धालु जमा थे। हर घंटे सैकड़ों लोग भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को देखने पुरी पहुंच रहे थे। रात करीब 12:40 बजे पारंपरिक ह्यपहुंदीह्ल अनुष्ठान के साथ दर्शन बंद होने तक स्थिति शांतिपूर्ण रही। मूर्तियों को पर्दे से ढक दिया गया। गुंडिचा मंदिर में दर्शन के लिए इंतजार कर रहे कई भक्तों को मंदिर बंद होने के बारे में पता नहीं था और वे रथों के पास इंतजार करते रहे। सुबह करीब चार बजे पर्दे हटाए गए और पुजारियों ने मंगल आरती से देवताओं की दैनिक रस्में शुरू कीं। आरती की घंटियों की आवाज सुनकर समारोह देखने के लिए भारी भीड़ रथों की ओर दौड़ पड़ी। उसी समय दो ट्रकों ने भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में आकर पहांडी अनुष्ठान के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ी के हिस्सों को उतार दिया, जो देवताओं को मंदिर में ले जाने में मदद करती हैं। सीमित स्थान होने के कारण ट्रकों ने रथों के पास सीढ़ियाँ उतार दीं और भीड़ बढ़ने पर कम से कम 15 भक्त सीढ़ियों के ढेर से टकरा गए और कुचले गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटनास्थल पर वरिष्ठ या जिम्मेदार अधिकारी नहीं थे। केवल कुछ कांस्टेबल मौजूद थे और पास के प्राथमिक चिकित्सा पोस्ट पर कोई एम्बुलेंस या मेडिकल टीम उपलब्ध नहीं थी। मृतकों में से एक के पति ने मीडिया को बताया कि वह एक घंटे से अधिक समय तक मदद के लिए रोता रहा, तब जाकर एम्बुलेंस आयी। जब तक वे अस्पताल पहुँचे, तब तक दो व्यक्ति पहले ही मर चुके थे और तीसरे की कुछ ही देर बाद मृत्यु हो गयी। घटनाओं की प्रारंभिक समीक्षा से गंभीर प्रशासनिक चूक का पता चलता है। मंदिर के अनुष्ठान रिकॉर्ड के अनुसार, 27 जून की रात को पाहुदा अनुष्ठान नहीं किया गया था। वहीं, 28 जून को पुजारियों ने अप्रत्याशित रूप से दर्शन बंद कर दिए, जिससे भक्तों को भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने का अवसर नहीं मिल पाया। इससे भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे पुजारियों और मंदिर प्रशासन के बीच समन्वय की स्पष्ट कमी सामने आयी। पाहुदा अनुष्ठान के बिना दर्शन जारी रखने से भीड़ को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिल सकती थी। स्थापित मानदंडों के अनुसार, पाहुदा केवल मुख्य प्रशासक की स्वीकृति से ही किया जा सकता है। एक विवादास्पद कदम के तहत प्रशासन ने गुंडिचा मंदिर के सौंदर्यीकरण की आड़ में पूरे सारधाबली क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर दी। पहले इस क्षेत्र को परंपरागत रूप से संतों, साधुओं और तीर्थयात्रियों द्वारा विश्राम के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे कई लोगों को रात भर मंदिर के सामने शरण लेनी पड़ी, जिससे भीड़ और बढ़ गयी।

सीएम मांझी बोले-अक्षम्य लापरवाही

इस घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने दुख जताते हुए इसे अक्षम्य लापरवाही कहा है। उन्होंने तत्काल जांच के आदेश दिए हैं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य सरकार की भीड़ प्रबंधन में विफलता पर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, यह भगदड़, रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन की घोर असफलता को दशार्ती है, जिसने इस पवित्र उत्सव को प्रभावित किया है।

कानून मंत्री बोले-दोषियों को देंगे कड़ी सजा

इस हादसे पर राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन में मामले की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बक्शेंगे नहीं। बता दें कि जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। हर साल लाखों की संख्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचते हैं।

रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में एक जुलाई से बड़ा बदलाव

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली में एक जुलाई से बड़ा बदलाव करने जा रही है जिसके फलस्वरूप टिकट बुकिंग क्षमता में विस्तार और तत्काल टिकट बुकिंग में उपयोगकर्ता के आधार से प्रमाणीकरण के साथ साथ आरक्षण चार्ट बनाने का तरीका भी बदला जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने यहां कहा कि भारतीय रेल यात्रियों के संपूर्ण यात्रा अनुभव को यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलयात्रा की शुरूआत टिकट आरक्षण से होती है और इसे सरल व सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे कई कदम उठा रही है।

हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सुधारों की समीक्षा की थी और निर्देश दिए थे कि टिकटिंग प्रणाली को स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी होना चाहिए। योजना निर्माण में यात्री सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि यात्रियों को एक सहज और आरामदायक अनुभव मिल सके।

सूत्रों के अनुसार नई चार्टिंग प्रणाली से यात्रा योजना में यात्रियों को तैयारी करने में अधिक सुविधा होगी। वर्तमान व्यवस्था में अभी आरक्षण चार्ट ट्रेन प्रस्थान के चार घंटे पहले बनाया जाता है जिससे यात्रियों में अनिश्चितता बनी रहती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो आस-पास के क्षेत्रों से ट्रेन पकड़ने आते हैं। अब नई प्रणाली के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्ताव किया है कि चार्ट ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाए। यदि ट्रेन अपराह्न दो बजे से पहले प्रस्थान करती है तो चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे ही तैयार कर लिया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव से सहमति जतायी है और चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई व्यवधान न हो।

सूत्रों ने कहा कि इससे वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को स्थिति का जल्दी पता चलेगा और वैकल्पिक व्यवस्था के लिए अधिक समय मिलेगा। यह विशेष रूप से दूर-दराज या शहरी उपनगरों से आने वाले यात्रियों को लाभ देगा।

सूत्रों के अनुसार दिसंबर 2025 तक नई और आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) लागू हो जाएगी। रेल मंत्री ने नई पीआरएस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की है। इस परियोजना पर पिछले कुछ महीनों से क्रिस कार्य कर रहा है। नई प्रणाली अधिक लचीली, सक्षम और मौजूदा लोड से दस गुना अधिक संभालने में सक्षम होगी। टिकट बुकिंग क्षमता वर्तमान 32 हजार प्रति मिनट से बढ़कर 1.5 लाख टिकट प्रति मिनट होगी। पूछताछ क्षमता चार लाख से बढ़कर 40 लाख प्रति मिनट होगी। नई सुविधाओं में बहुभाषी और यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस, सीट विकल्प चुनने की सुविधा, किराया कैलेंडर, दिव्यांगजन, छात्र, रोगियों आदि के लिए एकीकृत विकल्प शामिल होंगे।

रेलवे ने हाल ही में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए सुदृढ़ प्रमाणीकरण प्रणाली की घोषणा की है। इसके अनुसार रेलवे एक जुलाई से आईआरसीटीसी वेबसाइट/ऐप पर तत्काल टिकट केवल प्रमाणित उपयोगकताओं को बुक करने की अनुमति देगा।

उत्तराखंड: चार-धाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में हो रही लगातार भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंकाओं को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए चारधाम यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित किया गया है।

गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने रविवार को बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनजर यह एहतियाती कदम उठाया गया है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक

पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि संबंधित जिलों के प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय किया गया है। श्री पांडेय ने बताया कि आगे की यात्रा को लेकर निर्णय कल मौसम की स्थिति और मार्गों की समीक्षा के पश्चात लिया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थलों की ओर प्रस्थान न करें।

पीढ़ियों को बचाना है पेड़ लगाना: मोदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा है कि यह आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिये है।

श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 123 कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कि पर्यावरण बचाने में सब का योगदान धरती के लिए बड़ी ताकत बन रहा है। श्री मोदी ने पुणे के श्री रमेश खरमाले का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ दो महीनों में 70 खड्डु बना डाले। उन्होंने कई सारे छोटे तालाब बनाए और सैकड़ों पेड़ लगाए हैं। वह एक ऑक्सीजन

पार्क भी बनवा रहे हैं। इससे पक्षी लौटने लगे हैं और वन्य जीवन को नई सांसें मिल रही हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि गुजरात के अहमदाबाद शहर में यहाँ नगर निगम ने मिशन फार मिलियन ट्री' अभियान शुरू किया है। इसका लक्ष्य लाखों पेड़ लगाना है। इस अभियान के अंतर्गत ' सिंदूर वन' बनाया जा रहा है। यह वन ऑपरेशन सिंदूर के वीरों को समर्पित है। सिंदूर के पौधे उन बहादुरों की याद में लगाए जा रहे हैं, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ समर्पित कर दिया।

श्री मोदी ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत देश में करोड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, 'आप भी अपने आपके गाँव या शहर में चल रहे ऐसे अभियान में जरूर हिस्सा लीजिए। पेड़ लगाइए, पानी बचाइए, धरती की सेवा कीजिए, क्योंकि जब हम प्रकृति को बचाते हैं, तो असल में हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करते हैं।

श्री मोदी ने महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजी नगर जिले की ग्राम पंचायत 'पाटोदा' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह गांव पूरी तरह से स्वच्छ है और ग्राम पंचायत ने कचरा प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था की है।

कांग्रेस ने बिहार के लिए नियुक्त किए 58 पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से 58 पर्यवेक्षक नियुक्त किये हैं।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए रविवार को बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन सभी नामों को मंजूरी दी है और उन्हें तत्काल प्रभाव से अपना काम करने के लिए कहा है।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिन नेताओं को यह जिम्मेदारी सौंप है उनमें श्री पीयूष रंजन, पीयूष त्रिपाठी, पंकज तिवारी, प्रमोद मिश्रा, प्रभाकर पांडे, प्रवीण त्रिपाठी, प्रवीण दुबे, प्रदीप शुक्ला, प्रिंस गुप्ता, प्रीतम पटेल, पृथ्वीराज सिंह, प्रभात मिश्रा, प्रवीण पटेल, प्रमोद कुमार निषाद, प्रफुल्ल पटेल, प्रवीण साहू, पीयूष साहू, प्रियांशु सिंह, प्रज्वल सिंह, पंकज पटेल, पंकज निषाद, पीयूष पटेल, पंकज वर्मा, प्रफुल्ल शर्मा, पंकज शुक्ला, पीयूष गौतम, प्रदीप गौतम, प्रीतम मिश्रा, प्रज्वल साहू, प्रशांत तिवारी, पंकज यादव, पीरनासिर इर्शाद, प्रेमनारायण सिंह पाल, प्रियव्रत सिंह, जे.पी.पाल, राहुलराय प्रजापति, डॉ. राहुल राजभर, राहुल शर्मा, राजबहादुर निषाद, राकेश पासवान, रेखचंद जैन, सैलेश पांडेय, संतोष भार्गव, शेन मिर्जा आलम, शंशेर चंद, शिशपाल केहरवाला, शितांशु मौर्य, शिवाकांत तिवारी, शोएब खान, श्रीमती ममतादेवी, सुश्री श्वेता सिंह, सीताराम लाम्बा, सुभाष राजवंशी, तैमजीद अहमद, अखिलेश यादव, विनोद चंद्राकर, वीरेन्द्र याद्व तथा विवेकानंद पाठक शामिल हैं।

तेलंगाना में कांग्रेस का भरोसा खत्म, अब भाजपा की सरकार बनेगी: अमित शाह

○ नक्सलियों से हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करके मुख्यधारा से जुड़ने की अपीलराहुल पाकिस्तानियों की बातें सुनकर ऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहेः शाह

निजामाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निजामाबाद में एक जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। राहुल गांधी पाकिस्तान की बातें सुन रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी गई थी। तेलंगाना में कांग्रेस पर जनता का भरोसा खत्म हो गया लेकिन राज्य में भ्रष्टाचार जारी है। उन्होंने दावा किया अब तेलंगाना में भी भाजपा की सरकार बनेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को यहां राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय के उद्घाटन के बाद स्थानीय पॉलिटेक्निक मैदान पर आयोजित किसान सभा को

संबोधित कर रहे थे। शाह ने राज्य की कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी पर प्रहार किये। उन्होंने कहा कि तेलंगाना कांग्रेस ने राज्य की सरकार को दिल्ली के लिए एटीएम बना दिया है। तेलंगाना में भरोसा खत्म हो गया है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधीऑपरेशन सिंदूर का सबूत मांग रहे हैं। वे देश की जनता की नहीं बल्कि पाकिस्तानियों की बातें सुन रहे हैं।

नक्सलियों को चेतावनी देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य सिर्फ. आतंकवाद का खात्मा नहीं है, बल्कि देश में नक्सलवाद को भी खत्म करना है। इसलिए नक्सलियों को तुरंत हिंसा का रास्ता छोड़कर हथियार डाल दें और मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। हथियार छोड़ने वाले नक्सलियों का पुनर्वास कर उन्हें विकास से जोड़ा जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि नक्सलवाद खत्म होना चाहिए। शाह ने किसानों से सवाल किया कि नक्सलवाद समाप्त होना चाहिए या नहीं? आप खुद ही बताइए। शाह ने केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि 30 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। अभी तक दस हजार नक्सली आत्मसमर्पण कर सार्वजनिक जीवन की मुख्यधारा में वापस आ चुके हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला कर पाकिस्तान हमें डराना चाहता था। उसके बाद भारत की कार्रवाई देखकर पाकिस्तान और दुनिया को पता चल गया कि भारत की ताकत क्या है। आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी गई।उन्होंने तेलंगाना में भाजपा के निश्चित रूप से सत्ता में आने का दावा करते हुए कहा कि कार्यकताओं का उत्साह देखते हुए यह स्पष्ट है कि तेलंगाना में भाजपा की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि चुनावी वादे के अनुसार सांसद धर्मपुरी अरविंद ने निजामाबाद के लिए हल्दी बोर्ड हासिल कर लिया है। निजामाबाद के किसानों ने 40 साल तक इस हल्दी बोर्ड के लिए लड़ाई लड़ी है। अब निजामाबाद के किसानों की उत्पादित हल्दी भविष्य में पूरी दुनिया में निर्यात की जाएगी। यहां हल्दी बोर्ड कार्यालय की स्थापना से स्थानीय किसानों को कई लाभ होंगे।

उन्होंने कहा कि निजामाबाद में भारत ऑर्गेनिक लिमिटेड और भारत एक्सपोर्ट लिमिटेड की भी स्थापना की जा रही है। भारत एक्सपोर्ट लिमिटेड के माध्यम से निजामाबाद की हल्दी अमेरिका

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश से उमस से राहत मिली

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कुछ हिस्सों में रविवार को हल्की बारिश हुई, जिससे गर्म और उमस भरे मौसम से थोड़ी राहत मिली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 1.1 डिग्री कम है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में पूर्वाह्न करीब 11 बजे वसंत कुंज, हौज खास, मालवीय नगर, कालकाजी, महरौली, तुगलकाबाद, छतरपुर, इग्नू, आया नगर और डेरामंडी में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई।

सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 75 प्रतिशत थी। दिल्ली के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है और आईएमडी ने आज आम तौर पर बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 85 दर्ज किया गया, जो "संतोषजनक" श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 और 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है।

जनगणना का पहला चरण एक अप्रैल 2026 से घरों की गिनती के साथ होगा शुरू

नई दिल्ली। आगामी जनगणना के लिए घरों की गिनती का कार्य एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगा, जो इस दशकीय प्रक्रिया के पहले चरण की शुरूआत होगी। भारत के महापंजीयक ने यह जानकारी दी है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में, भारत के जनगणना आयुक्त और महापंजीयक मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि घरों का सूचीकरण अभियान और आवास गणना एक अप्रैल, 2026 से शुरू होगी। पत्र में कहा गया है कि उससे पहले राज्यों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से निरीक्षकों एवं गणकों की नियुक्ति की जाएगी तथा उनके बीच कामों का विभाजन किया जाएगा।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

भारत ने असम में डेमो और मोरन के बीच बनाई पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी एयर स्ट्रिप

चीन बार्डर के पास बढ़ी भारतीय वायुसेना की ताकत

गुवाहाटी / एजेंसी।

चीन को ध्यान में रखकर भारत ने असम में नेशनल हाईवे-27 पर 4.5 किलोमीटर की इमरजेंसी एयर स्ट्रिप बनाई है। चीन पर नजर रखने और पूर्वोत्तर की रणनीतिक तैयारियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए, असम में डेमो और मोरन के बीच एनएच-27 पर विमानों की आपातकालीन लैंडिंग के लिए भारत की यह नवीनतम परियोजना लगभग पूरी हो गई है। यह एयर स्ट्रिप 4.5 किलोमीटर (4500 मीटर) लंबी है और डिब्रूगढ़ के पास स्थित है, जिस पर आपात स्थिति में लड़ाकू जेट और परिवहन विमान उतर सकते हैं। आगामी कुछ दिनों में भारतीय वायुसेना के ईस्टर्न एयर कमांड द्वारा इस हवाई पट्टी पर विमानों की लैंडिंग किये जाने की उम्मीद है। यह परियोजना चीन की सीमा से लगे संवेदनशील पूर्वी क्षेत्र में भारत की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूती प्रदान करेगी।

सुखोई, राफेल के लिए तैयार हाईवे

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को असम के ऊपरी क्षेत्रों की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे-27 के 4.5 किलोमीटर लंबे इस हिस्से को यात्री विमानों और सुखोई तथा राफेल सहित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लड़ाकू विमानों की लैंडिंग के लिए डिजाइन किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना वर्तमान में इस एयर स्ट्रिप का निरीक्षण कर रही है और उम्मीद है कि सितंबर तक लड़ाकू विमानों की ट्रायल लैंडिंग शुरू हो जाएगी और अक्टूबर तक यह हवाई पट्टी पूरी तरह ऑपरेशनल होगी।

आपातकालीन लैंडिंग सुविधा कर रहे विकसित

मुख्यमंत्री सरमा ने संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के मध्य में, हम डेमो–मोरन खंड पर एक महत्वपूर्ण आपातकालीन लैंडिंग सुविधा विकसित कर रहे हैं। चाहे सिविल एविएशन हो या भारतीय वायु सेना (आईएएफ), अगर विमान किसी भी कारण से डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर उतरने में असमर्थ रहते हैं, तो यह हवाई पट्टी एक विकल्प के रूप में काम करेगी।

दो और हवाईपट्टियों को पहले ही मिल चुकी है मंजूरी

इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी को नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने बनाया है। असम सीएम ने कहा कि भारतीय वायु सेना के साथ विचार–विमर्श चल रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हवाई पट्टी पर उन्नत लड़ाकू विमानों को लैंड कराया जा सके तथा भविष्य में एयर शो के लिए इसका उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पूर्वोत्तर में इस तरह की पहली लैंडिंग फैसिलिटी है। भारत सरकार ने पहले ही दो और को मंजूरी दे दी है– एक निचले असम में बोरोमा–तिहू में और दूसरी नागांव और लुमडिंग के बीच शंकरदेवनगर में। हम पहले इसका उद्घाटन जल्द करेंगे और फिर बाकी पर काम शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री ने राजमार्ग के किनारे नियमित अंतराल पर हेलीपैड बनाने की योजना के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि हम राजमार्ग के किनारे ऊंचे इलाकों में नए हेलीपैड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बाढ़ के दौरान, जब हेलीकॉप्टर उतारने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं होती, तो ये हेलीपैड बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

योजना हर 50 से 100 किमी पर एक हेलीपैड बनाने की है। नुमालीगढ़ से डिब्रूगढ़–तिनसुकिया तक, हमारा लक्ष्य पूरे मार्ग को एक आधुनिक गलियारे में बदलना है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा असम की आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाएगी, विशेषकर बाढ़ के दौरान जब पारंपरिक रनवे तक पहुंच पाना संभव नहीं होता। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए रक्षा मंत्रालय, एनएचआईडीसीएल और केंद्र से समन्वय किया जा रहा है।

इजराइली सेना ने गाजा पट्टी पर फिर बरपाया कहर

हवाई हमले में 81 फिलिस्तीनियों की मौत, 400 से ज्यादा घायल

गाजा के रिहायशी इलाकों, अपार्टमेंट, स्कूल, स्टेडियम और शरणार्थी टेंटों को निशाना बने

यरुशलम / एजेंसी।

इजराइली सेना ने गाजा पट्टी पर एक बार फिर भीषण हवाई हमला किया है। हमले में कम से कम 81 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है, जबकि 400 लोग घायल हैं। मृतकों में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे शामिल हैं।

इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने गाजा के भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों, एक अपार्टमेंट, स्कूल, स्टेडियम और शरणार्थी टेंटों को निशाना बनाया। बमबारी के बाद इलाके में चारों ओर सिर्फ धूल, आग और लाशें नजर आईं। विस्थापित फिलिस्तीनी यूसुफ अबू नासेर ने इस त्रासदी की भयावहता का बयान किया है। यूसुफ अबू नासेर कहते हैं, कि हमले के बाद सबकुछ धूल और आग में बदल गया था। जब मैं वापस आया तो अपने टेंट के नीचे दबे पिता को खुद बाहर निकाला। मेरी बहन बुरी तरह घायल थी। मेरे पिता भी जख्मी थे। मैने किसी तरह उन्हें निकाला। वहीं इजराइल की सेना ने गाजा सिटी में हवाई हमले में हमास के वरिष्ठ कमांडर हखम मुहम्मद इस्सा अल-इस्सा को मार गिराया है। अल-इस्सा हमास के सैन्य विंग के संस्थापक सदस्य था, उसने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इज़राइल पर हुए हमले की योजना और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

ईरान के पास एटम बम बनाने के लिए यूरेनियम मौजूद

तेहरान। यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने रविवार को कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है। आईएईए डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। ग्रॉसी ने कहा– ईरान के पास 60 फीसदी प्योर यूरेनियम का भंडार है, जो एटम बम बनाने के लिए काफी है। इस भंडार को अमेरिकी हमले से पहले हटा दिया गया था या फिर ये तबाह हो गया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। इजराइल ने 13 जून को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले शुरू किए थे। बाद में अमेरिकी ने बी–2 बॉम्बर से हमला कर ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। हमलों के बाद ईरान ने आईएईए को फोर्डो न्यूक्लियर साइट की जांच करने से रोक दिया था। ईरान ने आईएईए से अपनी साझेदारी तोड़ ली है। ग्रॉसी ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि न्यूक्लियर साइट्स पर क्या है और क्या हुआ था। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का, बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है।

बिना सिलिकॉन बना दुनिया का पहला कंप्यूटर

वाशिंगटन / एजेंसी।

अनुसंधान कर्ताओं ने सिलिकॉन के बिना ही कम्प्यूटर का निर्माण किया है, जो एक 'मील का पत्थर है । यह दर्शाता है कि जिस सामग्री से यह कंप्यूटर बनाया है उससे एक दिन उपकरणों को लघुतम, तीव्र बनाकर सिलिकॉन को प्रतिस्थापित करना संभव होगा जिसने पिछली आधी सदी में प्रौद्योगिकी प्रगति को गति दी है।

दुनिया के पहले सीएमओएस नामक इस कंप्यूटर को अमेरिका में 'पेनसिल्वानिया स्टेट यूनिवर्सिटी' के 'नैनोफैब्रिकेशन यूनिट' में बनाया गया है और अनुसंधान दल ने इसके सफल संचालन का प्रदर्शन भी किया है। इसे दो-आयामी सामग्रियों का उपयोग करके बनाया गया है, जो कागज़ की तरह पतले हैं, लेकिन नैनो-स्तर पर हैं। 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित एक शोधपत्र में इसका वर्णन किया गया है। 'पूरक धातु-ऑक्साइड-अर्धचालक' या सीएमओएस का इलेक्ट्रॉनिक सर्किट डिजाइन करने में व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

यह कम बिजली की खपत करता है और अधिक घटकों को समायोजित करता है। इस विकास को न केवल सिलिकॉन के विकल्प बनाने में एक अग्रणी और प्रारंभिक बिंदु माना जा रहा है, बल्कि यह और भी छोटे, अधिक लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स की एक नई पीढ़ी के लिए एक रोडमैप भी है।

राष्ट्रपति ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को सीनेट ने दी चर्चा के लिए मंजूरी

सीनेट में 51–49 वोटों से प्रस्ताव पारित, एलन मस्क बोले– यह बिल पागलपन, लाखों नौकरियां खत्म होगीं

वॉशिंगटन / एजेंसी।

अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा के लिए मंजूरी दे दी है। शनिवार देर रात हुई वोटिंग में सीनेट ने 51-49 वोटों के अंतर से एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे सदन को बिल पर बहस शुरू करने की इजाजत मिल गई। दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया।

वोटिंग के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे। क्योंकि टाई की स्थिति में उनके वोट करने की जरूरत पड़ सकती थी। ट्रम्प टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले इस बिल को 4 जुलाई से पहले पारित कराना चाहते हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की है।

मस्क ने शनिवार को एक्स पर लिखा, ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने कहा कि यह पूरी तरह से पागलपन भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में होगी वोटिंग

करीब 940 पन्नों का बिग ब्यूटीफुल बिल शुक्रवार देर रात जारी किया गया था। इस पर हफ्ते के अंत तक बहस जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें कई संशोधन और मतदान होंगे। अगर सीनेट बिल को पास कर देता है, तो यह फाइनल वोटिंग के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में वापस आएगा। इसके बाद व्हाइट हाउस में ट्रम्प की मंजूरी के लिए जाएगा। रिपब्लिकन पार्टी के पास दोनों सदनों में बहुमत है। हालांकि, डेमोक्रेट्स के अलावा रिपब्लिकन पार्टी के कुछ अपने नेता ही बिग ब्यूटीफुल बिल का विरोध कर रहे हैं। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हो चुका है। इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे।

एरिक ट्रम्प लड़ सकते हैं राष्ट्रपति चुनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बेटे और ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन के को–एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एरिक ट्रम्प राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकते हैं। एक इंटरव्यू में एरिक ने कहा कि अगर वह अपने पिता की तरह राजनीति में उतरने का फैसला करते हैं, तो व्हाइट हाउस का रास्ता आसान होगा। एरिक ने कहा– मुझे लगता है कि मैं यह काम कर सकता हूं। सिर्फ मैं ही नहीं, हमारे परिवार के बाकी लोग भी इसे कर सकते हैं।

बांग्लादेश में हिंदू महिला से दुष्कर्म

ढाका / एजेंसी।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार आम बात हो गई है। बांग्लादेश के कूमिला में हिंदू महिला के साथ रेप की घटना के बाद भी प्रशासन कानों में उंगली डाले रहा। इसके बाद महिला के यौन उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने लगा। विरोध प्रदर्शनों व बवाल के बाद प्रशासन ने इस केस में कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि रेप के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ढाका विवि के छात्र विरोध प्रदर्शन करने लगे। विवि के जगन्नाथ छात्रावास के छात्रों ने जुलूस निकाले। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के हासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सजा की मांग की है।

पाकिस्तान ने भारत पर मड़ा सुसाइड बम अटैक का आरोप, मारे गए थे 13 सैनिक

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आरोपों को किया खारिज

इस्लामाबाद / एजेंसी।

पाक ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में सैन्य काफिले पर सुसाइड बम अटैक का आरोप भारत पर लगाया है। इसमें 13 सैनिकों की मौत हुई थी। भारत ने पाक के आरोपों का खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि हमने पाक सेना का एक ऑफिशियल बयान देखा है, जिसमें 28 जून को वजीरिस्तान पर हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम इस बयान को पूरी अवमानना के साथ खारिज करते हैं, जो इसी के लायक है। वजीरिस्तान में शनिवार को एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी सैन्य काफिले में घुसा दी थी। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। इसमें 13 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जबकि 10 सैनिक और 19 नागरिक घायल हो गए।

तीन दिन पहले टीटीपी हमले में 2 आर्मी अफसरों की मौत

आतंकी संगठन टीटीपी ने 24 जून को दक्षिणी वजीरिस्तान में पाक आर्मी पर हमला किया था, जिसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक पाक कमांडर मोइज अब्बास भी था, जिसने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। 27 फरवरी को पाक वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग–21 बाइसन फाइटर जेट से पाक के एफ–16 फाइटर जेट को मार गिराया था।

भारत–नेपाल सीमा पर सात संदिग्ध हिरासत में लिए गए

बहराइच / एजेंसी।

जिले में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार की देर शाम को सात संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई रूपईडीहा चेक पोस्ट पर की गई, जहां नियमित जांच के दौरान इन संदिग्धों के पास से प्रतिबंधित फ्रीक्वेंसी के पांच वॉकी-टॉकी सेट बरामद हुए हैं, जो चालू हालत में थे।

पांच वॉकी–टॉकी सेट बरामद किए

गिरफ्तार सभी आरोपी महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं। सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां इन आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही हैं, हालाँकि अभी तक कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है। रूपईडीहा चेक पोस्ट पर एसएसबी की 42वीं वाहिनी शनिवार देर शाम कोएसबीसी सहायक उप निरीक्षक योगेश कुमार को चैकिंग में उन्होंने महाराष्ट्र नंबर की एक टोयोटा क्वालिस को नेपाल से भारत की ओर आते देखा।

वाहन की चेकिंग करने पर गाड़ी में सवार लोगों के पास से पांच वॉकी-टॉकी हैंडसेट बरामद हुए, जिनकी फ्रीक्वेंसी प्रतिबंधित पाई गई। इसके बाद सीमा पर तैनात अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट हो गईं और इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई। नानपारा के पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि एसएसबी ने सात लोगों को पकड़ा था। एसएसबी के सहायक उप निरीक्षक योगेश कुमार की तहरीर पर केस दर्ज कर सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

जांच के लिए झांसी पुलिस पहुंची इटावा

इटावा/ एजेंसी।

बहुचर्चित कथावाचक अपमान प्रकरण की जांच के लिए झांसी पुलिस बकेवर इलाके के दादरपुर गांव रविवार देर शाम पहुंच गई है। कथावाचक कांड के बाद पूरे प्रकरण की जांच झांसी परिक्षेत्र में स्थानांतरण होने के बाद नियुक्त किए जांच अधिकारी निरीक्षक /थाना प्रभारी पूंछ जेपी पाल अपनी टीम के साथ पहुंचे तथा परीक्षित जेपी तिवारी सहित ग्रामीणों से जगह जगह जाकर जानकारी ली। उन्होंने जांच के विषय में अभी ज्यादा कुछ बताने से किनारा किया। पाल ने बताया कि वह घटना की सत्यता जानने सहित घटना स्थल का निरीक्षण करने एवं ग्रामीणों के बयान आदि लेकर रिपोर्ट निर्धारित समय में उच्चाधिकारियों को प्रेषित करेंगे।

कथावाचक अपमान केस

आज का इतिहास

- 1914: महान स्वतंत्रता सेनानी दादाभाई नौरोजी का निधन।
- 1933: फासीवाद के खिलाफ एंटवर्प में 50 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया।
- 1934:जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर ने अपनी नेशनल सोशलिस्ट पार्टी में विरोधियों का सफाया किया।
- 1938: बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक में नजर आया।
- 1947: भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के लिए बाउंड्री कमीशन के सदस्यों की घोषणा।
- 1960: अमेरिका ने क्यूबा से चीनी का आयात बंद करने का फैसला किया।
- 1962: रवांडा और बुरूंडी आजाद हुए।
- 1990: पूर्वी और पश्चिमी जर्मनी का विलय।

पहल | **जीवित हाथियों के पारंपरिक उपयोग के लिए मानवीय विकल्प देता है गजा**

अभिनेत्री त्रिशा ने मंदिरों को यांत्रिक हाथी किया भेंट

चेन्नई / एजेंसी।

तमिल फिल्म अभिनेत्री तृषा कृष्णन और चेन्नई स्थित गैर सरकारी संगठन पीपल फॉर कैटल इन इंडिया ने शुक्रवार को तमिलनाडु के दक्षिणी विरुधुनगर जिले के अरुप्पुकोट्टई में श्री अष्टलिंग अतिशेष सेल्वा विनयगर और श्री अष्टभुजा अतिशेष वरही अम्मन मंदिरों को गजा नामक एक आदमकद यांत्रिक हाथी दान किया। यह पहल मदुरै क्षेत्र और पूरे विरुधुनगर जिले में पहली बार हुई है जहां किसी मंदिर ने धार्मिक अनुष्ठानों के लिए यांत्रिक हाथी को अपनाया है।

गजा, एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया यांत्रिक हाथी, मंदिर के अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए तैयार है जो जीवित हाथियों के पारंपरिक उपयोग के लिए एक मानवीय विकल्प प्रदान करता है। यह कदम दक्षिण भारत में बढ़ती प्रवृत्ति के अनुरूप है जहां मंदिर सांस्कृतिक प्रथाओं को कायम रखने के साथ-साथ पशु कल्याण सुनिश्चित करने के लिए यांत्रिक हाथियों को अपनाते हैं। दुनिया का पहला यांत्रिक हाथी, जिसका नाम इरिन्जादापिल्ली रमन है, को पेटा इंडिया द्वारा 2023 में केरल के एक मंदिर में पेश किया गया। त्रिशा कृष्णन, ख्यात भारतीय अभिनेत्री हैं लंबे समय से पशु कल्याण के कार्यों में संलग्न हैं। त्रिशा पशुओं के अधिकारों और कल्याण के लिए पेटा इंडिया और ब्लू क्रॉस ऑफ़ इंडिया जैसे संगठनों के साथ सक्रिय सहयोग करती हैं।

नवाचार से कहीं अधिक है गजा

यह एक ऐसे भविष्य की ओर एक पवित्र कदम है जहां किसी भी प्राणी को मनुष्यों के हाथों पीड़ति नहीं होना पड़ेगा। हमारा धर्म अहिंसा पर आधारित है और इस कदम से हम एक उदाहरण स्थापित करना चाहते हैं कि अनुष्ठान बल के माध्यम से नहीं, बल्कि प्रेम और सहानुभूति के माध्यम से पनप सकते हैं। हमारी पूजा उतनी ही कोमल होनी चाहिए जितनी कि हम उन हाथियों का सम्मान करना चाहते हैं। हाथी बुद्धिमान, सामाजिक जंगली जानवर हैं, फिर भी उन्हें अक्सर कठोर प्रशिक्षण विधियों के अधीन किया जाता है जिसमें मंदिरों में पिटाई, जंजीर और अभाव शामिल होते हैं। कई लोग गंभीर पैर की चोटों, कुपोषण, पशु चिकित्सा देखभाल की कमी और अलगाव और कारावास के मनोवैज्ञानिक आघात से पीड़ित हैं। पीएफसीआई चेन्नई स्थित एनजीओ है जिसकी स्थापना 2012 में हुई थी। इसका ध्यान अवैध मवेशी तस्करी, वध रोकने तथा अन्य महत्वपूर्ण पशु संरक्षण मुद्दों पर है। पीएफसीआई ने 1,000 से अधिक मवेशियों और अन्य जानवरों की जान बचाई है।

पंजाब में सिक्स मारते ही बैट्समैन की मौत

फिफ्टी बना साथी से हाथ मिलाने जा रहा था, अचानक आधी पिच पर आकर मुंह के बल गिरा

फिरोजपुर / एजेंसी।

पंजाब के फिरोजपुर में क्रिकेट खेलते वक्त एक युवक को हार्ट अटैक आ गया। सिक्स मारकर फिफ्टी पूरी करने के बाद वह अपने साथी से हाथ मिलाने जा रहा था, लेकिन हार्ट अटैक आने पर वह पिच पर ही मुंह के बल गिर पड़ा।

उसके साथी ने उसे संभालने की कोशिश की, लेकिन वह बेसुध हो गया। तुरंत बाकी खिलाड़ी मौके पर पहुंचे और उसे सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उसे होश नहीं आया। इसके बाद तुरंत युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। युवक की पहचान हरजीत सिंह के रूप में हुई है। हरजीत शादीशुदा था और उसका एक बेटा भी है।

घटना फिरोजपुर के गुरु सहाय में डीएवी स्कूल के ग्राउंड की है। हरजीत सिंह रविवार सुबह क्रिकेट खेलने गया था। उसके दोस्त रचित सोढ़ी के मुताबिक, इस मैच की वीडियो रिकॉर्डिंग भी चल रही थी। हरजीत की टीम की बैटिंग चल रही थी।

दिल्ली की सीएम ने नरेला में नए डीटीसी डिपो का किया उद्घाटन

105 इलेक्ट्रिक 'देवी बसों' को दिखाई हरी झंडी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नरेला के सेक्टर ए-9 में बने नए डीटीसी बस डिपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने 100 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें 'दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी)' योजना के तहत चलाई जाएंगी। यह पहल दिल्ली में स्वच्छ और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए की गई है।

उद्घाटन समारोह में बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री पंकज कुमार सिंह और रविंदर इंद्राज सिंह समेत कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इन इलेक्ट्रिक बसों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, यात्रा को आरामदायक बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर करना है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री पंकज कुमार मंत्री ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'प्रदूषण दिल्ली के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, लेकिन इस बार ऐसा कोई मौका नहीं आया जब एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) को कोई सख्त कदम उठाना पड़ा हो। यह साफ हवा और प्रदूषण मुक्त दिल्ली की दिशा में बढ़ाया एक सकारात्मक कदम है। लोगों को आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव देने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत की गई है।

नरेला क्षेत्र के बढ़ते महत्व पर बोलते हुए सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, आज यहां से 105 इलेक्ट्रिक 'देवी' बसों को रवाना किया गया है। नरेला में कई बड़ी सरकारी योजनाएं और विश्वविद्यालय बनाए जा रहे हैं, जिससे यह इलाका और भी अहम हो गया है।

मंत्री सिंह ने नए बस डिपो के तेज निर्माण और उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह टर्मिनल सिर्फ 90 दिनों में बनकर तैयार हुआ है और इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ड्राइवरों, कंडक्टरों और यात्रियों के लिए आरओ पानी की सुविधा और एक बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सेंटर भी बनाया गया है।

उनके मुताबिक, नरेला डिपो से 105 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे उन्हें आधुनिक, आरामदायक और सुलभ परिवहन सुविधा मिलेगी, साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। नया बस टर्मिनल दिल्ली में इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का एक अहम हिस्सा बनेगा। यह आने वाले वर्षों में राजधानी में ट्रैफिक से होने वाले प्रदूषण को घटाने में मदद करेगा।

दिल्ली सरकार में मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने इलेक्ट्रिक देवी बस शुरू होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। दिल्ली में इस बार प्रदूषण रहित रही है। दिल्ली के लोगों को अच्छी यात्रा करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं। आज इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसी को देखते हुए देवी बसों को शुरू किया जा रहा है। मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्होंने इतना अच्छा कदम उठाया है।

भ्रष्टाचार ने किया था डीटीसी को बर्बाद : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार को हर काम में दाम ढूंढने वाली सरकार करार देते हुए कहा कि दिल्ली की लाइफ लाईन डीटीसी बसों के परिचालन में हर स्तर पर घोटाले किये गये और घाटे में लाकर परिवहन व्यवस्था को बर्बाद कर दिया था, जिसे अब पटरी पर लाने का काम किया जा रहा है।

श्रीमती रेखा गुप्ता ने नरेला में बस टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद आज कहा 'आज नरेला में 90 दिन में बने अत्याधुनिक बस टर्मिनल का उद्घाटन किया और 100 से ज्यादा नई देवी बसें दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित कीं। यह परियोजना सिर्फ एक नई सुविधा नहीं, बल्कि दिल्ली को बेहतर, सुरक्षित और समावेशी भविष्य की ओर ले जाने वाला मजबूत कदम है।'

उन्होंने कहा कि नरेला में चार हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बने इस टर्मिनल में विशाल शेड, साफ-सुथरे टॉयलेट, आरओ जल संयंत्र, कैंटीन-पैंट्री, ईवी चार्जिंग स्टेशन जैसी मूलभूत सुविधाएं है। यात्री अब बेहतर अनुभव के साथ यात्रा करेंगे। नई देवी बसें यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के नए मानक स्थापित कर रही हैं। इनमें सीसीटीवी कैमरे, आपात पैनिक बटन, लाइव ट्रैकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसके साथ ही, दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए ये बसें व्हीलचेयर-फ्रेंडली डिजाइन के साथ पूरी तरह सुलभ बनाई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली की सड़कों पर 2000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें दौड़ रही हैं। हमारा संकल्प है कि 2027 तक राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्वविकसित दिल्लीह्व के विजन को साकार करें।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान लगातार डीटीसी बसों को कम किया गया और टिकट समेत हर स्तर पर घोटाले किये गए एवं हजारों डीटीसी के हजारों कर्मचारियों को बेरोजगार कर पूरी परिवहन व्वस्था को बर्बाद कर दिया गया था।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि पहली बार काम करने वाली सरकार दिल्ली में आई है। आज जिस विभाग की परत हटाओ वहां घोटाले ही घोटाले ही नजर आते हैं।

अवैध सिगरेट का गोदाम पकड़ा, 94 हजार पैकेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम जिले की ऑपरेशंस सेल टीम ने एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देते हुए वसंत कुंज के नंगल देवत इलाके में स्थित एक अवैध सिगरेट के गोदाम का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 94,000 पैकेट बिना वैधानिक चेतावनी और एमआरपी के विदेशी सिगरेट जब्त की हैं। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान वसंत कुंज निवासी परिक्षित (22) और कर्नाटक निवासी पी.पी. चेंगप्पा (40) के रूप में हुई है।दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार जिले की पुलिस द्वारा तंबाकू उत्पादों के अवैध व्यापार के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ऑपरेशंस सेल की टीम को सूचना मिली कि नंगल देवत क्षेत्र में एक मकान के बेसमेंट में विदेशी सिगरेट का अवैध स्टॉक जमा किया गया है, जो दिल्ली-एनसीआर और दक्षिण भारत में सप्लाई की जानी है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापा मारा और उपरोक्त दोनों आरोपितों को मौके से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त की गई। बरामद सिगरेट में एलएंडबी ओरिजिनल सिल्वर झ्र 13 कार्टन (13,000 पैकेट), किंग साइज मेफेयर 5 कार्टन (5,000 पैकेट), रिचमंड किंग साइज रियल ब्लू झ्र 50 कार्टन (50,000 पैकेट) और रिचमंड किंग साइज झ्र 26 कार्टन (26,000 पैकेट) शामिल है।

इस साल मिलेंगे दो डबल डेकर फ्लाईओवर, राह होगी आसान

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अधिकारियों से जानकारी मांगकर इस साल निर्माण पूरा करने के दिए निर्देश

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राजधानी में फेज-4 के तहत निमार्णाधीन दो मेट्रो कॉरिडोर पर इस साल दो डबल डेकर फ्लाईओवर तैयार हो जाएंगे। यह फ्लाईओवर मेट्रो के साथ-साथ सड़क यातायात को भी बेहतर बनाएंगे।

इससे लोगों की राह आसान होगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश वर्मा ने दोनों परियोजनाओं की जानकारी मांगकर इस साल निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि भजनपुरा से यमुना विहार के बीच बन रहा फ्लाईओवर मौजपुर-मजलिस पार्क मेट्रो कॉरिडोर का हिस्सा है। यह दिल्ली का पहला डबल डेकर वायाडक्ट होगा, जिसमें ऊपर मेट्रो चलेगी और नीचे अन्य वाहन। चार लेन का फ्लाईओवर लगभग तैयार है, लेकिन पेड़ के कारण सड़क से जुड़ने वाला रैंप बनना बाकी है। विभाग का कहना है यह काम जुलाई तक पूरा हो सकता है। यह परियोजना दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) और पीडब्ल्यूडी का संयुक्त उपक्रम है, जिसकी घोषणा 2021 में की गई थी। दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के तहत तीन डबल डेकर वायाडक्ट बनाए जा रहे हैं और यह उनमें से एक है।

इधर, दूसरा फ्लाईओवर आजादपुर से त्रिपोलिया गेट तक बनाया जा रहा है। यह करीब 2.2 किलोमीटर लंबा और 2 लेन का है। यह मध्य और उत्तरी दिल्ली के बीच ट्रैफिक को कम करने में मदद करेगा। यह भी डबल डेकर वायाडक्ट का हिस्सा है, जो आजादपुर से रानी झांसी रोड इंटरसेक्शन तक बनेगा। यह फ्लाईओवर जीटी रोड पर डेरावाल नगर, विजय नगर व राणा प्रताप बाग आदि इलाकों को जाम से राहत दिलाएगा।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि दोनों परियोजनाएं भीड़ वाली जगहों पर हैं। ऐसे में निर्माण कार्य के दौरान कई तरह की चुनौतियां और अड़चनें हैं जिन्हें दूर किया जा रहा है।

शराब के नशे में कुछ रोमांचक करने के चक्कर में कर डाली लूटपाट, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट थाना पुलिस (आईजीआई) ने तीन ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो शराब के नशे में कुछ रोमांचक करने की चाह में लूट की योजना बना डाली और सुरक्षा गार्ड को निशाना बनाया। आरोपितों ने पीड़ित के सामने खुद को पुलिसकर्मी बताया और गलत तरीके से मोटरसाइकिल चलाने की बात कहकर उससे मोटरसाइकिल लूट ली और चलते बने। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी की मदद से पुलिस ने तीनों आरोपितों को दबोच लिया और लूटी गई मोटरसाइकिल के साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। आरोपितों के नाम गर्वित शर्मा उर्फ सनी, प्रशांत कुमार व अनिकेत हैं। इनमें गर्वित बीसीए, प्रशांत बीटेक व अनिकेत एमसीए पास है।

आइजीआइ जिला पुलिस की अतिरिक्त आयुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि 26 जून को पीसीआर काल मिली, जिसमें बताया गया कि तीन लोगों ने पुलिसकर्मी बनकर एक मोटरसाइकिल लूट ली है। शिकायतकर्ता अमरपाल सिंह ने बताया कि वह जीएमआर रक्षा में सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते हैं। 26 जून को शाम 7.10 बजे के करीब जब वह अपनी मोटरसाइकिल से एयरोसिटी जा रहे थे, तभी महिपालपुर अंडरपास के पास तीन लोगों ने उन्हें रोका। इन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और उन पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया।

इनमें से एक ने उनकी मोटरसाइकिल की चाबी छीन ली और उन्हें पुलिस स्टेशन चलने को कहा। जब अमरपाल सिंह ने उनसे पहचान पत्र दिखाने को कहा, क्योंकि वे सभी सादे कपड़ों में थे, तो एक आरोपित ने उन्हें गालियां देनी शुरू कर दीं और दूसरे ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। इसके बाद, एक आरोपित उनकी मोटरसाइकिल लेकर भाग गया, जबकि बाकी दो अपनी मोटरसाइकिल पर फरार हो गए।

रजिस्ट्रेशन नंबर की मदद से पकड़ में आए आरोपित

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इंस्पेक्टर सुमित के नेतृत्व में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। टीम ने जांच के दौरान, घटना स्थल के आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच और आरोपितों द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर सफलतापूर्वक पहचान लिया गया। पता चला कि मोटरसाइकिल सिद्धार्थ नाम के शख्स के नाम पर रजिस्टर्ड है, जो शकरपुर, पूर्वी दिल्ली का रहने वाला है।

टीम तुरंत शकरपुर पहुंची, जहां सिद्धार्थ ने बताया कि उसने लगभग एक साल पहले यह मोटरसाइकिल अपने परिचित गर्वित शर्मा को दी थी, जो पालम गांव का रहने वाला है। पुलिस टीम तुरंत गर्वित शर्मा के पते पर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिला और उसका मोबाइल फोन भी स्विच आफ था। स्थानीय जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से पुलिस ने आखिरकार आरोपित गर्वित शर्मा उर्फ सनी को पालम इलाके में एक ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया।

बताई रोमांचक काम करने की चाह वाली बात

पूछताछ के दौरान, गर्वित शर्मा ने अपना अपराध कबूल कर लिया।

नकली पुलिस बनकर की लूटपाट, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने फर्जी पुलिस बनकर बाइक लूटने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से लूटी गई हीरो स्प्लेंडर बाइक और वारदात में इस्तेमाल बजाज एंटाइसर बाइक भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक घटना 26 जून की शाम 7:10 बजे की है, जब पीड़ित अमरपाल सिंह जो जीएमआर में सिक्योरिटी गार्ड हैं। वह अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक से ड्यूटी पर एरोसिटी जा रहे थे। महिपालपुर अंडरपास के पास उन्हें तीन युवकों ने रोका और खुद को पुलिसकर्मी बताया। इन युवकों ने उन्हें तेज रफ्तार से बाइक चलाने का आरोप लगाकर बाइक की चाबी छीन ली। जब अमरपाल ने पहचान पत्र दिखाने को कहा, तो उन्हें गालियां दी गई और थप्पड़ मारा। इसके बाद एक युवक बाइक लेकर भाग गया। जबकि दो आरोपित दूसरी बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस अधिकारी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन टीमों का गठन किया गया। टीमों ने करीब 250झ्र300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में लुटेरों की बाइक का नंबर सामने आया, जो शकरपुर निवासी सिद्धार्थ के नाम पर रजिस्टर्ड थी। पूछताछ में सिद्धार्थ ने बताया कि बाइक उसने करीब एक साल पहले अपने परिचित गरवित शर्मा को दी थी।

पीड़ित से भी सिद्धार्थ की पहचान कराई गई, जिसने बताया कि वह आरोपित नहीं है। इधर पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस के जरिए गरवित शर्मा उर्फ सनी (25) को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने कबूला कि उसने अपने दोस्तों प्रशांत और अनिकेत के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

'झूठी और नकली है पीएम मोदी की गारंटी'- जंतर मंतर प्रदर्शन में बोले केजरीवाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में झुग्गियों के खिलाफ चल रहे एक्शन को देखते हुए बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आप ने सरकार के इस कदम के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इसमें पार्टी के तमाम बड़े चेहरे अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह शामिल हुए। इस दौरान केजरीवाल ने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। केजरीवाल ने बीजेपी सरकार पर दिल्ली को बर्बाद करना का आरोप लगाया और मोदी की गारंटी को फर्जी बताया।

दिल्ली के कई इलाकों में ताबड़तोड़ बुलडोजर एक्शन चल रहा है। बीजेपी सरकार झुग्गियों पर बुलडोजर चला रही है। जिसके बाद से लोगों में आक्रोश है और अब बीजेपी के इस कदम का आम आदमी पार्टी ने विरोध किया है। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दिल्ली में झुग्गियों को तोड़े जाने के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने जंतर मंतर पर 'घर रोजगार बचाओ आंदोलन' का आयोजन किया। इसमें पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेता शामिल हुए। साथ ही पूरी दिल्ली से झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को बुलाया गया है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि बीजेपी ने लोगों को गुमराह किया और सत्ता में आने के बाद झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है जिससे हजारों लोग बेघर हो रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा- बीजेपी सरकार ने झुग्गियां तोड़कर लोगों की जिंदगी बर्बाद कर दी. जो झुग्गी में रहते हैं, वे आसपास ही नौकरी करते हैं. लेकिन झुग्गी टूटने से रोजगार चला जाता है। इन्होंने एक तरह से आपको खौलते हुए तेल में डाल दिया है. चुनाव के वक्त पीएम मोदी ने कहा था कि जहां झुग्गी, वहां मकान लेकिन उसका मतलब यह था कि जहां झुग्गी, वहां मैदान। मोदी की गारंटी फर्जी और नकली है। मोदी की गारंटी झूठी है। चुनाव से पहले इनके नेता आपके घरों में आकर सोते थे. मैंने कहा था कि इनके नेता आपकी झुग्गियां देखने के लिए आ रहे हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में 40 लाख लोग झुग्गियों में रहते हैं। सब लोग जमा हो जाओ।

भाजपा ने गरीबों का घर और रोजगार दोनों छीन लिया: केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली की बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम रेखा गुप्ता पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम अच्छी खासी दिल्ली छोड़कर गए थे, 24 घंटे बिजली आती थी, इनकी सरकार में 6-7 घंटे के पॉवर कट लगते हैं। अब ये कह रहे हैं कि एक साल रुक जाओ, दिल्लीवालों की मुफ्त बिजली भी बंद कर देंगे। दिल्ली में तोड़ी जा रही झुग्गियों के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हल्ला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी का प्लान दिल्ली की सभी झुग्गियां तोड़ने का है। इनकी गंदी नजर आपके घरों पर टिकी हुई है। दिल्ली में 40 लाख से ज्यादा झुग्गीवाले हैं, यह सभी इकट्ठे होकर सड़कों पर आकर आंदोलन करेंगे। मैं बीजेपी को चेतावनी देना चाहता हूं कि सुधर जाओ, झुग्गियां तोड़ना बंद करो। अगर झुग्गियां तोड़ना बंद नहीं किया तो तुम्हारा सिंहासन डोलने में वक्त नहीं लगेगा।

एक नजर

अभियान चलाकर 83 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी जिला स्पेशल स्टाफ ने जिले में अभियान चलाकर 83 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि पकड़े गये बांग्लादेशियों में 33 नाबालिग हैं। जबकि कुल 83 बांग्लादेशियों में 44 महिलाएं व 39 पुरुष शामिल हैं। सभी आरोपी बांग्लादेश के कुड़िग्राम व तांगल जिलों के रहने वाले हैं। ये सभी मंडावली, मयूर विहार, कल्याणपुरी, गाजीपुर व आनंद विहार इलाकों में बिना किसी वैध भारतीय कागजात के अवैध रूप से रह रहे थे। जांच में पता चला कि सभी आरोपी नदियों के माध्यम से अवैध रूप से भारत की सीमाओं में दाखिल हुए थे। इसके बाद ट्रेन से दिल्ली आए। 24 जून को स्पेशल स्टाफ इंचार्ज जितेंद्र मलिक की टीम ने सूचना के आधार पर पूरे जिले में योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की और उक्त आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। फिलहाल पुलिस ने इन सभी को एफआरआरओ के समक्ष पेश करने के बाद वापस भेजने की निर्वासन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नरेला में युवक की गला रेतकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला इंडस्ट्रियल एरिया इलाके में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को उसका शव बरामद किया। पुलिस ने युवक का दोस्त पर हत्या का शक जताया है। वह वारदात के बाद से फरार है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान 30 वर्षीय सुनील मंडल के तौर पर हुई है। वह बिहार के दरभंगा जिले का रहने वाला था। सुनील मेट्रो विहार फेज टू स्थित किराए के मकान में रहता था। सुनील शादी एवं अन्य कार्यक्रमों में वेटर और हलवाई उपलब्ध कराने का काम करता था। पुलिस ने बताया कि सुनील अपने दोस्त लल्लू के साथ शनिवार रात घर आया था। करीब आठ बजे लल्लू वहां से चला गया। अगले दिन सुबह करीब 7 बजे जब लल्लू दोबारा सुनील के घर आया, तो उसका दरवाजा बंद मिला। कई बार आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर लल्लू दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचा, तो वहां का मंजर देख दंग रह गया। बिस्तर पर सुनील का खून से लथपथ शव पड़ा था। इसके बाद लल्लू ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की, तो मालूम हुआ कि लल्लू के जाने के बाद सुनील का एक और दोस्त आया था। वह युवक अब फरार है। पुलिस ने उसी युवक पर हत्या करने का शक जताया है।

नाबालिग ने मांगी गर्भपात की अनुमति, हाईकोर्ट ने एम्स से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यौन उत्पीड़न के कारण गर्भवती हुई नाबालिग की ओर से गर्भपात कराने की मांग पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में गठित एक मेडिकल बोर्ड से जवाब मांगा है। नाबालिग ने मां के माध्यम से उच्च न्यायालय का रुख करते हुए अपने 26 हफ्ते के गर्भ को गिराने की अनुमति मांगी है। न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने मेडिकल बोर्ड को नाबालिग की जांच करने और रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में भेजी जाए या संबंधित मेडिकल बोर्ड के जांच अधिकारी को सीलबंद लिफाफे में लेने की अनुमति दी जाएगी। मामले में आज फिर से उच्च न्यायालय में सुनवाई तय है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि नाबालिग गर्भावस्था को जारी रखने के लिए तैयार नहीं है। सुनवाई के दौरान उनकी मां ने भी इस भावना को दोहराया। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि चूंकि गर्भावस्था यौन उत्पीड़न का प्रत्यक्ष परिणाम है, इसलिए इस तरह के गर्भधारण से होने वाली पीड़ा को पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चोट माना जाना चाहिए।

मां के डांटने पर बच्चे ने फंदा लगाकर जान दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आदर्श नगर इलाके में शुक्रवार को 12 साल के बच्चे ने घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जांच में सामने आया है कि वह अपनी मां के डांटने से नाराज हो गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, 12 वर्षीय चिराग परिवार सहित आदर्श नगर में रहता था। बच्चे के पिता कारोबारी और मां गृहणी हैं। वह कक्षा सात का छात्र था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बच्चा शुक्रवार को घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान मां उसे होमवर्क पूरा करने और बाहर न खेलने के लिए डांटा। इसके बाद चिराग घर आया और सीधे कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। जब वह काफी समय तक बाहर नहीं आया तो परिजनों ने आवाज लगाई। उन्होंने दरवाजा तोड़कर देखा तो बच्चा चुन्नी से फंदा लगाकर पंखे से लटका था। परिजन उसको उतारकर अस्पताल ले गए, लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल से घटना की सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाने से एसआई जयेश मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में अब तक कुछ भी संदेहास्पद नहीं मिला है।

अतिथि शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति का आदेश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। शिक्षा निदेशालय ने दोबारा नियुक्ति का आदेश दिया है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निदेशालय ने अतिथि शिक्षकों को संबंधित स्कूलों में अनिवार्य तौर पर रिपोर्ट करने को कहा है। इसमें स्पष्ट किया है कि यदि कोई अतिथि शिक्षक एक जुलाई से तीन कार्यदिवस के अंदर स्कूल में रिपोर्ट नहीं करता है तो उसे पुनर्नियुक्ति में रुचि नहीं रखना मान लिया जाएगा। ऐसी स्थिति में उसकी जगह किसी अन्य शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी। उधर, अतिथि शिक्षकों ने पुनर्नियुक्ति के आदेश को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से इस आदेश का इंतजार कर रहे थे।

आम महोत्सव में मन की बात कार्यक्रम सुना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की ओर से त्यागराज स्टेडियम में आयोजित आम महोत्सव-2025 में रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। इस मौके पर दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि आम महोत्सव में दूर-दूर से आए व्यापारियों एवं किसानों के बीच प्रधानमंत्री के विचारों को सुनना एक अद्वितीय अनुभव रहा। कपिल मिश्रा ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य सिर्फ प्रदर्शनी नहीं, बल्कि किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि इस बार सरकार शिव भक्त कावड़ियों के लिए अभूतपूर्व सुविधाएं सुनिश्चित कर रही है। दिल्ली सरकार ने सभी पंजीकृत शिविरों को 1200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का निर्णय लिया है।

डीआरसी ने बच्चों के लिए आयोजित किया सामुदायिक कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा में अंतर को पाटने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की एक सशक्त पहल के तहत, दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज (डीआरसी) ने चार दिवसीय सामुदायिक कार्यक्रम भविष्य की ओर एक उड़ान का आयोजन किया। कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.सविता राय ने कहा कि इस कार्यक्रम में फरीदाबाद के अलीपुर गांव से 28 बच्चे और उनके साथ आए दो आचार्य (मार्गदर्शक) भागीदार बने।

श्रीयादे माता मंदिर का 30वां पाटोत्सव भंडारा प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम हुआ संपन्न

लक्ष्मण प्रजापत

राजस्थान: जिसमें हजारों समाजबंधुओं ने शिरकत की। इस अवसर पर प्रजापति समाज की 425 प्रतिभाओं का सम्मान का सम्मान किया गया। रामचरितमानस भवन में पूर्व सरपंच बल्लूराम कुम्हार की अध्यक्षता एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मदनलाल प्रजापत के मुख्य आतिथ्य में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह में भाजपा नेता उपेन यादव, प्रधान पिस्ता देवी यादव, रमेश प्रजापति, एडवोकेट गिरिराज, अमृत माटी इंडिया ट्रस्ट के चेयरमैन अंजनी किरोड़ीवाल, गायत्री देवी, पार्षद पूजा प्रजापति, नीलम प्रजापत, सजना देवी विशिष्ट अतिथि रहे। प्रदेश प्रवक्ता मदनलाल प्रजापत ने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से शाहपुरा. प्रजापति समाज की प्रतिभाओं सम्मानित करते अतिथि।

ही समाज का विकास संभव है। उन्होंने समाज में राजनैतिक भागीदारी को भी बढ़ावा देने की बात कही। भाजपा नेता उपेन यादव ने कहा कि प्रजापति समाज की एकजुटता काबिले तारीफ है। संचालन मातादीन प्रजापति ने किया। इससे पहले श्रीयादे माता

प्रजापति विकास समिति अध्यक्ष संतुलाल, पूर्व सरपंच बल्लूराम कुम्हार, शंकरलाल, कालूराम, रामेश्वर फाड़वा, भैरूराम, प्रहलाद राय टॉक राज्य मंत्री श्रीयादे माटी कला बोर्ड राजस्थान सरकार राव राजेंद्र सिंह सांसद जयपुर ग्रामीण श्रीमान मनीष यादव विधायक शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र श्रीमान उपेंन जी यादव भाजपा नेता शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र मदन प्रजापति भाजपा प्रवक्ता राजस्थान सरकार सुनीता प्रजापति नगर पालिका अध्यक्ष मनोहरपुर जयप्रकाश प्रजापति थानागाजी प्रधान रामकरण प्रजापति सरपंच प्रतिनिधि रायपुरा जागीर राम किशोर प्रजापति सरपंच पालड़ी पूजा प्रजापति पार्षद नगर पालिका मनोहरपुर सजना देवी कुम्हार खाद्य सुरक्षा मनोनीत राजस्थान सरकार सरवर देवी नगर परिषद पार्षद शाहपुरा श्रीमती पिस्ता देवी यादव प्रधान शाहपुरा पंचायत समिति किरण शर्मा पूर्व पार्षद शाहपुरा क्षेत्र की सभी प्रजापति समाज की समितियां का भी हार्दिक अभिनंदन व स्वागत है बाबूलाल, भोलाराम, पूर्व सरपंच भौरीलाल, रामस्वरूप, सुवालाल, सुरेशचंद,

इससे पहले सुबह श्रीयादे माता का 30वां पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर महंत प्रहलाददास महाराज के सान्निध्य में पंडितों ने माता का पंचामृत से स्नानादि करवाकर श्रृंगारकर झांकी सजाई गई। भंडारे का आयोजन हुआ। मंदिर में भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण शुरू की गई। कार्यक्रम में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, शाहपुरा विधायक मनीष महावीर, प्रभुदयाल आदि ने अतिथियों का साफा व दुपट्टा पहनाकर स्वागत सत्कार किया। समिति की ओर से आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रजापति समाज चौमूं, विराटनगर, रायसर, जमवारामगढ़, नारायणपुर, थानागाजी सहित कई समिति पदाधिकारियों ने शिरकत की। शाहपुरा. प्रजापति समाज के कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधु। धूमधाम से मनाया पाटोत्सव यादव ने भी शिरकत कर महाराज से आशीर्वाद लिया। पाटोत्सव के एक दिन पहले 45वां मंडल सहित आसपास के साधु संतों ने प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज की 10वीं, 12वीं बोर्ड, खेलकूद, स्काउट, सरकारी सेवा में चयनित, नीट, आईटीआई आदि में चयनित करीब 425 छात्र-छात्राओं को शब्दकोष, पेन, नोटबुक व मोमेंटो व कार्यक्रम में भाग लिया, जिन्हें प्रहलाददास महाराज ने भोजन प्रसादी करवाकर दक्षिणा देकर विदाई दी गई। (कासं.) छात्र-छात्राओं ने सेवाएं दी दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में विराटनगर स्काउट ट्रेनिंग काउंसलर विक्रम कुंभावत के नेतृत्व में 25 स्काउट छात्र छात्राओं ने सेवाएं दी।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती करेंगी प्रेस कॉन्फ्रेंस

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: आज दिनांक 28-06-2025 को समय अपराह्न 04:00 बजे, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद माननीया बहन कु. मायावती जी, कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस सभी प्रमुख न्यूज चैनलों पर लाइव प्रसारित की जाएगी। पार्टी के सभी सम्मानित कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों से अनुरोध है कि उपरोक्त समय पर टी.वी. देखने की कृपा करें। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस बहुजन समाज पार्टी के लिए एक।

प्रेस कॉन्फ्रेंस की जानकारी- दिनांकः 28-06-2025 समयः अपराह्न 04:00 बजे- प्रसारणः सभी प्रमुख न्यूज चैनलों पर लाइव बहुजन समाज पार्टी-लखनऊ यूनिट के द्वारा सभी कार्यकताओं और शुभचिंतकों से अनुरोध है, कि वे इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखने के लिए टी.वी. पर उपस्थित रहें।

बिग बॉस 13 फेम शेफाली जरीवाला का हुआ निधन

कांटा लगा सॉन्ग और बिग बॉस 13 से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का निधन हो गया है। 42 साल की एक्ट्रेस को कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अब मुंबई पुलिस ने इस मामले में अपनी जांच शुरू कर दी है फोरेंसिक टीम शेफाली जरीवाला के घर पर पहुंच चुकी है और सबूत जुटा रही है आपको बता दू की घर की मेड और कुक से अंबोली पुलिस स्टेशन में पूछताछ की गई है।

सूत्रों के अनुसार, शेफाली के पति के साथ तीन अन्य लोग शेफाली को बेहोशी की हालत में अंधेरी स्थित बेलेव्यू अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने शेफाली को मृत घोषित कर दिया।

शेफाली के शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनके करीबी दोस्त, परिवार के लोग और फिटनेस ट्रेनर भी

पहुंचे बता दे अस्पताल में शेफाली जरीवाला को मृत अवस्था में लाया गया था इसकी पुष्टि अस्पताल के रिसेप्शन स्टाफ ने कि है

ट्रेनर ने बताया कि शेफाली हमेशा अपनी सेहत को लेकर सीरियस रहती थीं। वह सख्त डाइट फॉलो करती थीं, रोजाना एक्सरसाइज करती थीं। शेफाली को मिर्गी की बीमारी थी, जिसे कंट्रोल में रखने के लिए वह ठंडी चीजें और ड्रिंक्स नहीं लेती थीं। उन्होंने आगे बताया की शेफाली ने एक ऐसा रूटीन अपनाया था जिससे उन्हें दौरे न आएं।

शेफाली की मौत के बाद बेलेव्यू हॉस्पिटल के बाहर नजर आए शेफाली के पति पराग, वही एक्ट्रेस की मां भी रोते हुए बेटी को देखने अस्पताल पहुंची, शेफाली की करीबी दोस्त आरती सिंह अपने पति के साथ कूपर हॉस्पिटल पहुंचीं। हिंदुस्तानी भाऊ भी कूपर अस्पताल पहुंचे 'बिग बॉस' में शेफाली को बहन बनाया था। बता दें, शेफाली जरीवाला ने 2004 में मीत ब्रदर्स के संगीतकार हरमीत सिंह से पहली शादी की थी। 2009 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद 2015 में शेफाली ने एक्टर पराग त्यागी से शादी कर ली थी।

भाजपाइयों की वजह से बट रहे हिन्दू मुस्लिम, संविधान को भाजपा वालो से खतरा

गोवर्धन

मध्य प्रदेश: जिस भारत देश में हम रह रहे हैं इस भारत देश के संविधान को आज खतरा हो रहा है जाति और धर्म के नाम पर भाजपा की है सरकार हमें बांटने का प्रयास कर रही है अच्छे व्यक्ति बनने की धारणा हमारे अंदर होना चाहिए हमारे नेता राहुल गांधी जी की विचारधारा भारत को जोड़ने की है ना कि तोड़ने की यह विचार शनिवार को नगर कानड़ के मांगलिक भवन में कांग्रेस कार्यकताओं की हुई बैठक के दौरान युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने

उपस्थित कांग्रेस के वरिष्ठ जन्म युवा साथियों से कह इस अवसर पर सुसनेर के विधायक भेरुसिह परिहार बापू, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहनलाल आर्य, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेश डीलर, विकाश शर्मा हरखनखेड़ी शाहरू खान।

जिला कांग्रेस महामंत्री अवतार सिंह गुर्जर, आदि मंचासीन थे अतिथि गणों का स्वागत, पूर्व पार्षद अनवर खान अब्दुल रजाक अजमेरी हरि नारायण मालवीय सिद्धू सिंह, कालू सिंह भिलाला भडभुजी, नटवर सिंह चंदन गांव, बाबूलाल सूर्यवंशी पार्षद, कैलाश मालवीय, उमराव सिंह सूर्यवंशी बद्रीलाल,दुलिचद, जनपद सदस्य बद्रीलाल मालवीय,बालू सिह पारसुला, विशाल सूर्यवंशी सुमित, नितिन सूर्यवंशी, आदि सेकडो कांग्रेस के वरिष्ठ जन व कार्यकर्ता मौजूद थे साथ ही गौरी शंकर सूर्यवंशी एवं समस्त अजा प्रकोष्ठ कांग्रेस के कार्यकताओं के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भी भेंट की गई कार्यक्रम का संचालन दरबार सिंह आर्य ने किया।

समाज एवं देश का नाम रोशन करने के लिए तलबा का मेघावी छात्र छात्राओं का हौसला अफजाई किया गया

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेश: इस्तकबाल प्रोगाम मुअनकिद किया गया सम्मान समारोह आयोजन किया गया प्रोगाम आगाज कुरान पाक की तिलावत से मुफ्ती साहब ने किया मुस्लिम जामात खाना झाबुआ में आल इंडिया हज वेलफेयर झाबुआ यूनिट द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 10 वी और 12 वी के मेधावी तलबा बच्चों का सम्मान किया गया। बच्चों को शील्ड और प्रमाण पत्र दिए गए कुल 70 बच्चों को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों में पढ़ने वाले मुस्लिम बच्चों को शिक्षा में रुचि रखने वाले ऐसे बच्चों को प्रोत्साहित के लिए 60% से परीक्षा उत्तीर्ण करने पर शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जिसमें जिले के मुस्लिम बच्चों में छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की वही ऑल इंडिया हज कमेटी के जिला सदर हाजी अब्दुल समद खान ने बच्चों को पढ़ाई और करियर में कैसे आगे बढ़े उसके लिए मार्गदर्शन भी किया गया। मुख्य अतिथि मेहमानों खुश असद साहब, सैयद रियाज, जुबेर, मुफ्ती रुहुल अमीन, हाजी अब्दुल समद खान, नईमुद्दीन शेख, हसन काजी, हाजी तस्दीक आलम, मुस्तकीम, शाहीद खान, सईद जावेद खान, अमजद खान, जुलफि कार, मुजम्मिल भी मौजूद रहे हाजी अब्दुल समद खान ने सभी का प्रोगाम में तशरीफ लाए गए उन सभी का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष योग सेहत, शक्ति, संतुलन और सफलता की कुंजी बताई गई है

मांगी लाल

राजस्थान: योग केवल कसरत नहीं, आत्म जागरण की साधना भी है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की क्रिया नहीं ,बल्कि संपूर्ण जीवन शैली का मार्ग है। योग अनुशासन है, स्वस्थ जीवन का आधार है। योग भारत की एक प्राचीन विद्या है। हमारे ऋषि मुनियों ने परोपकार के लिए इसकी खोज की है। पतंजलि के योग शास्त्र में और हठयोगी प्रदीपिका आदि अनेक ग्रन्थों में इस विद्या के मूल तत्व पाए जाते हैं। हजारों वर्षों से भारतीय जन इस विद्या का लाभ उठाते आए हैं। जिससे वे निरोग, दीघार्यु प्राप्त करते रहे हैं।वैज्ञानिकों ने इस विद्या को विज्ञान की कसौटी पर कस कर देखाहै। योग को बहुत ही उपयोगी पाया है।यही कारण है कि आज योग पूरे विश्व के कई देशों में योग के प्रति रुचि उत्पन्न हो गई है। विश्व के कई देशों में हजारों योग केंद्र खुल गए हैं। जिनसे प्रतिदिन करोड़ों लोग स्वास्थ्य लाभ करने लगे हैं। भारत

के प्रयासों के द्वारा आज विश्व में एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप मे 21 जून को आयोजित किया जाता है।

योग केवल शरीर को मोड़ने, मरोड़ने की क्रिया नहीं बल्कि आत्म साक्षात्कार की वह पद्धति है।जिसमें तन, मन और चित तीनों का सम्यक संतुलन होता है।योग का मतलब होता है, जोड़ना।यह केवल मांसपेशियों का नहीं बल्कि जीवन के उच्चतम उद्देश्य से और समष्टि से भी होता है। जब सांस धीमी होती है, तब विचार भी शांत होते हैं। योग उसी शांति का विज्ञान है। अष्टांग योग, यम, नियम, आसन, प्राणायाम प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन आठ सीढीयो के माध्यम से व्यक्ति आत्म अनुशासन से आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ता है। योग भीतर झांकने की वह खिड़की है, जिससे इकाई जीव और प्रकृति के बीच में तारतम्य होता है। आज विश्व जब अनेक प्रकार केअसन्तुलन, तनाव और रोगों से जूझ रहा है, तब योग एक शाश्वत समाधान बनाकर हमारे सामने आया है। यह कोई नई खोज नहीं बल्कि भारत की परंपरागत धरोहर है।शारीरिक योग हमारे शरीर को, आंतरिक योग हमारी आत्मा को स्वस्थता प्रदान करता है। तन मन की शुद्धता को प्रदान करता है।

योग एक अनुभूति है। जो शरीर को मजबूती ,मन को शांति और आत्मा को ऊर्जा देता है।सांसों की लय में जब हम खुद को पाते हैं ,तभी जीवन का सत्य और संतुलन पाते हैं।शारीरिक योग शरीर को ,आंतरिक योग हमारी आत्मा को स्वस्थता प्रदान करता है।योग से तन, मन, आत्मा की शुद्धि होती है। यह व्यायाम नहीं एक अनुभूति है। सांसों की लय में जब हम खुद को पाते हैं, तब जीवन का सत्य और संतुलन पाते हैं। आज के आधुनिक युग में तन ,मन को स्वस्थ रखने में केवल योग ही उपयोगी सिद्ध हो सकता है अतः प्रतिदिन नियमित रूप से योगासन करना चाहिए। कहां भी है, कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। जो योग द्वारा ही संभव हो सकता है।

एक नजर

कष्ट निवारण समिति के सदस्य बनने पर प्रदीप कुमार ने जताया विधायक कंवर सिंह यादव का आभार

मेनपाल/हरियाणा: गांव लावन निवासी प्रदीप कुमार को जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) का सदस्य नियुक्त किया गया है।प्रदीप कुमार ने विधायक कंवर सिंह यादव को मिठाई खिलाकर धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। प्रदीप कुमार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक कंवर सिंह यादव एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा मेहनती कार्यकताओं की सेवा भावना को देखकर ही पद देती है। कार्यकताओं को पार्टी के लिए खूब मेहनत करनी चाहिए ताकि पार्टी में उन्हें और सम्मान मिल सके।पूर्व में मंडल अध्यक्ष, जिला सचिव,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष अनेक दायित्व का निर्वहन किया है।बीजेपी पार्टी से लंबे समय से जुड़कर पार्टी की जन कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है।इस अवसर पर राजदीप,कृष्ण कुमार,रणधीर सिंह आदलपुर,ललित, राहुल,सुजान, मोनू,अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालय में कल से होंगे गुलजार, अध्यापक स्कूल आने वाले बच्चों का करेंगे स्वागत

संजय सिंह चौहान/उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जिले सहित सभी क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में कल यानी 1 जुलाई से बच्चे पहुंचने शुरू हो जाएंगे. पठन-पाठन का कार्य भी शुरू हो जाएगा. शिक्षक- शिक्षिकाएं विद्यालय आने वाले बच्चों का स्वागत करने की तैयारियों में जुट गए हैं. कक्षा 1 से 12 तक के स्कूलों में 20 मई के बाद ग्रीष्मावकाश शुरू हो गया था। ;छठवीं से 12वीं तक के विद्यालयों में इस दौरान समर कैंप की गतिविधियां जरूर चलती रही, लेकिन पढ़ाई ठप थी। ग्रीष्म अवकाश के बाद स्कूलों को 15 जून से ही खुलना था लेकिन, गर्मी और बारिश के वजह से बच्चों के लिए 15 दिन की छुट्टियां बढ़ा दी गई थी। अब 1 जुलाई से सभी स्कूल अपने समय से खुलने लगेंगे. इस बीच शिक्षा विभाग की ओर से स्कूल खोलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। विद्यालयों में शिक्षक,अनुदेशक, शिक्षामित्र साफ- सफाई के साथ ही स्कूल परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, जिससे पहले दिन बच्चे स्कूल पहुंचे तो उन्हें अलग अनुभव हो.विभाग ने सभी शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वह गांवों में अभिभावकों से मुलाकात कर पहले दिन से ही सभी बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराऐं. साथ ही छूटे हुए बच्चों का नामांकन भी अनिवार्य रूप से करें।

रथ यात्रा मेला सकुशल संपन्न

अनूप कुमार/उत्तर प्रदेश: अहरौरा, मिजार्पुर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य एक दिवसीय रथ-यात्रा मेला शुक्रवार को नगर के मोहल्ला सत्यामगंज स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण से शाम 5:00 बजे निकाली गई। मेला पूर्व की भांति इस वर्ष भी भजन कीर्तन के साथ-साथ भगवान जगन्नाथ के जय घोष से पूरा नगर गूंजयमांन हो उठा । भगवान का रथ नगर के जिस जिस मोहल्ले से गुजर रहा था लोग अपने-अपने दरवाजे पर पूजन पाठ विधिवत कर रहे थे तथा रथ को अपने दरवाजे से आगे की ओर बढाते हुए नजर आए। रथ यात्रा मेला नगर के मोहल्ला सत्यानगंज ,कसरहटी ,चौक बाजार, टिकरा खरंजा ,गोला पांडे जी होते हुए पट्टी कला पहुंचि तथा रात्रि में पुनः मंदिर परिसर में आकर समाप्त होगी। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर में साफ साफ अच्छी व्यवस्था की।वही पुलिस प्रशासन ने मेला को सकुशल संपन्न कराने हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेला में उपस्थित प्रमुख लोगों में राजकुमार अग्रहरि, सुरेश जयसवाल, मनोज गुप्ता, विजय अग्रहरि, संजय, अमित, पालिका अध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी ,धीरज सिंह, गौरव , जगत सिंह ,संतोष गुप्ताआदि काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एनबीएसटीसी स और चार पहिया वाहन के बीच हुई जोरदार टक्कर

तनुमोय चक्रवर्ती/पश्चिम बंगाल: सड़क दुर्घटना में कई घायल शनिवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। कूचबिहार जिले के तूफानगंज अनुमंडल के तारागंज इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 17ए पर धुबरी जा रही यात्रियों से भरी एनबीएसटीसी बस और ईंटों से लदे छोटे चार पहिया वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर है, जिसे ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों में सरकारी बस के चालक गोविंदा घोष, रतन घोष और कंडक्टर कल्लोल दास तथा छोटे चार पहिया वाहन का चालक अनिजुल शेख शामिल हैं। छोटे चार पहिया वाहन के चालक को ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल यात्री का नाम पता नहीं चल सका है। इस संबंध में सरकारी बस चालक गोविंदा घोष ने बताया कि रायगंज डिपो से कूचबिहार होते हुए धुबरी जाने वाली उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम की यात्री बस 20 से 25 यात्रियों को लेकर धुबरी के लिए रवाना हुई थी। तारागंज इलाके में विपरीत दिशा से आ रही ईंटों से लदी चार पहिया वाहन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना में कंडक्टर समेत सरकारी बस के दो चालक और एक यात्री घायल हो गए। घायलों को तुफानगंज उपजिला अस्पताल ले जाया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने चार पहिया वाहन के चालक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की खबर मिलते ही बॉक्सिरहाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।

शीशपाल केहरवाला का भाजपा पर तीखा वार

अब नहीं चलेगी भाजपा की फिल्म, जनता चलाएगी कांग्रेस की फिल्म

अर्थिक वर्मा

हरियाणा: प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले विधायक,झूठ बोल रहे थे भाजपा मंत्री, अब हो चुके हैं मैदान से बाहर, सांसद सैलजा व विधायक कोटे की ग्रांट का हिसाब जनता के सामने रखा कालांवाली नगरपालिका चुनाव की सरगर्मी के बीच शनिवार को कांग्रेस विधायक शीशपाल केहरवाला ने रवि दानेवालिया की दुकान पर एक अहम प्रेस वार्ता कर भाजपा पर तीखे प्रहार किए। विधायक ने भाजपा मंत्रियों की 'झूठी बयानबाजी' को लेकर खुलकर निशाना साधा और कहा कि जनता सब देख रही है, अब न तो भाजपा की स्क्रिप्ट चलेगी और न ही उनकी फिल्म।

कांग्रेस की फिल्म और कालांवाली की जनता की फिल्म चलेगी, जो अब भाजपा को कालांवाली सत्ता से बाहर करेगी। विधायक केहरवाला ने सांसद कुमारी सैलजा और अपने विधायक कोटे से खर्च की गई विकासात्मक ग्रांट का विवरण भी सार्वजनिक किया और भाजपा द्वारा हिसाब मांगने की राजनीति को जवाब दिया। इस मौके पर उनके साथ संदीप नेहरा,मोहित शर्मा, सुभाष प्रजापति, रवि दानेवालिया, भूषण दानेवालिया, पकं ज माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

भाजपा अब मैदान से बाहर: विधायक केहरवाला विधायक शीशपाल ने कहा कि भाजपा के मंत्री झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन अब वो चुनावी मैदान से बाहर हो चुके हैं। उन्होंने कहा भाजपा के मंत्रियों को इतना घमंड है कि वे कहते फिर रहे हैं कि ईवीएम मशीन महेश झोरड़ के घर रख दो, भाजपा जीत जाएगी। ये बयान उनके अहंकार को दशार्ते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब भाजपा की राजनीति की स्क्रिप्ट पुरानी हो चुकी है। अब न कोई मंत्री आएगा न मुख्यमंत्री, अब जनता की सरकार बनेगी, कांग्रेस की सरकार। भाजपा ने नहीं किया विकास, अब मांग रहे वोट विधायक ने भाजपा की विकास योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि 11 सालों से भाजपा की सरकार रही है लेकिन कालांवाली को विकास से वंचित रखा गया। वो अब चुनाव के समय मंत्री लेकर आए, वोट मांगने लगे, लेकिन जनता जानती है कि बिजली, पानी, सफाई और नशे की मार झेल रहा है कालांवाली। इतने सालों में काम नहीं किया, अब वोट लेने की साजिश कर रहे हैं।

सांसद व विधायक कोटे का हिसाब भी रखा सामने इस मौके पर विधायक ने सांसद कुमारी सैलजा और अपने कोटे से पिछले वर्षों में कराए गए कार्यों का आंकड़ा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि शहर की गलियों, नालियों, सामुदायिक भवनों, पार्कों और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं में हजारों लाख की ग्रांट खर्च की गई। उन्होंने कहा भाजपा बार-बार हिसाब मांग रही थी, हमने जनता के सामने पूरा हिसाब रख दिया है। अब वो बताएँ कि उन्होंने क्या किया। अब जनता बोलेगी, भाजपा की फिल्म हो गई फ्लॉप विधायक ने कहा कि भाजपा की रणनीति पूरी तरह विफल हो चुकी है और कालांवाली की जनता अब जाग चुकी है। अब न कोई जुमला चलेगा, न कोई झूठा वादा। जनता सब समझ चुकी है। भाजपा की फिल्म अब फ्लॉप हो चुकी है। कांग्रेस की फिल्म और कालांवाली के लोगों की फिल्म अब चलेगी। महेश झोरड़ को लेकर भी किया समर्थन का दावा विधायक शीशपाल ने कांग्रेस समर्थित चेयरमैन पद के उम्मीदवार महेश झोरड़ को लेकर भी जोरदार बयान दिया। उन्होंने कहा महेश झोरड़ का चेहरा साफ है, छवि ईमानदार है। जनता उन्हें जानती है, वे पहले भी प्रधान रह चुके हैं, तजुर्बा है, काम करवाने का हौसला है। जनता का समर्थन उनके साथ है और अबकी बार भाजपा को जवाब मिलेगा।

जनता से अपील, सोच समझ कर दें वोट प्रेस वार्ता के अंत में विधायक ने जनता से अपील की कि वोट सोच समझकर दें। वे लोग आए हैं जो सिर्फ वोट लेकर चले जाएंगे। हमने और हमारे उम्मीदवार ने आपके साथ रहकर काम किया है, आगे भी करेंगे।

कांग्रेस ने पकड़ी मजबूती, भाजपा रक्षात्मक कालांवाली नगरपालिका चुनावों में जिस प्रकार विधायक शीशपाल केहरवाला फ्रंट फुट पर भाजपा को घेरे हुए हैं, उससे कांग्रेस के उम्मीदवार महेश झोरड़ को स्पष्ट लाभ होता दिखाई दे रहा है। भाजपा द्वारा बार-बार ईवीएम को लेकर दिए जा रहे बयानों और फ्लॉप प्रचार से भाजपा बैकफुट पर दिख रही है। कांग्रेस ने अब विकास का हिसाब भी जनता के सामने रख दिया है, जिससे चुनावी हवा कांग्रेस के पक्ष में जाती दिख रही है।

एक नजर

शासकीय प्राथमिक शाला खैरी में प्रवेशोत्सव व विधाई समारोह आयोजित

दीपक बंजारे/ छत्तीसगढ़: जनपद पंचायत पलारी के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला खैरी में प्रवेशोत्सव व विधाई समारोह आयोजन किया गया,यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत खैरी के नवनिर्वाचित संरपच चितरेखा लक्ष्मीनारायण घृतलहरे,पालकगण, प्रधानपाठक, शिक्षक व विधार्थी कि उपस्थिति में सम्पादित हुआ! सर्वप्रथम मां सरस्वती कि पुजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलित कर पुजा किया गया, तत्पश्चात नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के आरम्भ में संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों को शासन के आदेश निर्देश से अवगत कराते हुए शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार, क्रियान्वयन, शाला संचालन समय व पालन , मध्यान्ह भोजन कि गुणवत्ता व मीनु का पालन , पाठ्य-पुस्तक का वितरण , आइपीआर प्रविष्टि " एक पेड़ मां के नाम" का गहनता से पालन आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अवगत कराया गया! कक्षा पांचवीं में प्रथम कशिश टंडन 86%,संध्या मनहरे84%,डिम्पल कोसले 78% स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पानी बाटल, पेन,कापी देकर प्रोत्साहित किया गया एवं पांचवीं कक्षा के सभी बच्चों को विधाई दिया तथा नवप्रवेशी छात्रों को तिलक लगा,मुंह मीठा कराते,गुलाल लगाते हुए गणवेश व पुस्तक वितरण किया गया तथा नन्हे बच्चों के द्वारा मनमोहन देशभक्ति, नृत्य प्रस्तुत किया गया इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला खैरी प्रधानपाठक -रामजी नंवरंगे,शिक्षक दिलेश्वर भारद्वाज, शंकरलाल पैकरा,संरपच चितरेखा घृतलहरे ,उपसरपंच रामायण डहरिया,मनीष घृतलहरे जिलाध्यक्ष बलौदाबाजार भीम क्रांतिवीर ,पंचः- ज्योति कोसले,माही रात्रे, सावित्री बांधे,अन्नु घृतलहरे, वेदव्यास कोसले, आगसबाई,नरेंद्र घृतलहरे , ललित घृतलहरे आदि ग्रामीण व पालकगण,छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे!!

विद्युत कर्मचारी की हुई संदिग्ध मौत, स्वजन ने जताई हत्या की आशंका

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेश: पोरसा, में गांधी नगर में विधुत कर्मचारी का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। विधुत कर्मचारी सुनील गौड़ (40) पुत्र बैजनाथ गौड मूल रूप से मुरैना जिले के जौरा तहसील का निवासी था,,। वह विधुत विभाग रजौधा में परीक्षण सहायक के पद पर पदस्थ थे। कर्मचारी सुनील गौड़ का बीते सप्ताह में ही पोरसा के रजौधा से स्थानांतरण कर अंबाह के दिमनी विद्युत सब स्टेशन पर पदस्थ किया गया है। स्थानांतरण होने के पश्चात कर्मचारी सुनील कुमार गौड़ ने दिमनी विद्युत केंद्र पर बीते तीन दिन पहले अपनी जोइनिंग भी ले ली थी फिलहाल वह पोरसा मे रह रहे थे। जानकारी मिली है कि वह पोरसा से मकान खाली कर दिमनी में ही शिफ्ट होना चाह रहे थे जिसके लिए वह अपने परिवार के सभी सदस्यों को अपने मुरैना वाले घर पर छोड़ आए थे। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस विधुत कर्मचारी के शव के फंदे पर लटके होने की सूचना मिलने पर पोरसा पुलिस गांधी नगर स्थित किराए के मकान में पहुंची गई है। वहीं विद्युत कर्मचारी के परिवारिजन भी घटना स्थल पर पहुंचे, पुलिस ने शव को उतार कर पोस्ट मार्टम के लिए पहुंचाया, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की, मृतक के निवास स्थल व विद्युत कंपनी के अधिकारी कर्मचारियो से जानकारी ले रही है, पुलिस, स्वजन ने जताई हत्या की आशंका, गले में रस्सी के कई अंटे लगे मिले है,, शासकीय अस्पताल में पीएम के बाद परिजन डेड बॉडी परिजनों को सुपुर्द की गई,, सुनील गौड के एक बच्ची व दो छोटे छोटे बच्चे हैं, सुनील गौड पिछले 17 बरसो से विधुत विभाग में कार्यरत था पिछले 8--10 बरसों से रजौधा में कार्यरत था।

जनपद मीरजापुर में भव्य विदाई समारोह सकुशल संपन्न

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर पूर्व से निर्धारित भोला गार्डन मिजार्पुर में बड़े भाई आदरणीय बी के सिंह कमान्डेंट महोदय का स्थानांतरण बाराबंकी हो जाने पर भव्य विदाई समारोह आदरणीय कमाडेंट महोदय के साथ ही साथ साथ माननीया राष्ट्रीय लोक गीत गायिका एवं शिक्षिका मातृत्व शक्ति ? नारी शक्ति श्रीमती संजू सिंह को भी *, शाल अंग वस्त्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय पंचशील अंग वस्त्र, भगवान बुद्ध का मेमोन्टो, राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ, धम्म पद से माननीय अरुण कुमार मौर्य जिला अध्यक्ष मौर्य विकास समिति जनपद भदोही टीम के साथ पहुंचकर सम्मानित किए एवं आदरणीय हीरालाल मौर्य पूर्व चेयरमैन ज्ञानपुर जिला उपाध्यक्ष मौर्य विकास समिति ने भी आदरणीय कमाडेंट महोदय को तथागत भगवान बुद्ध जी का मेमोन्टो चित्र देकर सम्मानित किए माननीया श्रीमती पुनम मौर्या ब्लाक प्रमुख भदोही द्वारा अंग वस्त्र शाल एवं बुकें देकर साथ में रहें आदरणीय राकेश कुमार मौर्य जिला सचिव, आदरणीय प्रितम मौर्य जिला प्रवक्ता एवं अमर उजाला विज्ञापन प्रभारी भदोही, आदरणीय डाक्टर राजेंद्र प्रसाद मौर्य डायरेक्टर श्याम लाल मेमोरियल हॉस्पिटल बाईपास भदोही, युवा समाजसेवी प्रणय मौर्य मनौवा खमरिया, आदरणीय रुपेश कुमार मौर्य सिंगर, डाक्टर वरुण कुमार मौर्य नेत्र विशेषज्ञ, कार्यक्रम में आदरणीय रविन्द्र कुमार मौर्य सुपरिडेन्टन अधिक्षक मिजार्पुर द्वारा लिखी गई पुस्तक छठ मईया का विमोचन किया गया एवं आयें हुए सभी अतिथियों को अधिक्षक द्वारा सम्प्रेम भेंट किया गया, आदरणीय विजय कुमार मौर्य संभागीय परिवहन अधिकारी मिजार्पुर मुख्य रूप से कार्यक्रम के आयोजक भोला गार्डन के ओनर आदरणीय आनन्द सिंह कुशवाहा जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा मिजार्पुर, एवं आदरणीय दीपक कुशवाहा जिला सचिव एवं कुशवाहा बिज भण्डार।

फरुखाबाद में जगह जगह पुष्प वर्षा की गई, भगवन जगन्नाथ की निकली भव्य यात्रा

अमरदीप

उत्तर प्रदेश: शहर की प्राचीन परंपरा के तहत शुक्रवार को भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। भक्तजन हाथों से रथ खींचते चल रहे थे। छतों से लोग फूल बरसा रहे थे। जगह-जगह आरती हो रही थी। चारों तरफ जयकारे गूंज रहे थे। शहर के लोहाई रोड स्थित श्रीराधा माधव मंदिर पहुंचकर रथयात्रा का समापन हुआ। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया। डॉ. मनमोहन गोस्वामी के नेतृत्व में निकाली गयी शोभायात्रा चौक, नेहरु रोड, धुमना बाजार, नितगंजा, स्टेट बैंक होती हुई राधा माधव मंदिर घमंडी कूंचा में सम्पन्न हुईजहां आरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। भगवान की आरती उतारी गई।

श्रीराधा माधव कीर्तन मंडल के वैष्णोभक्त ढोल-मजीरा, करताल के साथ जय जगन्नाथ स्वामी के जयकारे लगा रहे थे। संकीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। छतों से भक्तजन फूलों की वर्षा कर रहे थे। रथ पर सवार जगन्नाथ स्वामी, बहनसुभद्रा, भाई बलराम भक्तों को दर्शन देते चल रहे थे। वैष्णो भक्त नंगे पांव रथ खींच रहे थे। इस दौरान एडीजे शैली रॉय, एडीजे अनुज कंबोज, एडीजे अंकित मित्तल,चिन्मय गोस्वमी, आचार्य किशोर दास, श्याम सुन्दर शुक्ला, मनीष पाण्डेय, अशोक वर्मा, सुनील वर्मा, डा.मनोज महरोत्रा, सुरेन्द्र सफ्फड, अशोक शुक्ला,सौरभ मित्तल, नीरज रस्तोगी, संजय गर्ग,विनोद अग्निहोत्री, अंजुम दुबे आदि रहे।

भगवान जगन्नाथ को सिर पर रखकर निकाली यात्रा का भव्य स्वागत शहर के पक्का पुल नाला स्मित सुमाल निवासी कांग्रेस नेता शुभम तिवारी के आवास पर स्थित भगवान जगन्नाथ के मंदिर से रथ पर भगवान को विराजमान कर डीजे के साथ यात्रा शुरू हुई लेकिन जिला प्रशासन से अनुमति ना होनें से शहर कोतवाली पुलिस नें मौके पर आकर डीजे बंद कराकर रथ सेनिकलने की अनुमति नही दी जिसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान की प्रतिमाओं को सिर पर रखकर ढोल नगाढ़ों के साथ यात्रा को नगर भ्रमण करायो यात्रा पक्का पुल, किराना बाजार, चौक, नेहरु रोड़. नितगंजा, स्टेट बैंक गली होते हुए वापस मन्दिर में विश्राम हुई जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा पर जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा समापन के बाद आरती हुई व प्रसाद बांटा गया। शुभम तिवारी, भप्पू सोनी, आलोक मिश्रा,विमलेश मिश्रा, सौरभ मिश्रा, पंकज दीक्षित, प्रभात मिश्रा, अंकुर मिश्रा बृजेश तिवारी, आदित्य दीक्षित रहे।

रीवा रांची मार्ग पर खड़े ट्रक से पुलिस ने किया 1 करोड़ रुपये का गांजा बरामद

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जिले के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रीवा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग पर रजखड़ गांव में शनिवार की देर शाम पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान किनारे खड़े एक ट्रक से चावल से भरी बोरियों के बीच 40 बोरी में 10 कुंतल गांजा ट्रक सहित बरामद किया. जिसकी कीमत बाजार में एक करोड़ रुपए आंकी जा रही है.

अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने पुलिस लाइन में रविवार की दोपहर इस कामयाबी का खुलासा किया। बताया कि शनिवार की देर शाम दुद्धी कोतवाली पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों / वाहनों की चेकिंग में जुटी हुई थी. प्रभारी निरीक्षक दुद्धी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि रजखड़ गांव स्थित कोतवाली थाना के सामने वाहन चेक कर रही पुलिस ने संदिग्ध हालात में खड़े ट्रक को चेकिंग किया. ट्रक खड़े हालात अवस्था मे पुलिस ने होटल संचालक से पूछा तो जानकारी हुई कि ट्रक घंटों से यहीं खड़ी है. डीसीएम ट्रक झारखंड से हाथीनाला की ओर जाने के लिए खड़ी थी।

डीसीएम ट्रक को पुलिस ने संदिग्ध हालात को देखते हुए जांच करने लगी. पुलिस ने ट्रक के भीतर चेक किया तो चावल से भरे बोरियों के बीच मे गांजे की सुगंध आने लगी. ट्रक एक्ळ्लएफ ट्रक संख्या खल्16 ख6356 में कुल 40 बोरियों में 10 कुन्तल अवैध गांजा (कीमत लगभग एक करोड़ रुपये) है, जबकि कुल 276 बोरियों में 81 कुन्तल 90 किलो चावल निकला. बरामदगी करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह, एसएसआई सुरेश चन्द्र द्विवेदी, एसएसआई मिठ्ठू प्रसाद, एसएसआई रामसजीवन, एसएस आई राजेश पाण्डेय, हेड कांस्टेबल अशोक सिंह यादव,अजय कुमार यादव,अमरजीत कुमार, सीताराम यादव, राजेश सिंह मौजूद रहे. पुलिस के मुताबिक, वाहन स्वामी सहित अज्ञात वाहन चालक और तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर, छानबीन शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ या झारखंड की तरफ से गांजा लाया जा रहा था. चेकिंग के दौरान पुलिस को दिखने पर चालक-तस्कर वाहन को हाईवे किनारे खड़ा कर फरार हो गए।

नेशनल हॉकर फेडरेशन ने उठाई आवाज

गरीबो पर नहीं अमीरो पर टैक्स लगाया जाए एवं जलवायु परिवर्तन की ठोस नीति बनाई जाए

संजयसिंह चौहान

मध्य प्रदेश: नरसिंह घाट रामद्वारा हरसिद्धि चौरहा चारधाम मन्दिर मीणा धर्मशाला के सामने एवं मनकामना हनुमान मन्दिर के पास दिनांक 29 जून को पथ विक्रेताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया अमीरों पर टैक्स लगाने की मांग गरीबों पर कोई टैक्स नहीं लगे वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन को लेकर कोई ठोस नीति बनाई जाए जिससे गिरता तापमान बढ़ता हीट वेब से निपटा जा सके जनमानस और दुनिया को बचाने के प्रयास किया जा सके आने वाले समय मे होने वाले विघवंस से बचने के लिए होने वालेअवैध खनन गैस कच्चा तेल आदि निकालने पेड़ों की अधिक कटाई होने से धरती ओर जन मानस पर इसका आसर पढेगा।

जिस तरह पानी का जलस्तर और नीचे जा रहा है जिससे तापमान में परिवर्तन हो रहा है और यहां समस्या भारत ही नहीं दुनिया की समस्या है, जिस पर ठोस व कारगर नीति बनाने के प्रयास कई संगठन एनजीओ द्वारा चलाए जा रहे हैं, उसी कड़ी में नेशनल हॉकर फेडरेशन भी जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से सरकार द्वारा ठोस निराकरण किए जाने की मांग में विरोध स्वरूप अपना समर्थन देता है, जिससे इस दुनिया दुनिया और जनजीवन में आने वाले प्राकृतिक आपदा सहित समस्याओं का समाधान किया जा सके क्या जानकारी उज्जैन जिला नेशनल हार्कर फेडरेशन संजय चौहान कालूराम चौहान विजय जोशी रामकुमार सोनी सुरेश माली पप्पू ठाकुर दीपक राठौड़ अजय अग्रवाल अर्जुन काहर मंजू चौहान आरती पांचाल संजू राठौड़ सावित्री बामनिया पिंकी वर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नशे से मुक्त समाज की ओर बढ़ रहा कदम, नशे से दूर रहने की अपील की गई

मंगी लाल

राजस्थान: नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जीवन को भी बर्बाद कर देता है। युवाओं को इससे विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है। मीडीया एंव पुलिस प्रशासन द्वारा जन संवाद के माध्यम से नशा छोड़ो, जीवन जोड़ों का संदेश दिया जा रहा है। आसपास के लोगों को नशे के सौदागरों की जानकारियां तुरंत पुलिस प्रशासन को देने का आग्रह भी किया जा रहा है । पुलिस प्रशासन द्वारा पुलिस टीमे गठित कर नशा मुक्त समाज बनाने की दिशा में पहल की है। पुलिस टीमों द्वारा चौराहो, नुक्कड़ो एवं शादी विवाह समारोह , मौत मर्तग के कार्यक्रमों में जाकर के नशा मुक्ति संबंधी अभियान चलाए जा रहे हैं। नशा विहीन अभियान के तहत आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराकर नशे छोड़ने के लिए उनको प्रेरित करके जागरूक किया जा रहा है। उनको जागरुक करने हेतु जगह-जगह पर कार्यक्रम आयोजित करके जागरूक किया जा रहा है।

गांवो, शहरो में विभिन्न समाजों के संगठनों द्वारा, स्वयं सहायता समूहो, नशा मुक्ति केंद्रो, आंगनबाड़ी केंद्रो, समाज सुधारको आदि द्वारा नशा मुक्त समाज बनाने हेतु जागरूकता अभियान एवं कैंप आयोजित कर नशा छुड़ाने का प्रयास किया जा रहा है। जो एक अच्छी पहल मानी जा रही है। इनके द्वारा नशा मुक्त समाज बनाने एवं समाज सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रशंसनीय कार्य किया जा रहा है। अंत में---आज नशा जो एक महामारी के रूप में फैल रहा है। उस पर अंकुश लगाना हम सबका दायित्व है। सरकार के द्वारा भी वीडीं ,सिगरेट, तंबाकू, जर्दा, गुटखा, शराब, स्मैक ,अमल, डोडा आदि प्रतिबंधित है।कानूनन ,दंडनीय, अपराध घोषित किया हुआ है।नशामुक्ती हेतु काफी प्रयास किये जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा भी बहुत सारे कार्य किया जा रहे हैं।

जिससे इस पर प्रतिबंध, धरपकड़, अंकुश एवं सजा का प्रावधान कर के रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है।जो एक क्षेत्रसराहनीय कदम माना जा रहा है। आजकल युवा और कई लोग स्वत ही नशे से विरक्त हो कर नशे से घृणा कर नशे से दूरी बना रहे हैं। जो एक समाज सुधार के रूप में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कालांवाली में अभय चौटाला का भाजपा और कांग्रेस पर तीखा हमला

अर्थिक वर्मा

हरियाणा: कालांवाली नगरपालिका चुनाव में शुक्रवार को इनेलो के वरिष्ठ नेता व ऐलनाबाद से पूर्व विधायक अभय सिंह चौटाला ने चुनाव प्रचार के दौरान तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कालांवाली की जनता को अब बदलाव चाहिए और ये बदलाव सिर्फ इनेलो ही ला सकती है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव जीतकर इनेलो कालांवाली में असली विकास करेगी, न कि जुमलों और घोषणाओं का। चौटाला ने भाजपा सरकार पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि बीते दिन आई मामूली बरसात ने भाजपा सरकार के विकास की सच्चाई जनता के सामने ला दी। गली-मोहल्ले पानी में डूब गए, ड्रेनेज व्यवस्था फेल हो गई, यही है भाजपा का 11 साल का विकास।

भाजपा और कांग्रेस पर मिलीभगत के आरोप

अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के बीच अंदरूनी समझौता है। दोनों दल सिर्फ सत्ता के लिए जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी कांग्रेस भाजपा की नाकामी पर चुप रहती है तो कभी भाजपा कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर।

संपादकीय

रक्षा मंत्री ने ठीक किया

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिल्कुल ठीक किया। ऐसे 'साझा बयान' पर हस्ताक्षर नहीं किए, जो चीन और पाकिस्तान के नापाक गठजोड़ का दस्तावेज था और आतंकवाद पर नजरिया एकतरफा था। 'सीमापार आतंकवाद' पर भारत के नजरिए को नकारा नहीं जा सकता। 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) किसी का निजी संगठन नहीं है। चीन, भारत, पाकिस्तान समेत 10 देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन था, लिहाजा सभी के सरोकार और खासकर आतंकवाद पर उनकी चिंताओं को 'साझा बयान' में शामिल किया जाना चाहिए था, लेकिन भारत के पहलगाम नरसंहार का उल्लेख तक नहीं किया गया। कश्मीर के उस खूबसूरत क्षेत्र में आतंकियों ने पर्यटकों का 'धर्म' पूछा और हिंदू होने पर गोली मार दी। इस तरह 26 मासूम, बेकसूर लोगों की हत्या कर दी गई। उसकी प्रतिक्रिया में भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करना पड़ा, करीब 170 आतंकियों को ढेर किया गया और उनके अड्डों को 'मिट्टी-मलबा' कर दिया गया। यदि एससीओ आतंकवाद पर कुछ टिप्पणी करना चाहता था, आतंकवाद की निंदा करते हुए उसे खारिज करना चाहता था, तो 'साझा बयान' के दस्तावेज में 'पहलगाम नरसंहार' का जिक्र क्यों नहीं किया गया? यह दोगली रणनीति लगती है। यहीं चीन और पाकिस्तान की आतंकवाद पर नीयत और दृष्टि साफ हो जाती है, लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कलम नीचे रखनी पड़ी और उन्होंने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। नतीजतन रक्षा मंत्री सम्मेलन 'साझा बयान' के बिना ही सम्पन्न करना पड़ा। भारत के रक्षा मंत्री ने सीमापार आतंकवाद के पनाहगारों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कठघरे तक घसीट कर लाने की बात कही। उन्होंने आतंकवाद की प्रत्येक साजिश और हरकत को आपराधिक और अनुचित करार दिया। एससीओ का उद्देश्य आतंकवाद सरीखे मुद्दों पर साझा रणनीति तय करना है। दस्तावेज में बलूचिस्तान की कथित आतंकी गतिविधियों, जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर आतंकी हमले, को शामिल किया गया है, लेकिन पहलगाम नरसंहार को नजरअंदाज किया गया है। भारत को यह स्वीकार्य नहीं था। दुनिया पाकिस्तान के आतंकी रिकॉर्ड को अच्छी तरह जानती है।

युद्ध को ईरान और इजराइल को नुकसान के लिए अमेरिका जिम्मेवार

> इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि से हटने की धमकी दी, जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रणाली का हिस्सा है। ईरान के उप विदेश मंत्री तख्त रवांची ने इस दावे को खारिज कर दिया कि कार्यक्रम को छोड़ दिया जाएगा। कोई भी हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए...उस पहाड़ की उपग्रह छवि जिसके भीतर फोर्डो परमाणु संयंत्र बनाया गया है।

-संजय गोस्वामी-

यूरेनियम का 400 किलोग्राम भंडार - जो 10 परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त है, संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी प्रसारक एबीसी न्यूज को बताया - पिछले सप्ताह वाशिंगटन द्वारा तीन ईरानी परमाणु सुविधाओं पर छह बंकर बस्टर गिराए जाने के बाद लापता हो गया है। गायब यूरेनियम - जिसे ईरान के लिए एक शक्तिशाली सौदेबाजी चिप के रूप में देखा जाता है, जब भी वह अमेरिका के साथ नए परमाणु समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने का विकल्प चुनता है - 60 प्रतिशत तक समृद्ध है। परमाणु हथियार के रूप में उपयोग किए जाने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक समृद्ध किया जाना चाहिएऐसी रिपोर्टें हैं कि ईरान ने हमले से कुछ दिन पहले ही भंडार के साथ-साथ कुछ उपकरणों को गुप्त स्थान पर ले जाया होगा, यह दावा ईईरान अगर परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो यह मध्य पूर्व और आस-पास के क्षेत्रों के लिए व्यापक रूप से अस्थिरकारी होगा। पहली चिंता यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से इजरायल के लिए एक बड़ा, शायद अस्तित्वगत खतरा पैदा हो जाएगा - एक ऐसी चिंता जिसने इजरायल को जून 2025 में ईरान के परमाणु और सैन्य प्रतिष्ठानों पर बड़े पैमाने पर हमला करने के लिए प्रेरित किया। अन्य विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ईरान इजरायल पर परमाणु हमला करता है, तो वह अपनी खुद की मौत सुनिश्चित कर लेगा, जो अमेरिका का करीबी रक्षा साझेदार है और जिसके पास खुद के परमाणु हथियार हैं, जो अघोषित हैं। विश्लेषकों का कहना है कि किसी भी तरह से, गलत अनुमान लगाने की खतरनाक संभावना होगी, जिसके परिणामस्वरूप परमाणु आदान-प्रदान हो सकता है। एक अतिरिक्त चिंता यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से सऊदी अरब सहित अन्य क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी अपने स्वयं के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।अमेरिका के हमले से पहले की सैटेलाइट तस्वीरों में फोर्डो परमाणु संयंत्र के बाहर 16 ट्रकों की कतार दिखाई दी, जो एक पहाड़ के अंदर बना है और इसे ज्यादातर मिसाइल हमलों के लिए अभेद्य माना जाता है, जिसके कारण इजरायल ने अमेरिका से रविवार की सुबह अपने बी-2 स्पिरिट बमवर्षक और जीबीयू-37 बंकर बस्टर बम तैनात करने के लिए कहा।जरायली अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स से दोहराया है। बम फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु सुविधाओं पर गिराए गए।हमले के बाद की तस्वीरों में तीनों को काफी नुकसान हुआ, लेकिन ट्रक गायब थे।अमेरिका के बंकर बस्टर हमले से पहले और बाद में ईरान की फोर्डो परमाणु सुविधा की तस्वीरें से पता चलता है कि नुकसान हुआ है

लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ले जाया गया और इसे कहाँ ले जाया गया, हालाँकि अमेरिका और इजराइल का दृढ़ विश्वास है कि इसे प्राचीन राजधानी इस्फहान के पास एक अन्य भूमिगत भंडारण सुविधा में ले जाया गया था।अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, एक वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था - के प्रमुख राफेल ग्रॉसी के अनुसार, ईरान पर इजराइल के पहले हमले से एक सप्ताह पहले इसका अंतिम निरीक्षण किया गया था। पिछले सप्ताह ग्रॉसी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि यह आवश्यक है कि क्अएअ जल्द से जल्द निरीक्षण फिर से शुरू करे।दुनिया को यह भी चेतावनी दी कि निरंतर सैन्य वृद्धि हेतु रक्षा बजट बढ़ाने को कहा क्योंकि इससे अपरिहार्य कार्य में देरी करती है और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए राजनयिक समाधान की संभावनाओं को कम करती है।क्या ईरान के पास वास्तव में परमाणु हथियार हैं, या हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री है ये अब क्यों आ रहा ईरान ने लंबे समय से जोर देकर कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।लेकिन दावा है कि वह परमाणु हथियार बना रहा है, यह इजराइल द्वारा अपने हमले से पहले लहराया गया लाल झंडा था। तेल अवीव ने यहां तक कहा कि तेहरान परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया में वापस लौटने के बिंदु पर पहुंच रहा था

इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि से हटने की धमकी दी, जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रणाली का हिस्सा है। ईरान के उप विदेश मंत्री तख्त रवांची ने इस दावे को खारिज कर दिया कि कार्यक्रम को छोड़ दिया जाएगा। कोई भी हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए...उस पहाड़ की उपग्रह छवि जिसके भीतर फोर्डो परमाणु संयंत्र बनाया गया है।हालाँकि, इस संबंध में अमेरिकी कथन थोड़ा भ्रमित करने वाला रहा है।पिछले सप्ताह सिएंनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के मिसाइल हमलों के पहले दौर के बाद अमेरिकी खुफिया ने सुझाव दिया कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है, और इसे बनाने में कम से कम तीन साल लगेंगे।

इंटेल ने यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के हमलों ने ईरान को केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है, मुख्यतः इसलिए क्योंकि अनुसंधान का बड़ा हिस्सा फोर्डो जैसे ठिकानों में गहराई से भूमिगत था, जिन्हें इजरायली मिसाइलें नुकसान नहीं पहुँचा सकतीं। हालाँकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने उठठ को बताया कि तेहरान के पास सभी आवश्यक तत्व हैं। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड द्वारा कांग्रेस को महीनों पहले बताई गई बात से पीछे हटने के बाद और अधिक भ्रम की स्थिति पैदा हो गई - कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है।

लेकिन शनिवार को उन्होंने कहा कि ईरान उन्हें कुछ हफ़्तों के भीतर बना सकता है।यह बदलाव तब आया जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उनकी पिछली जानकारी गलत थी।ट्रम्प ने पहले ईरान को एक नया परमाणु सुरक्षा समझौता करने के लिए दो सप्ताह की समय सीमा दी थी, लेकिन खुफिया जानकारी के बाद कार्रवाई की गई कि इजरायल अमेरिकी सहायता के बिना ईरानी सुविधाओं को प्रभावी ढंग से बेअसर नहीं कर सकता। हम इसमें शामिल नहीं हैं (लेकिन) यह संभव है कि हम... ट्रम्प ने रविवार सुबह, अमेरिकी हमले से कुछ घंटे पहले एबीसी से कहा, और ईरान और इजरायल से आग्रह किया कि वे अपने आप ही समझौता कर लें, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।ऑपरेशन मिडनाइट हैमरः कैसे अमेरिका ने बिना पता लगाए ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी कीहमलों के बाद ट्रम्प ने घोषणा की कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंकर बस्टर और टॉमहॉक मिसाइलों की बौछार ने पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

-ललित गर्ग-

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है।

समाज की अंतरात्मा को झकझोरता मातृत्व पर लगा कलंक!

-सोनम लववंशी-

रिश्तों की कोमल भूमि पर भरोसे के बीज बोए जाते हैं। वहीं से अंकुरित होता है जीवन, वहीं से जन्म लेती है संवेदना। लेकिन अगर मां की कोख से जीवन नहीं, हिंसा जन्म लेने लगे, तो वह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि सभ्यता के विनाश का संकेत है। देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार से आई हालिया घटना, जिसमें एक महिला नेत्री ने अपनी ही नाबालिग बेटी का बलात्कार करवाया, ये न केवल एक अमानवीय कृत्य है, बल्कि यह भारतीय समाज की मूल आत्मा पर किया गया क्रूरतापूर्ण आघात भी है। यह वो धरती है, जहां मां को देवी मानकर पूजा गया। जहां मातृभूमि की संकल्पना में राष्ट्र का रूप देखा गया। वही मां, जब शोषण की सूत्रधार बन जाए, सत्ता और वासना के कॉकटेल में नैतिकता की हत्या कर दे, तो इस त्रासदी को केवल अपराध नहीं कहा जा सकता। यह एक आत्महत्या है संवेदना की, परिवार की, और समाज की। यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम सिर्फ पुलिस कार्रवाई या न्यायिक प्रक्रिया की प्रतीक्षा न करें, बल्कि आत्ममंथन करें। उस मासूम लड़की के कोमल मन पर क्या बीती होगी, जो दुनिया में सबसे सुरक्षित स्थान अपनी मां की गोद से ही अपमान, उत्पीड़न और दर्द पाती रही। जब बेटी अपनी आंखों में दहशत और सवाल लिए देखती है, और मां जवाब में ह्ये सब करना ही पड़ेगाह्न कहती है, तब ये न सिर्फ विश्वासघात होता है, बल्कि उस नन्हीं आत्मा के साथ एक गहन ऐतिहासिक अन्याय भी।

परिवार को भारतीय समाज में प्राथमिक इकाई कहा गया है ये वो ईकाई जो मनुष्य को मनुष्य बनाती है, जो आत्मा को साकार करती है, जो सभ्यता की नींव रखती है। लेकिन जब वही इकाई भीतर से सड़ जाए, तो कौन से मंदिर, कौन से विद्यालय, कौन सा कानून समाज को बचा पाएंगे? हम टेक्नोलॉजी में आगे बढ़े हैं, लेकिन मूल्य कहाँ पीछे छूट गए? हमारी आत्मा की आवाज क्यों मंद पड़ती जा रही है? यह सवाल केवल उस एक मां का नहीं है। यह सवाल हम सबका है क्या हमने परिवारों को एक आर्थिक, सामाजिक संस्था मान लिया है? क्या अब माता-पिता सिर्फ पद और प्रतिष्ठा के साधन बन गए हैं, जहां संवेदनाओं की जगह अब ह्यइमेज बिल्डिंगह्न का शोर है? बच्चे अब माता-पिता के ह्यइंस्ट्रूमेंटह्न बन रहे हैं कभी विज्ञापन में, कभी सोशल मीडिया पर, और अब, दुर्भाग्य से, अपराध के औजार में भी। हमारा समाज अक्सर बेटी के शोषण पर चुप रहता है क्योंकि अपराध घर के भीतर होता है, पर्दों के पीछे होता है, और ह्यइज्जतह्न की दीवार बहुत ऊंची होती है। लेकिन इस बार पर्दा खुद मां ने हटाया और अपराध को खुलेआम सहमति दी। यहां चुप रहना कायरता नहीं, सांस्कृतिक आत्मवध है। राजनीति की जमीन पहले से ही अपराधों से सनी हुई है, पर जब वह घर की चौखट लांघकर बेटी की अस्मिता तक पहुंच जाए, तो वह सिर्फ सत्ता का पतन नहीं, समाज की मृत्यु है। क्या हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसी महिला कैसे किसी पार्टी में पद पा गई? क्या हम केवल टिकट बांटते हैं, या चरित्र भी परखते हैं? राजनीति का अपराध से यह सांठगांठ, अब परिवारों के विनाश तक पहुंच चुका है।

भारत की पारिवारिक व्यवस्था हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति, सभ्यता और धर्म की नींव रही है। ह्यपरिवारह्न केवल खून के रिश्तों का नाम नहीं, वह एक नैतिक अनुबंध है जहां बच्चों को संरक्षण, मूल्य और प्रेम मिलता है। परंतु जब वही संस्था अपवित्र हो जाए, और माता-पिता स्वयं अपने बच्चों के अपराधी बन जाएं, तब सामाजिक ताना-बाना ढहने लगता है। यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि आधुनिक समाज में रिश्ते अब भावना नहीं, स्वार्थ के समीकरण बन गए हैं। वह महिला नेत्री अपने प्रेमी के साथ जीवन बिताने की इच्छा में अपनी ही बेटी की बलि चढ़ा रही थी ये प्रेम नहीं, पाशविकता का आधुनिक संस्करण है। हमारे यहां ह्यसनातन धर्मह्न की धारणा केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं थी। उसमें परिवार एक धार्मिक संस्था मानी जाती थी। ह्यगृहस्थह्न आश्रम सबसे महत्वपूर्ण आश्रम इसलिए माना गया क्योंकि उसमें संतुलन, प्रेम, जिम्मेदारी और नैतिकता का समावेश था। इन सबके बावजूद जब धर्म का नाम केवल जप और पर्व तक सिमट जाए, जब परिवारों में बस नाम भर की उपस्थिति रह जाए, तब यह ढांचा अंदर से सड़ने लगता है और जब वह सड़न इस तरह की घटनाओं के रूप में बाहर आती है, तो पूरा समाज स्तब्ध रह जाता है। इस घटना से दो बातें स्पष्ट हैं एक यह कि भारत की पारंपरिक पारिवारिक संरचना अब संकट में है, और दो, नैतिक मूल्यों की शिक्षा अब केवल विद्यालयों या ग्रंथों का विषय नहीं, बल्कि जीवन का अनिवार्य हिस्सा बननी चाहिए। अब वक्त आ गया है कि हम देश को बचाने के नारे न दें, परिवार को बचाने की जिम्मेदारी समझें। क्योंकि बिना परिवार के कोई राष्ट्र नहीं होता। राष्ट्र की आत्मा उसके परिवारों में ही बसती है। जब परिवार टूटता है, तो संस्कृति बिखरती है।

भारत में यूरोपीय ढंग के राष्ट्रवाद की विकास यात्रा

-राम पुनियानी-

इन दिनों दि इंडियन एक्सप्रेस में हिंदू राष्ट्रवाद के उदय एवं प्रभुत्व पर योगेन्द्र यादव, सुहास पलसीकर एवं अकील बिलग्रामी जैसे मेधावी समाज विज्ञानियों के अत्यंत गहन विचार प्रकाशित हो रहे हैं। वे इस बात से चिंतित हैं कि भारतीय राष्ट्रवाद की वर्तमान अवधारणा यूरोपियन ढंग के राष्ट्रवाद जैसी है। हम इसे हिन्दुत्व की राजनीति या हिंदू राष्ट्रवाद का नाम देते हैं। ये सभी यह स्वीकार करते हैं कि हिन्दू राष्ट्रवाद ही आज विद्यमान राष्ट्रवाद है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हिन्दू राष्ट्रवाद अत्यंत मुखर एवं प्रभुत्वशाली है। लेकिन फिर भी भारतीय राष्ट्रवाद का विचार अभी तक भारतीय समाज के बड़े तबके के दिलों में कायम है। यदि हम मतदान प्रतिशत की बात करें तो सन 2024 के चुनाव में हिन्दू राष्ट्रवादी पार्टी को 36ा5 प्रतिशत मत हासिल हुए थे और ऐसे आरोप थे कि इनमें से बहुत से वोट हेराफेरी और जोड़तोड़ के जरिए हासिल किए गए थे।

लेकिन फिर भी इन अध्येताओं की चिंताओं पर गहराई से विचार किया जाना जरूरी है। हिन्दू राष्ट्रवाद न केवल चुनावी राजनीति के माध्यम से सशक्त हो रहा है बल्कि इसने राष्र्द के विभिन्न अंगों मंय घुसपैठ कर ली है और मीडिया व सोशल मीडिया के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। यादव कहते हैं कि आज के भारत में इस आक्रामक राष्ट्रवाद के बोलबाले के लिए वे सेकुलरवादी, अंतर्राष्ट्रीयतावादी व आधुनिकतावादी आचार-व्यवहार दोषी हैं जिन्हें आजादी के बाद के भारत में बढ़ावा दिया गया। इसके चलते हर किस्म के राष्ट्रवाद से किनारा कर लिया गया। राष्ट्रवाद का एक शून्य उत्पन्न हो गया जिसे आज राष्ट्र के हिन्दुत्वादी विचार ने भर दिया हैह्यह्य। पलसीकर का मानना है कि आज के हिन्दू राष्ट्रवाद की जडें उस राष्ट्रीय आन्दोलन में हैं जो आज से एक सदी से भी ज्यादा पहले भारत में चलाया गया था।

बिलग्रामी भारतीय लोकाचार की प्रशंसा इन शब्दों में करते हैं सदियों से भारतीय समाज की यह खासियत रही है कि वह बिना प्रयास किए और बिना ढोल पीटे धर्म और संस्कृति की दृष्टि से बहुवादी बना रहा। इसके विपरीत, आज का यूरोपीय ढंग का राष्ट्रवाद विभाजित करता है और उसे एकता बताता है। पलसीकर के इस टिप्पणी कि हिन्दू राष्ट्रवाद की जड़ें आजादी के संघर्ष के काल में हैं के उत्तर में वे कहते हैं, ह्यह्यइसमें कोई संदेह नहीं कि यह नजरिया आजादी के संघर्ष के दौरान मौजूद था किंतु गांधी और नेहरू के बोलबाले के कारण वह हाशिए पर रहा और इससे निश्चित ही कई सवाल उलझे हुए रह गए। किंतु यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है यह मौजूदा हिन्दुत्व राष्ट्रवाद की जड़ नहीं हैह्यह्य।

भारत के मौजूदा हालातों और हिन्दू राष्ट्रवाद के बढ़ते खतरे को समझने के लिए कुछ अन्य बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है। यूरोप में सार्वभौमिकता सम्राटों/राजाओं से आधुनिक केन्द्रीयकृत राज्य तक पहुंची। ऐसे राज्यों के उदित होने पर उनका साबका समाज के विभिन्न तबकों से पड़ा जिससे धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा उत्पन्न हुई।

भारत में हम औपनिवेशिक शासन के अधीन रहे जिसने ज्यादातर राजाओं की सार्वभौमिकता को समाप्त कर उनके राज्यों को अपने अधीन कर लिया। आजादी के बाद ये औपनिवेशिक राज्य भारत का हिस्सा बने। यह भारत अपने संविधान के प्रावधानों के अनुसार संचालित होना था जो समावेशी था और किसी को दूसरा नहीं बताता था (योगेन्द्र यादव के शब्द)। भारत इस राह पर चला और कम से कम सैद्धांतिक तौर पर आज भी वह भारतीय राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। मगर आज हिंदू राष्ट्रवाद, भारतीय राष्ट्रवाद से बड़ा हो गया है। वह संकीर्ण है और यूरोपीय ढंग का है लेकिन जहाँ यूरोप में भाषा, धर्म और संस्कृति आधारित विभाजन और राष्ट्रवाद थे (मुख्यतः भाषा-आधारित), भारत में हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का एकमात्र आधार धर्म था, जिसे साम्प्रदायिकता भी कहा गया।

आधुनिक कल-कारखानों, शिक्षा, परिवहन एवं संचार के साधनों के विकास के साथ ही भारतीय रा ्वाद की जड़ें उभरना प्रारंभ हो गईं। इस राष्ट्रवाद के उभार में सहायक थे वे सामाजिक आंदोलन जो ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ रहे थे। नारायण मेघाजी लोखंडे व कामरेड सिंगारावेलू के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने मजदूरों को संगठित किया। जोतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, अंबेडकर और पेरियार ने सामाजिक समानता के लिए संघर्ष किया जो भारतीय राष्ट्रवाद का एक महत्वपूर्ण घटक है। गांधी और नेहरू ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनांदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन का लक्ष्य केवल देश की सार्वभौमिकता अंग्रेजों से छीनकर भारतीय निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपना नहीं था बल्कि पूर्ण समावेशिता हासिल करना भी था।

इस भारतीय राष्ट्रवाद के सशक्त होने के साथ-साथ ही सामंती तत्वों ने उन प्रवृत्तियों की नींव डाली जिन्होंने अंततः हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का स्वरूप लिया। इन प्रवृत्तियों का विश्वास था कि धर्म ही राष्ट्रवाद का आधार है। उन्हें राजाओं-नवाबों और समाज के कुलीन वर्गों का समर्थन मिला जिन्हें उस समय कायम किंतु अस्त होते सामाजिक ढांचे में ऊंचा दर्जा हासिल था। समय के साथ इसका नतीजा मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा और आरएसएस की स्थापना के रूप में सामने आया। इससे अंग्रेजों को ह्यफूट डालो और राज करोह्य की अपनी नीति को लागू करने में मदद मिली और बाद में इसी के नतीजे में भारत का विभाजन हुआ।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की नियमित जनसुनवाई : 'जनसेवा ही संकल्प' के सिद्धांत पर कार्य कर रही राज्य सरकार

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 'जनसेवा ही संकल्प' के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई में जनता और सरकार के मध्य सीधा संवाद स्थापित हो रहा है। जनसुनवाई में परिवादी मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हैं तथा मुख्यमंत्री भी प्रत्येक परिवादी को आत्मीयता से सुनकर मौके पर ही उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर हुई जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं को व्यक्तिशः विस्तार से सुना तथा अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी परिवादियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करें, जिससे आमजन को शीघ्र राहत मिल सके।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े में पंजीकरण कराकर जरूरतमंद लें योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए 24 जून से प्रदेशभर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसके तहत जरूरतमंद व्यक्ति को महत्वपूर्ण विभागों की योजनाओं एवं आवश्यक कार्यों के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने आमजन से इस अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में पंजीकरण कराकर इसका अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आमजन अपने परिचितों को भी इस अभियान से जुड़कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भेंट किया सिंदूर का पौधा जनसुनवाई के दौरान भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को सिंदूर का पौधा भेंट किया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं शौर्य के लिए सैन्य अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। इस अवसर पर जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को प्रदेश में कुश्ती खेल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सुझाव दिए, जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में सकारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने दी श्रद्धांजलि, कहा- राष्ट्रहित के लिए उनके विचार आज भी प्रेरणा स्रोत

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय, जयपुर में आयोजित परम श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर कर्नल राठौड़ ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, सिद्धांतों और अदम्य साहस का प्रतीक है। 'एक देश, एक संविधान, एक विधान' के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान देश की एकता और अखंडता को सशक्त बनाने वाली प्रेरणा है, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ भी सदैव स्मरण करेंगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज डॉ. मुखर्जी के विचारों और आदर्शों को धरातल पर साकार कर रहा है। देश एकता, अखंडता और विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे भी डॉ. मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्रसेवा के कार्यों में जुटें और समाज व देशहित में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बलिदान दिवस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. मुखर्जी के विचारों को आत्मसात करने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

रजिस्ट्री के एवज में 75 हजार रुपये रिश्वत मांगने वाले दो आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) सवाई माधोपुर इकाई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गंगापुर सिटी तहसील कार्यालय में पदस्थ वरिष्ठ सहायक जय शर्मा और अधिवक्ता हरिप्रसाद उर्फ सोनू को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत राशि एक किसान से उसकी खरीदी गई कृषि भूमि की रजिस्ट्री कराने की एवज में मांगी गई थी।

एसीबी मुख्यालय को शिकायत प्राप्त हुई थी कि परिवादी से उसकी कृषि भूमि की रजिस्ट्री कराने के बदले जय शर्मा वरिष्ठ सहायक द्वारा एडवोकेट सोनू के मार्फत तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी सहित अन्य कर्मचारियों के लिए एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। इस शिकायत पर ब्यूरो द्वारा 13 जून को गोपनीय सत्यापन कराया गया, जिसमें आरोप सही पाए गए। सत्यापन के दौरान आरोपी जय शर्मा ने एडवोकेट सोनू के जरिये परिवादी से एक लाख रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में बात 75 हजार रुपये पर तय हो गई। सोमवार को आरोपी अधिवक्ता सोनू ने पावर हाउस गंगापुर सिटी पर परिवादी से 75 हजार रुपये की रिश्वत ली। एसीबी टीम ने रंगे हाथों उसे पकड़ लिया। उसके पास से रिश्वत की राशि उसकी शर्ट में रखी हुई बरामद हुई। इसके बाद जय शर्मा वरिष्ठ सहायक को भी तहसील कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि तहसीलदार व अन्य कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है, जिनकी जांच की जाएगी। एसीबी भरतपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई पूरी की गई।

ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। एसीबी की इस कार्रवाई से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

वन्यजीव गणना के आंकड़े सामने आए : केवलादेव उद्यान में शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या अधिक

जयपुर। वन विभाग की ओर से पिछले दिनों प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में वाटर होल पद्धति से वन्यजीव गणना कराई गई थी। इसी तरह भरतपुर स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में इस गणना के आंकड़े सामने आए हैं। पता लगा है कि यहां मांसाहारी वन्यजीवों की अपेक्षा शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़ी है। वहीं इस गणना में विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की संख्या भी सामने आई है।

डीसीएफ मानस सिंह ने बताया कि वाटर होल पद्धति से हुई वन्यजीव गणना में यहां सियार, जरख, जंगली बिल्ली सहित अन्य मांसाहारी वन्यजीवों की संख्या 529 दर्ज की गई। वहीं पक्षियों की संख्या पर नजर डालें तो केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में सारस, इंडियन लॉन्ग बिल्ड वल्चर, इजिप्शयन वल्चर, मोर सहित अन्य पक्षियों को मिलाकर कुल संख्या 459 सामने आई है। इसके साथ ही चीतल, सांभर, काला हरिण, नीलगाय, चिंकारा, चौसिंघा, जंगली सुअर सहित अन्य शााकाहारी वन्यजीवों की संख्या 3,411 है।

मांसाहारी में सबसे अधिक सियार – यहां वाटर होल पद्धति से हुई वन्यजीव गणना में सियार (जैकाल) की संख्या सबसे ज्यादा रही। यहां इस दौरान 468 नर और मादा सियार गिनती में आए। वहीं 17 जरख, 18 जंगली बिल्ली सहित अन्य मासाहारी वन्यजीव शामिल हैं।

शाकाहारी जीवों में चीतलों की संख्या सबसे ज्यादा

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में हुई वन्यजीव गणना में चीतलों की संख्या 2516 दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त सांभर 20, काला हरिण दो, नीलगाय 588, जंगली सुअर 241, सेही 39 सहित अन्य शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या शामिल है।

कल्पना अग्रवाल ने संभाला टोंक जिला कलेक्टर पद का कार्यभार

टोंक। भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी कल्पना अग्रवाल ने सोमवार को टोंक जिले की नई जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। वह जिले की 68वीं कलेक्टर और महिला के रूप में तेरहवीं कलेक्टर बनी हैं। टोंक की निवर्तमान जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा का स्थानांतरण टोंक से निदेशक चिकित्सा (IEC) विभाग, जयपुर कर दिया गया है।

चंबल नदी का जलस्तर बढ़ा, कोटा बैराज के दो गेट खोले 7466 क्यूसेक पानी छोड़ा, आरपीएस व जवाहर सागर से हो रहा बिजली उत्पादन

कोटा। मानसून के रफ्तार पकड़ते ही चंबल के बांधों में बरसाती पानी की आवक होने लगी है। कोटा जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को सुबह से ही बरसात दौर जारी रहने से चंबल नदी के कैचमेंट में पानी की अच्छी आवक होने लगी है। जिससे चंबल के बांधों का जलस्तर बढ़ने लगा है। राणाप्रताप सागर और जवाहर सागर बांध पर विद्युत उत्पादन कर 6758 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके चलते शनिवार को कोटा बैराज के दो गेट खोलकर 7466 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जलसंसाधन विभाग के अनुसार राणाप्रताप सागर और जवाहरसागर से बिजली उत्पादन कर लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे में कोटा बैराज के दो गेट सुबह सात बजे करीब 6-6 फीट खोले गए हैं।

इस साल गांधीसागर को छोड़कर चंबल के तीनों बांध लबालब भरे हुए हैं। इसके चलते बरसाती पानी की आवक होते ही निकासी की जा रही है। कोटा बैराज के पूर्व में भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई थी।

प्रदेश अधिकांश जिलों में मॉनसून सक्रिय : नदी नाले उफान पर, जयपुर सहित 27 जिलों में बारिश का अलर्ट

जयपुर। प्रदेश में मानसून की बारिश ने अधिकांश जिलों को भिगो दिया है। पश्चिमी जिलों को छोड़कर जयपुर सहित अधिकांश जिलों में मानसून सक्रिय है। कई नदियां नाले उफान पर हैं। कई लोगों ने वर्षा जनित हादसों में जान भी गंवा दी है। इधर मौसम विभाग ने आज भी जयपुर समेत 27 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं इस बीच चूरू में तेज बारिश के कारण एक हवेली का छज्जा गिर गया, इस हादसे में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई, वहीं 6 घायल हो गए। सीकर, झुंझुनूं में सुबह से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। जयपुर में भी सुबह कई इलाकों में तेज बारिश हुई। अभी भी बादल छाए हुए हैं और बारिश हो रही है। वहीं बारां में सुबह से मूसलाधार बारिश हो रही है इससे नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। मौसम विभाग ने आज और कल मंगलवार 2 दिन राजस्थान के पूर्वी हिस्से में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताते हुए बारां और बूंदी में रेड अलर्ट और 8 जिलों में ओरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में 1 जून से अब तक सामान्य से 133 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है।

वन विभाग की नर्सरियों में 40 से अधिक किस्मों के पौधे, कीमत 5 से 75 रुपए तक निर्धारित

जयपुर। वन विभाग की जयपुर स्थित नर्सरियों कई किस्मों के पौधे तैयार हैं। लोग भी यहां से अपनी मन पसंद के पौधे खरीद रहे हैं। जयपुर प्रादेशिक रेंज में दहमी कला, कलवाड़ और सिल्वन पार्क नर्सरी के साथ ही जयपुर सिटी रेंज की सचिवालय नर्सरी, स्मृति वन नर्सरी, मानसरोवर नर्सरी, बालाजी नर्सरी और जवाहर नगर नर्सरी में दो फीट से लेकर 10 फीट से अधिक ऊंचाई वाले पौधे हैं। यहां फलों में अमरूद, अनार, जामुन, आम, पपीता, शहतूत आदि के पौधे हैं। वहीं फूलों में गुलाब, मोगरा, गुलमोहर, रातरानी, चंपा के पौधे लोग खरीद रहे हैं। इसके अतिरिक्त नीम, मीठा नीम, अशोक, पीपल, करंज, आंवला, बांस, इमली, भद्राक्ष के पौधे भी खूब बिक रहे हैं।

छायादार, फल-फूलों की डिमांड ज्यादा

वन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार लोगों में छायादार, फल-फूल आदि के पौधों की डिमांड ज्यादा है। यहां नर्सरियों में 40 से अधिक किस्मों के पौधे उपलब्ध हैं। इन पौधों में जंगल जलेबी, अरडू, बहेडा, कचनार, शीशम, पांडा, बील पत्र, जेट्रोफा, दिन का राजा, सेमल, सहजन, बोगनबेल, रातरानी, टेकोमा, क्रोटोन, खेजड़ी, चंपा, हरसिंगार, हवन, लेजस्ट्रोमीया, कनेर पीली, गुड़हल, नागदोन सहित अन्य शामिल हैं।

दो फीट पौधे की कीमत 5 और 10 फीट से अधिक की 75 रुपए

वन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इन नर्सरियों में कांटेदार प्रजाति के पौधे की कीमत 5 रुपए हैं। वहीं दो फीट की ऊंचाई तक के पौधों की कीमत 6 रुपए है। वहीं तीन फीट के पौधे की कीमत 10, पांच फीट तक के पौधे की कीमत 15, आठ फीट तक के पौधे की कीमत 25, दस फीट तक के पौधे की कीमत 50 और इससे अधिक ऊंचाई के पौधे की कीमत 75 रुपए निर्धारित है।

जयपुर प्रादेशिक रेंज स्थित नर्सरियों से रोजाना 200 से 300 पौधों की बिक्री हो रही है। रेंज की तीन नर्सरियों में करीब 60 हजार पौधों की बिक्री का लक्ष्य है।

जितेन्द्र सिंह शेखावत,
क्षेत्रीय वन अधिकारी, रेंज जयपुर प्रादेशिक

सचिवालय नर्सरी से रोजाना 300 से अधिक पौधे बिक रहे हैं। जयपुर सिटी रेंज के अधीन नर्सरियों में इस बार 6 लाख 21 हजार से पौधों की बिक्री का लक्ष्य है। लोगों में ज्यादातर फल और छायादार पौधों की डिमांड देखने को मिल रही है।

सुनील चौधरी, क्षेत्रीय वन अधिकारी,
जयपुर सिटी रेंज

इजरायल-ईरान युद्ध पर हमारी विदेश नीति स्पष्ट नहीं : अशोक गहलोत ने उठाए सवाल, कहा- हमारी विदेश नीति आज कंफ्यूज लग रही

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इज़राइल और ईरान युद्ध को लेकर भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पीसीसी में मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि पूरी दुनिया भारत की तरफ उम्मीद की नजरों से देख रही है, लेकिन हमारा रुख स्पष्ट नहीं है। यह देश का दुर्भाग्य है, हमारी विदेश नीति आज कंफ्यूज लग रही है। ईरान और इजरायल का युद्ध चल रहा है। अमेरिका की उसमें एंट्री हो जाती है। इंदिरा गांधी के समय हमने निर्गुट राष्ट्र सम्मेलन चलाया था। हमारी किसी देश से दुश्मनी नहीं थी,लेकिन आज ऐसी स्थिति बन गई है कि हमारी विदेश नीति क्या है, हमको समझ नहीं आ रही है अब तो दुनिया के तमाम देश भी युद्ध की निंदा करने लगे हैं लेकिन केंद्र सरकार की विदेश नीति क्या है यह देश को भी पता नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत अकेला पड़ गया था।

हमारे पड़ोसी मुल्क नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान भी हमसे अलग हो गए हैं। पाकिस्तान के साथ तो तीन-चार देश खुलकर आ गए थे। रूस भी खुलकर हमारे साथ नहीं आया और अमेरिका की क्या नीति है यह सबको पता है। गहलोत ने कहा कि भले ही भाजपा तीसरी बार चुनाव जीती हो लेकिन आज भी देश को कांग्रेस की नीतियों की जरूरत है। इस देश को कांग्रेस ही अखंड रख सकती है। पूरे विश्व में धर्म के नाम पर राजनीति हो रही है। हमारे देश में भी धर्म की राजनीति हो रही है। यह देश किस दिशा में जाएगा यह चिंता का विषय होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी ने आजादी के आंदोलन में एक उंगली भी नहीं कटाई, लेकिन आजादी के बाद इन्होंने हिंदू धर्म को भड़काने के अलावा देश को दिया क्या है।

इन्होंने मनमोहन सिंह सरकार को टू जी और कोलगेट में बदनाम किया अब टू जी और कोलगेट का अता पता नहीं है कि वे कहां चले गए, यह केवल हिंदू धर्म को भड़का देते हैं और चुनाव जीतने में सफल हो जाते हैं देश की दशा और दिशा तय करने में इनका कोई योगदान नहीं है। गहलोत ने सोनिया गांधी की ओर से इजरायल ईरान युद्ध पर लिखे गए आर्टिकल को लेकर कहा कि सोनिया गांधी ने जो तमाम बातें कही है वो सोच समझकर कही है, इसलिए भाजपा बेचैन हो गई है और सोशल मीडिया और टीवी के माध्यम से उसका विश्लेषण करवा रहे हैं जबकि जो सकारात्मक सोच वाले लोग हैं वे अच्छे ढंग से सोनिया गांधी के आर्टिकल का स्वागत कर रहे हैं। बांग्लादेश में उथल-पुथल हुई, वहां के लोगों ने हिंदुओं पर अत्याचार किए। शेख हसीना हिंदुस्तान आ गई वहां के हिंदुओं का बचाने के लिए भारत सरकार ने कितने स्टेप उठाए, जहां भी भारतीय लोग फंसे हैं उन्हें बचाने और लाने की ड्यूटी भारत सरकार की है।

बाइक पर पलटा चारे से भरा ट्रक : पति, पत्नी समेत 3 वर्षीय बेटी की मौत

सीकर। सीकर जिले के अजीतगढ़ और जयपुर जिले के शाहपुरा थाने के बीच स्थित त्रिवेणी धाम के निकट रविवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार पति, पत्नी समेत इनकी तीन वर्ष की बेटी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक राजेन्द्र, पत्नी और बेटी के साथ बाइक ये जगदीश धाम गए थे। शाम को घर लौटते समय चारे से भरा ट्रक बाइक पर पलट गया, जिससे तीनों चारे में दब गए। तीनों के शव रातभर चारे के नीचे दबे रहे। सुबह शव मिलने पर घर में परिजनों का कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार हादसा रविवार देर रात हुआ। एक चारे के ट्रक के पलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पड़े चारे के नीचे तीन जिंदगियां दबी हुई थी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान चतरपुरा निवासी राजेंद्र गुर्जर, पत्नी अन्नू और तीन साल की बेटी अयांशी की रूप में की गई।

पुलिस चारा हटवाने लगी तब दिखे शव – सोमवार को सुबह रास्ता खुलवाने के लिए पुलिस ट्रक वालों के साथ मौके पर पहुंची तब चारे के नीचे मृतकों के शव मिले। संभावना जताई जा रही है कि जिस समय चारे का ट्रक पलटा, उस समय नजदीक से बाइक ये गुजर रहा राजेंद्र और उसका परिवार चपेट में आ गया और नीचे दब गए। इसके चलते मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस की लापरवाही – हादसे में पुलिस की गम्भीर लापरवाही सामने सामने आई है। मृतक रात भर चारे के नीचे दबे रहे। पुलिस ने रात को पलटे हुए ट्रक को सीधा करवाने की जहमत नहीं की। सुबह जब ट्रक को सीधा कराया गया तब तीनों के शव मिले। घटना को लेकर ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

संक्षिप्त

सर्बिया में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बेलग्राड, एजेंसी। सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व विश्वविद्यालय के छात्र कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन अब देश के कई हिस्सों में फैल गए हैं। विरोध बढ़ता देख इस साल की शुरुआत में सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने पद छोड़ दिया था।

यूरोपीय देश सर्बिया में अपनी ही सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शनिवार को भारी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन के लिए राजधानी बेलग्राड में सड़कों पर उतरे।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि देश में जल्द चुनाव कराए जाएं।

शादी के लिए अमेरिका पहुंची युवती लापता

न्यूयार्क, एजेंसी। भारत की सिमरन नामक 24 वर्षीय युवती अमेरिका में लापता हो गई है। वह 20 जून को अरेंज मैरिज के लिए न्यू जर्सी पहुंची थी जहां उसे आखिरी बार देखा गया।

पुलिस के अनुसार सिमरन को अंग्रेजी नहीं आती और अमेरिका में उसका कोई परिचित नहीं है। अधिकारियों को संदेह है कि वह शायद शादी के लिए नहीं बल्कि मुफ्त हवाई यात्रा के लिए अमेरिका आई थी।

लिंडनवॉल्ड पुलिस को उसके लापता होने की जानकारी 5 दिन बाद बुधवार को मिली। सीसीटीवी फुटेज में जांच करने पर पता चला कि वह लगातार अपना फोन चेक रही थी। ऐसा लग रहा था कि वह किसी का इंतजार कर रही थी।

6 साल के बच्चे से मिली 18 करोड़ रुपये की ड्रग्स

मॉरीशस, एजेंसी। मॉरीशस में ड्रग्स बरामदगी के मामले में एक 6 साल के ब्रिटिश लड़के को हिरासत में लिया गया। आरोप है कि उसके सूटकेस में 14 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बच्चे को रविवार को सर शिवसागर रामगुलाम हवाई अड्डे पर सात अन्य लोगों के साथ हिरासत में लिया गया।

द टेलीग्राफ के मुताबिक, ये ग्रुप कथित तौर पर 161 किलोग्राम से ज्यादा गांजा ले जा रहा था, जिसकी कीमत 1.6 मिलियन पाउंड (लगभग 18.8 करोड़ रुपये) आंकी गई। इन लोगों ने गांजे को अपने सूटकेस के अंदर सामान में छिपाकर रखा हुआ था। हिरासत में लिए गए सभी लोग ब्रिटिश नागरिक थे, जिसमें ये बच्चा भी शामिल था। इसके सामान में क्लियर सिलोफन में लिपटे ड्रग्स के 24 पैकेट पाए गए। ये ग्रुप गैटविक से ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान से मॉरीशस के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा, जहां इसे रोक लिया गया।

---

477 ड्रोन और 60 मिसाइलों से किया यूक्रेन पर हमला, पायलट की मौत

रूसी हमले में यूक्रेन का एफ-16 क्रैश

रूस-यूक्रेन युद्ध

कीव / मॉस्को

रूस ने रविवार की रात को यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। रूस ने 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें समेत 537 हवाई हमले किए। रूस ने यूक्रेन पर M/KN-23 बैलिस्टिक मिसाइल, 33 Kh-101/इस्केंडर-के क्रूज मिसाइल और 4 कैलिबर क्रूज मिसाइलें भी दागी।

यूक्रेन डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। यूक्रेनी वायु सेना ने इनमें से 475 हमलों को रोक दिया गया। हालांकि इस दौरान यूक्रेन के F-16 पायलट पावलो इवानोव की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी हमले को जवाब देते वक्त एक मिसाइल ने पावलो के F-16 को हिट किया था।

रूसी हमलों में रविवार को यूक्रेन के एक पायलट की मौत हो गई और एक F-16 लड़ाकू विमान तबाह हो गया। हमलों में घरों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और छह लोग घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि पायलट ने रूस के मिसाइल हमले के दौरान सात मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन अंतिम लक्ष्य को मार गिराते समय उसका विमान खराब हो गया था।

रूस के क्रीमिया एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था

इससे पहले यूक्रेन ने 28 जून की सुबह रूस के कब्जे वाले क्रीमिया के किरोव्स्के एयरबेस पर हमला करने का दावा किया था। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक इस हमले में रूस के Mi-8, Mi-26 and Mi-28 अटैक हेलिकॉप्टर और एक पैंटसिर-S1 एयर सेफ्टी सिस्टम तबाह हो गई। यूक्रेनी सुरक्षा सर्विस (SBU) ने कहा कि यूक्रेन ने रूसी विमानों, हवाई रक्षा प्रणालियों, हथियारों, और ड्रोन भंडार को निशाना बनाया। हालांकि रूस ने इसकी पुष्टि नहीं की थी।

पुतिन बोले थे- बातचीत के नए दौर के लिए तैयार है

ये हमले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 27 जून को दिए गए बयान के बाद हुए थे जिसमें उन्होंने कहा था कि मास्को इस्तांबुल में सीधे शांति बातचीत के नए दौर के लिए तैयार है।

हालांकि, युद्ध के थमने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि बातचीत में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल ही में हुई दो दौर की वार्ता असफल रही और किसी समझौते पर पहुंचने में कोई प्रगति नहीं हुई थी।

'ईरान को आईएईए कर्मियों की सुरक्षा करनी चाहिए'

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (के कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और उन्हें सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। रुबियो का यह बयान एजेंसी महासचिव राफेल ग्रॉसी की गिरफ्तारी के बाद आया है।

मार्को रुबियो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान की तरफ से IAEA के महानिदेशक ग्रॉसी की गिरफ्तारी और उन्हें फांसी देने की मांग अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, 'हम ईरान में IAEA की निगरानी और जांच का समर्थन करते हैं और महानिदेशक ग्रॉसी और उनकी टीम की मेहनत और प्रोफेशनल काम की सराहना करते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने युद्धविराम के बाद पहला सार्वजनिक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के प्रतिशोध में कतर में एक प्रमुख अमेरिकी बेस पर मिसाइल हमला करके अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है।

भारत की सख्ती से पाक बेहाल कीमतों ने छूलिया आसमान

- **पाकिस्तान नहीं जा रहे हैं मालवाहक जहाज**

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाहलगाम हमले के बाद भारत ने बीते दो मई से पाकिस्तानी माल ढोने वाले जहाजों के अपने बंदरगाहों पर रुकने पर रोक लगा दी है। इसका असर पाकिस्तान पर अब साफ तौर पर दिख रहा है। कारण है कि पाकिस्तान में बड़े जहाज नहीं पहुंच पा रहे, जिससे मालभाड़ा बढ़ गया है और सामान 30-50 दिन की देरी से पहुंच रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव का असर पड़ोसी मुल्क पर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी माल ले जाने वाले जहाजों को अपने बंदरगाहों पर रुकने से रोक दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो भारत की तरफ से उठाए गए इस कदम के चलते पाकिस्तान का न केवल माल ढुलाई (फ्रेट) शुल्क बढ़ गया है, बल्कि सामान पहुंचने में भी 30 से 50 दिन तक की देरी हो रही है। यह प्रतिबंध भारत ने 2 मई 2025 से लगाया था, जो पाहलगाम आतंकी हमले के बाद सामने आया। पाकिस्तान से आने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले किसी भी सामान के भारत में सीधे या परोक्ष रूप से आने पर रोक लगा दी गई है। भारत सरकार के इस फैसले के बाद पाकिस्तान में बड़े मालवाहक जहाज नहीं जा रहे हैं। इस बात की जानकारी कराची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जावेद बिलवानी ने पाकिस्तान के स्थानीय मीडिया को दी।

शादी के बाद भी नहीं थम रहा बेजोस का विरोध, प्रदर्शन जारी

वेनिस, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के संस्थापक और अरबपति जेफ बेजोस की शादी के बाद भी उनका विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सैकड़ों लोगों ने वेनिस की सड़कों पर मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बेजोस और उनकी पत्नी लॉरेन सांचेज की शादी के जश्न का विरोध किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की। यह शादी वेनिस में तीन दिन तक बड़े धूमधाम से चली, जिसमें दुनियाभर के मशहूर सितारे शामिल हुए।

दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति बेजोस और लॉरेन सांचेज ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को वेनिस के एक शांत द्वीप पर करीब 200 खास मेहमानों के बीच शादी की। हालांकि, वेनिस के बहुत से स्थानीय लोग इस शादी से नाराज हो गए। उनका कहना है कि इस शादी में किया गया दिखावा शहर के असली हालात से बिलकुल उल्टा है। शादी के तीसरे दिन शाम को जब नवविवाहित जोड़ा अंतिम पार्टी की तैयारी कर रहा था, तो सैकड़ों वेनेशियन और प्रदर्शनकारियों ने वेनिस की छोटी सड़कों पर रंग-बिरंगे बैनर लेकर प्रदर्शन किया।

एआई डीपफेक पर लगाम लगाने की तैयारी

डेनमार्क, एजेंसी। डेनमार्क सरकार ने एआइ से बनी डीपफेक सामग्री पर नियंत्रण के लिए कॉपीराइट कानून में ऐतिहासिक बदलाव की घोषणा की है।

यह कानून किसी भी व्यक्ति को उसकी पहचान यानी चेहरे, शरीर और आवाज पर स्पष्ट कानूनी अधिकार देगा। सरकार का दावा है कि यह यूरोप में अपनी तरह का पहला कानून होगा।

संस्कृति मंत्री जैकब एंगेल-श्मिट ने कहा, 'कोई भी इंसान डिजिटल कॉपी मशीन में झोंक कर किसी और मकसद से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। हर किसी का अपने चेहरे और आवाज पर हक है।' कानून का प्रारूप गर्मी की छुट्टियों से पहले विचार के लिए पेश किया जाएगा।

दहशत : दोहरे भूकंप के झटकों से दहला पाकिस्तान

- **विशेषज्ञ बोले – उथले झटकों से बढ़ा खतरा**

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में रविवार को एक के बाद एक दो शक्तिशाली भूकंप आने के कारण लोग घरों से बाहर आ गए। पहला झटका सुबह गहराई में आया, लेकिन दूसरी बार जब धरती कांपी तो कंपन ज्यादा महसूस हुआ। राष्ट्रीय सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि पाकिस्तान में सुबह 8:02 बजे एक 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर महसूस किया गया, जिससे जमीन में अधिक कंपन्न हुआ और इस क्षेत्र में झटके आने की संभावना बनी हुई है। भूकंप के कारण किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं आई है। हालांकि, अधिकारियों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और भूकंप के बारे में विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

पाकिस्तान में आए भूकंपों की श्रृंखला

रविवार को आए भूकंप के बाद यह दूसरी भूकंपीय घटना थी। इससे पहले, उसी दिन सुबह 5.2 तीव्रता का एक और भूकंप पाकिस्तान के एक अन्य क्षेत्र में आया था। यह भूकंप 150 किलोमीटर की गहराई पर था, लेकिन उथला भूकंप अधिक खतरे का कारण बन सकता है।

यह क्षेत्र भूकंपीय गतिविधि से प्रभावित रहा है

ध्यान रहे कि इन संपूर्ण घटनाओं से पहले, 15 जून को भी पाकिस्तान में 4.4 तीव्रता का एक और भूकंप आया था, जो 10 किलोमीटर की गहराई पर महसूस किया गया था। इस प्रकार, यह क्षेत्र भूकंपीय गतिविधि से प्रभावित रहा है और यह ताजा घटनाएं इस क्षेत्र में भूकंपों के लगातार होने का संकेत देती हैं।

उथले भूकंपों का अधिक प्रभाव

विशेषज्ञों के अनुसार, उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। उथले भूकंपों में भूकंपीय तरंगें ज्यादा तेजी से फैलती हैं, जिससे जमीन पर कंपन अधिक महसूस होता है। इसके परिणामस्वरूप संरचनाओं को ज्यादा नुकसान हो सकता है और हताहतों का खतरा भी बढ़ सकता है। राष्ट्रीय सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने अपनी पोस्ट में बताया, "ईक्यू ऑफ एमः 4.5, ऑनः 29/06/2025 08:02:51 IST, अक्षांशः 30.24 N, देशांतरः 69.86 E, गहराईः 10 किमी, स्थानः पाकिस्तान।" इस समय पाकिस्तान में और इसके आसपास के इलाकों में स्थिति पर सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता है।

'पाकिस्तान शांति बनाए रखने वाला जिम्मेदार देश'

- **पाकिस्तानी आर्मी चीफ का आरोप- भारत ने दो बार बिना उकसावे के हमला किया**

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने कहा है कि भारत ने बिना किसी उकसावे के दो बार हमला किया। आसिम मुनीर ने शनिवार को कराची में पाकिस्तान नौसेना एकेडमी में अपनी स्पीच में भारत पर जानबूझकर तनाव पैदा करने का आरोप लगाया।

आसिम मुनीर ने कहा, 'पिछले कुछ सालों में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ दो बार बिना उकसावे के हमला किया। पाकिस्तान ने दोनों बार संयम और परिपक्वता का परिचय दिया और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी जवाबदेही दिखाकर खुद को शांति बनाए रखने वाले जिम्मेदार देश के रूप में साबित किया है।'

मुनीर ने कश्मीर मुद्दे पर कहा, 'पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के संकल्प के मुताबिक कश्मीर मुद्दे का समाधान चाहता है।' पाक आर्मी चीफ ने कश्मीर में स्थायी शांति के लिए न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण समाधान की मांग की।

मुनीर ने कहा था- कश्मीर इस्लामाबाद की गले की नस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों से कुछ दिन पहले, मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताते हुए भारतीय क्षेत्र को इस्लामाबाद की गले की नस बताया था। मुनीर ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए 17 अप्रैल को कहा था, 'कश्मीर हमारी गले की नस है, यह हमारी गले की नस रहेगी, हम इसे नहीं भूलेंगे।'

मुनीर की इस टिप्पणी के एक हफ्ते बाद आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी। जवाब में, भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया।

इसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें 100 आतंकी मारे गए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई को सीजफायर पर सहमति बनी थी।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह आतंकी कैंप्स फिर बना रहा पाकिस्तान

पाकिस्तानी सेना और सरकार मिलकर भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए आतंकी ठिकानों और ट्रेनिंग कैंप्स को फिर से बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की मदद से आतंकी संगठन अब लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास घने जंगलों में छोटे और हाई-टेक ट्रेनिंग कैंप बना रहे हैं। इनका मकसद भारतीय सेना की निगरानी और हवाई हमलों से बचना है।

ये कैंप्स लुनी, पुटवाल, ताइपु पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चप्रार, फॉरवर्ड कहुटा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में बनाए जा रहे हैं। इनमें थर्मल इमेजर, जंगल में निगरानी करने वाले रडार और सैटेलाइट को चकमा देने वाली तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है।

भ्रष्टाचार के मामले में फंसे इजरायली पीएम समर्थन में उतरे ट्रंप, बोले-बड़ा काम करना है

- **ट्रंप ने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए किया बचाव**

वॉशिंगटन, एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी के आरोपों में फंसे हुए हैं। इजरायल पीएम के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई भी शुरू हो गई है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी है और इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का समर्थन किया है। ट्रंप ने इसे राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि यह भयावह स्थिति है।

नेतन्याहू के समर्थन में खुलकर आए ट्रंप

दरअसल इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू हमास, हिजबुल्ला और ईरान के साथ लड़ाई के बीच अपने देश में घिरे हुए हैं। नेतन्याहू पर रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे आरोप हैं। हालांकि नेतन्याहू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया और इन्हें फर्जी बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इजरायल में बेंजामिन नेतन्याहू के साथ जो कुछ किया जा रहा है, वह एक भयावह स्थिति है। वह एक युद्ध नायक और प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने ईरान में खतरनाक परमाणु खतरे से छुटकारा पाने में अमेरिका के साथ मिलकर शानदार काम किया है।

'बीबी को अभी बड़ा काम करना है, उन्हें छोड़ दें'

ट्रंप ने लिखा कि 'ये बिल्कुल गलत है, जो बेकाबू अभियोजकों द्वारा नेतन्याहू के साथ किया जा रहा है। अमेरिका इजराइल की मदद और समर्थन के लिए हर साल अरबों डॉलर खर्च करता है और यह किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं ज्यादा है, लेकिन हम इसमें उनके साथ नहीं हैं।

पलटवार

इजरायल का ईरान पर हमला, गाजा में मारा गया हमास कमांडर

इजरायली सेना ने एक के बदले बिछा दीं 72 लाशें

- **हमास के सैन्य कमांडर को IDF ने एयर स्ट्राइक में मार गिराया**

गाजा, एजेंसी

इजरायली सेना ने कहा कि गाजा सिटी के सबरा इलाके में एक टारगेटेड एयर स्ट्राइक में हमास का टॉप कमांडर हकम मोहम्मद इस्सा अल इस्सा मार गिराया गया है। IDF ने कहा कि अल इस्सा 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले का मास्टर माइंड था। वह गाजा में हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग देता था। वह हमास के सैन्य विंग के संस्थापकों में से एक था।

इजरायली सेना ने कहा कि टॉप कमांडर हकम मोहम्मद अल इस्सा हमास की सैन्य ताकत बढ़ाने का काम करता था। IDF ने कहा कि अल इस्सा हमास की वायु और नौसेना हमलों की योजनाओं में भी अहम भूमिका निभा चुका था, लेकिन अब वह मारा जा चुका है।

2005 में सीरिया से गाजा आया था इस्सा

बताया जाता है कि इस्सा हमास के जनरल सिक्योरिटी काउंसिल का सदस्य, ट्रेनिंग हेडक्वार्टर का प्रमुख और अल कसम ब्रिगेड की मिलिट्री एकेडमी का सह-संस्थापक भी था। वह कथित तौर पर हजारों आतंकियों को प्रशिक्षित करने में और तकनीकी क्षमता विकसित करने में लगा हुआ था। IDF ने बताया कि इस्सा ने सीरिया और इराक में युद्ध की ट्रेनिंग ली थी। साल 2005 में सीरिया से गाजा में आया था। इसके बाद वह हमास के सैन्य संगठन का अहम हिस्सा बन गया।

72 निर्दोषों की मौत का आरोप

इजरायली सेना पर आरोप है कि उसने इस्सा को मारने के लिए 72 निर्दोष नागरिकों की बलि ले ली। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायली हमले में कम से कम 72 लोगों की मौत हुई। इनमें तीन बच्चे और उनके मां-पिता भी शामिल हैं। खान यूनिस के मुवासी में तंबू में सो रहे परिवार पर मिसाइल गिरने से पूरा घर जलकर राख हो गया। परिजनों ने कहा कि इन बच्चों ने उनका क्या बिगाड़ा था? इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा कि अगले सप्ताह इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि हम गाजा की स्थिति पर काम कर रहे हैं।

अगले 30 साल में खत्म हो सकते हैं हिमखंड

नई दिल्ली, एजेंसी। एक शोध में पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा।

पश्चिमी कनाडा, अमेरिका और स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर बेहद तेजी से पिघल रहे हैं। 2021 से 2024 के बीच इन तीन देशों में कुल ग्लेशियर बर्फ का 12 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यही रफ्तार रही, तो जिन ग्लेशियरों के बारे में हम सोचते हैं कि वे 50 वर्षों तक रहेंगे, वे महज 30 वर्षों में ही इतिहास बन सकते हैं।

नेचर में प्रकाशित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में हुए एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस चौंकाने वाली सच्चाई से पर्दा उठाया है।

शिकायत पर जांच को पहुंचे शेरिफ ब्रैंडन गेडे की गोली मारकर हत्या

फिलिप्सबर्ग, एजेंसी

कन्सास में आतिशबाजी की शिकायत पर पहुंचे शेरिफ डिप्टी की एक व्यक्ति ने गोली मारकर हत्या कर दी। हालांकि, गोली लगने से घायल डिप्टी ने जवाबी फायरिंग में संदिग्ध को भी मार डाला। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

फिलिप्स काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि 30 वर्षीय डिप्टी ब्रैंडन गेडे को शुक्रवार शाम को गोली लगी थी। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, घटना फिलिप्सबर्ग शहर में हुई, जो नेब्रास्का राज्य की सीमा के पास है और यहां लगभग 2,000 लोग रहते हैं।

अवैध आतिशबाजी की शिकायत पर एक घर में पहुंचे थे शेरिफ गेडे

गोलीबारी की जांच कर रहे सेडगविक काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि डिप्टी गेडे शहर में एक घर में अवैध और गैर-उपभोक्ता-ग्रेड आतिशबाजी की शिकायत पर वहां पहुंचे थे। वहां उन्हें 27 वर्षीय कोल्टन ग्रिफिथ मिला, जो उसी घर में रहता था और उसे आतिशबाजी के लिए जिम्मेदार माना जा रहा था।

गिरफ्तार करने के दौरान पिस्टल निकालकर मारी गोली

शेरिफ कार्यालय के अनुसार, जब डिप्टी गेडे ने ग्रिफिथ को गिरफ्तार करने के लिए हथकड़ी लगाने की कोशिश की, तो दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इस दौरान ग्रिफिथ ने छुपाई हुई एक पिस्टल निकालकर शेरिफ गेडे को गोली मार दी। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, गोली लगने के बाद भी गेडे ने जवाबी फायरिंग की और ग्रिफिथ पर कई बार गोलियां चलाईं।

डिपॉजिट पर अधिक निर्भरता से सार्वजनिक बैंकों की लागत बढ़ी

पर सुधार के संकेत मजबूत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) अपनी फंडिंग जरूरतों के लिए निजी बैंकों की तुलना में जमा (डिपॉजिट्स) पर अधिक निर्भर रहते हैं। वहीं, निजी क्षेत्र के बैंक अपनी वित्तपोषण जरूरतों के लिए उधारी (बॉरोइंग) का अधिक सक्रिय उपयोग करते हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार वित्तपोषण स्रोतों में इस अंतर के चलते पीएसबी को वित्तपोषण लागत में 20 से 30 आधार अंक का नुकसान हुआ है।

बैलेंस शीट के लायबिलिटी पक्ष में, पीएसबी जमाराशियों पर लगभग 10 प्रतिशत अंक अधिक निर्भर है। इसमें बताया गया कि वित्त वर्ष 19 से पहले यह अंतर 50 से 70 बीपीएस था, जो पुनर्पूंजीकरण प्रयासों के बाद लागत अंतर में महत्वपूर्ण कमी का संकेत देता है। पीएसबी को संरचानत्क रूप से कमजोर माना जाता था, वे अब एक स्थायी सुधार की दिशा में बढ़ रहे हैं। बेहतर गवर्नेंस, बैलेंस शीट की सफाई, पुनर्पूंजीकरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे कदमों से यह बदलाव आया है। इसके अलावा आय की गुणवत्ता और स्थिरता में भी सुधार देखा गया है। वित्त वर्ष 2025 में पीएसबी लोन बाजार हिस्सेदारी में 52 आधार अंक की वृद्धि हुई। साथ ही, सेवा मानकों को बढ़ाया गया और रिटर्न रेशियो में भी मजबूती आई है। पीएसबी का रिटर्न ऑन एसेट 1 प्रतिशत के करीब पहुंचने के बावजूद निवेशक अब भी इसकी स्थिरता को लेकर सतर्क हैं। रिटर्न ऑन एसेट्स (आरओए) एक वित्तीय अनुपात है जो बताता है कि कोई कंपनी अपनी परिसंपत्तियों का उपयोग करके कितना लाभ कमाती है।

सकल और नेट स्लिपेज में आई गिरावट – रिपोर्ट में कहा गया कि पीएसबी अब निजी बैंकों की तुलना में कम ग्रॉस और नेट स्लिपेज रिपोर्ट कर रहे हैं। हालांकि, पीएसबी राइट ऑफ में अधिक आक्रामक रहे हैं, लेकिन क्रेडिट लागत काफी हद तक निजी बैंकों के बराबर आ गया है। इसके बावजूद सार्वजनिक बैंकों को रिटर्न ऑन एसेट के मामले में 80 से 90 आधार अंक का नुकसान होता है।

ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेज गिरावट से कच्चे तेल के प्रति संवेदनशील शेयरों में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व संघर्ष में संभावित कमी की उम्मीद के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेज सुधार के बाद कच्चे तेल के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों – तेल विपणन कंपनियों, विमानन, पेंट्स और एडहेसिव्स– के शेयरों में मंगलवार सुबह के कारोबार के दौरान खरीदारी दिखी। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड का शेयर 5.26 प्रतिशत, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन

लिमिटेड का शेयर 4.59 प्रतिशत तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का शेयर 3.89 प्रतिशत चढ़ा। स्पाइसजेट के शेयरों में 5 प्रतिशत तथा इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में 4.15 प्रतिशत की बढ़त हुई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, पश्चिम एशिया में नाटकीय घटनाक्रम, जिसकी परिणति अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की घोषणा के रूप में हुई। इससे साबित होता है कि है कि संघर्ष का सबसे बुरा दौर समाप्त हो चुका है। कच्चे तेल और शेयर बाजारों में तीव्र प्रतिक्रियाएं यह संकेत देती हैं कि भू–राजनीतिक स्थिति सामान्य होने की ओर अग्रसर है।

ईरान-इजराइल युद्ध विराम से सोना हुआ धड़ाम

- एक झटके में 3,000 रुपये टूट गई कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम की खबर के बाद सोने की कीमत में भारी गिरावट आई है। एमसीएक्स पर अगस्त में डिलीवरी वाले सोने के वायदा अनुबंध में 3,000 रुपये यानी करीब 3 प्रतिशत की कमी आई। शुरुआती कारोबार में यह 96,422 रुपये प्रति 10 ग्राम तक लुढ़क गया। पिछले सत्र में यह 99388 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 98807 रुपये के भाव पर खुला। चांदी की कीमत में भी गिरावट आई है। जुलाई में डिलीवरी वाली चांदी के वायदा अनुबंध में 760 रुपये या 0.6 प्रतिशत की गिरावट आई और इसकी कीमत 1,06,011 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। हालांकि सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमत में तेजी रही। अगस्त में डिलीवरी वाला सोना 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99,388 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,06,759 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया था, जिसके बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने और चांदी की खरीदारी की।

क्यों आ सकता है उतार-चढ़ाव

पृथ्वी फिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन ने कहा कि मध्य पूर्व में हर मिनट बदलती परिस्थितियों ने कीमती धातु खंड में अस्थिरता बढ़ा दी है। इसका मतलब है कि मध्य पूर्व में जो कुछ भी हो रहा है, उससे सोने और चांदी के दाम में उतार-चढ़ाव आ रहा है। बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति ने अचानक आधी रात को इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा कर दी। इस वजह से सोने और चांदी के दाम में गिरावट आई। पिछले सत्रों में जो तेजी आई थी उससे मुनाफावसूली हो रही थी। डॉलर में गिरावट से भी सोने और चांदी की कीमतों को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है।

कहां तक जा सकती है कीमत

तकनीकी रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने को 3,400 डॉलर के आसपास प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है और अगर यह स्तर टूटता है तो कीमतें 3,435 डॉलर और 3,452 डॉलर तक जा सकती हैं। एक मजबूत रैली इसे 3,500 डॉलर तक ले जा सकती है। सोने के लिए सपोर्ट लेवल 98,850–98,440 रुपये और प्रतिरोध स्तर 99,800–1,00,200 रुपये है। चांदी के लिए सपोर्ट लेवल 1,06,000–1,05,000 रुपये और प्रतिरोध स्तर 1,07,400–1,08,000 रुपये है।

स्कूल टीचर ने ट्रैक बदल शुरू किया ये काम

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के पूर्व स्कूल टीचर अमित दमानी ने अपने परिवार के विला को 110 करोड़ रुपये के कारोबार में बदल दिया है। उन्होंने यह सफलता स्टे विस्टा के जरिये हासिल की है। अमित ने 2015 में अंकिता सेठ और प्रणव माहेश्वरी के साथ मिलकर स्टे विस्टा की शुरुआत की थी। यह कंपनी अब भारत में 50 से अधिक स्थानों पर 500 से ज्यादा लग्जरी विला की पेशकश करती है। आइए, यहां अमित दमानी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया– अमित दमानी ने 2015 में अंकिता सेठ और प्रणव माहेश्वरी के साथ मिलकर स्टे विस्टा की शुरुआत की। पहले इस कंपनी का नाम विस्टा रूम्स था। यह छोटे होटलों और घरों के साथ साझेदारी करके किराए पर कमरे उपलब्ध कराती थी। 2017 में अमित ने विस्टा रूम्स को स्टे विस्टा में बदल दिया और लग्जरी विला पर फोकस किया। यह विचार उन्हें अपने परिवार के लोनावाला स्थित विला से आया। लोनावाला मुंबई से 83 किलोमीटर की दूरी पर है। अमित की दादी वाराणसी से हैं। शादी के बाद वह मुंबई आ गई थीं। शादी से पहले वह बड़े घरों में रहती थीं। उनमें बड़े-बड़े खुले लॉन होते थे। मुंबई में ऐसा मुश्किल था। इसलिए अमित के दादाजी ने दादी के लिए लोनावाला के खूबसूरत पहाड़ी शहर में एक विला बनवाया।

दादी को मनाया – जब अमित को विला किराए पर देने का विचार आया तो अमित ने अपनी दादी से बात करने का फैसला किया। उन्होंने दादी को समझाया कि संपत्ति उनके पास ही रहेगी। लेकिन, इसका रखरखाव अच्छी तरह से किया जाएगा और उन्हें कमाई भी होगी।

पर्यटक बढ़ने से सात साल में 10 लाख होटल रूम की दरकार; 35 लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू स्तर पर पर्यटकों की बढ़ रही संख्या के कारण अगले सात साल में होटलों में 10 लाख रूम की जरूरत होगी। इसके लिए हॉस्पिटालिटी सेक्टर अपने आप को तैयार कर रहा है। इससे 35 लाख को रोजगार मिलेगा। इसमें 15-20 लाख नौकरियां छोटे शहरों में होगी, क्योंकि इन्हीं शहरों में फाइव स्टार होटल अपनी विस्तार की योजना बना रहे हैं। रेडिसन होटल समूह के प्रबंध निदेशक निखिल शर्मा कहते हैं, विकसित भारत के लिए ट्रैवल व टूरिज्म एक नींव बन चुके हैं। बड़े देशों की अर्थव्यवस्था में यह क्षेत्र 10 फीसदी जबकि हमारे यहां केवल दो से तीन फीसदी योगदान करता है। ब्रांडेड होटल दूसरे, तीसरे और चौथे शहरों खासकर धार्मिक व सांस्कृतिक शहरों में जा रहे हैं। डिमांड को देखते हुए रेडिसन समूह 2030 तक 300 होटल खोलने की योजना बना रहा है। इससे कुल संख्या 500 हो जाएगी। 60 फीसदी होटल दूसरे, तीसरे व चौथे स्तर के शहर में होंगे। रेडिसन ऐसा होटल समूह है जो बजट से लेकर प्रीमियम प्रापर्टी में है। यह छोटे शहरों में इस समय ज्यादा विस्तार कर रहा है।

क्विक कॉमर्स के बढ़ते चलन के बीच किराना दुकानों की बढ़ी डिमांड, बड़ी कंपनियां रख रही हैं खयाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीसी, नेस्ले, कोका-कोला, टाटा कंस्यूमर, डाबर और पारले जैसी बड़ी कंपनियों इन दिनों आम किराना दुकानदारों और वितरकों के साथ अपने कारोबार और रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए नए सिरे से कोशिशें कर रही हैं। इसमें उन्हें ज्यादा प्रीमियम प्रोडक्ट सप्लाई करना और मार्जिन देना शामिल है। ये सब ऐसे समय में हो रहा है जब क्विक कॉमर्स में तेज ग्रोथ है, लेकिन उस पर पहले से ज्यादा नजर रखी जा रही है।

क्या है बदलाव

यह पिछले साल के मुकाबले बिलकुल उलट है। पिछले साल जब मार्केट में लंबी सुस्ती थी, तब कंपनियों ने आम किराना दुकानों में स्टॉक कम कर दिया था। उस दौरान क्विक कॉमर्स कंपनियों ने सिर्फ सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स जैसे सामानों में ही नहीं, बल्कि 5 किलो और 10 किलो जैसे अनाज या जरूरी सामान के बड़े पैक में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली थी।

क्या है ताकत

भारत में 1 करोड़ 30 लाख किराना स्टोर हैं। इनमें ग्रॉसरी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों की कुल बिक्री का अभी भी 90 प्रतिशत से ज्यादा आता है। हालांकि ब्लिंकिट, ज़ेप्टो, इंस्टामार्ट और बीबी नाउ जैसे क्विक कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स से होने वाली बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

क्या है प्लानिंग

आईटीसी के ट्रेड मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन के डिविजनल चीफ एग्जीक्यूटिव संदीप सूले का कहना है कि किरना दुकानों के लिए हमने प्रीमियम पैक की ज्यादा बड़ी रेंज तैयार की है सूले का कहना है कि इसके लिए अपनी सप्लाई चेन और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को नए सिरे से सेट किया है। साथ ही, हमने बढ़िया दुकानों के लिए सपोर्ट के साथ बेहतर डील भी बनाए हैं।

2026 में 6.5 प्रतिशत रहेगी वृद्धि दर, एस एंड पी रेटिंग्स ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

नईदिल्ली, एजेंसी। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी ने इसकी वजह सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें आदि को बताया है। हालांकि एस एंड पी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एजेंसी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर होगा।

पिछले महीने एस एंड पी ने भारत की विकास दर को कम बताया था– एस एंड पी ने कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक ऊर्जा बाजार पर लंबे समय तक असर पड़ने की आशंका कम ही है। भारत अपनी जरूरत का 85-90 प्रतिशत तेल आयात करता है और आधी प्राकृतिक गैस विदेशों से मंगवाता है। एस एंड पी ने बीते महीने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए भारत की विकास दर में 20 पॉइंट की कमी कर इसे 6.3 प्रतिशत बताया था। एजेंसी ने इसकी वजह वैश्विक अनिश्चितता और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया था।

टैरिफ से व्यापार, निवेश को होगा नुकसान

एस एंड पी का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस महीने जताए गए अनुमान से मेल खा रहा है। रिजर्व बैंक ने भी भारत की विकास दर वित्तीय वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत बताई थी। एस एंड पी ने अपनी रिपोर्ट में ये भी आशंका जताई है कि अमेरिका के टैरिफ प्लान से व्यापार, निवेश और वैश्विक विकास को नुकसान होगा।

खाड़ी देशों की बदल रही हवा, पश्चिम एशिया के इस देश ने पहली बार आयकर लगाने का किया एलान

नईदिल्ली, एजेंसी। खाड़ी देशों ने कच्चे तेल से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खूब चमकाया और दुनियाभर से निवेश को आकर्षित किया। हालांकि अब हालात बदलते दिख रहे हैं और खाड़ी देश भी अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता को कम करना चाहते हैं और इस दिशा में ओमान ने पहल कर दी है। खाड़ी देशों में पहली बार ओमान ने अपने नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है। ओमान सरकार के एलान के तहत साल 2028 से पांच प्रतिशत आयकर वसूला जाएगा।

अभी सिर्फ एक प्रतिशत आबादी पर टैक्स लगाने की तैयारी– हालांकि ओमान ने अभी सिर्फ उन्हीं नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है, जिनकी सालाना आय 1,09,000 डॉलर या उससे ज्यादा है। इस तरह अभी ओमान के सिर्फ एक प्रतिशत लोगों से ही आयकर वसूला जाएगा। ओमान की सरकार ने रविवार को इस संबंध में आधिकारिक एलान जारी कर दिया। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि ओमान के अलावा क्या अन्य खाड़ी देश भी अपने नागरिकों पर टैक्स लगाने पर विचार कर रहे हैं या नहीं।

जमा में पांच साल से लगातार बढ़ रही निजी बैंकों की हिस्सेदारी, सरकारी में छह फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। देश के निजी बैंक पिछले पांच वर्षों से कुल जमा में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ा रहे हैं, जबकि सरकारी बैंकों का हिस्सा छह फीसदी घट गया है।यूनियन बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2019 में सरकारी बैंकों के पास कुल बैंक जमा का 63.2 प्रतिशत हिस्सा था। हालांकि, मार्च, 2025 तक यह घटकर 56.3 प्रतिशत रह गया। यानी करीब 6 फीसदी की कमी आई है।

जमाराशि में सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक वृद्धि– रिपोर्ट के मुताबिक, निजी बैंक कुल जमा में बाजार हिस्सेदारी को लगातार बढ़ा रहे हैं। 5 वर्षों के दौरान निजी बैंकों ने हिस्सा 28.6 से बढ़ाकर 34.8 फीसदी कर लिया। अन्य बैंकों का हिस्सा स्थिर रहा, जो 8.1 और 8.8 प्रतिशत के बीच था। निजी बैंकों की जमाराशि में सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक वृद्धि देखी गई है।

निजी बैंकों का प्रदर्शन बेहतर रहा है

सालाना आधार पर जमा की बात करें तो निजी बैंकों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। 2023-24 में निजी बैंकों ने 20.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जबकि सरकारी बैंकों ने 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह रुझान पिछले वित्त वर्ष में भी जारी रहा। निजी बैंकों ने 12 प्रतिशत और सरकारी बैंकों ने 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर न्याय में बाधा डालने की साजिश के आरोप नहीं, एजीएम में बोले गौतम अदाणी

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने समूह की वार्षिक आम बैठक के दौरान अमेरिका में समूह के खिलाफ हुए मुकदमों और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव पर अपनी राय रखी है। गौतम अदाणी ने कहा है कि पिछले साल अमेरिकी न्याय विभाग और एसीसी ने अदाणी ग्रीन एनर्जी से संबंधित आरोप लगाए थे, लेकिन अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर एफसीपीए का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है।

दूसरी ओर पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर बोलते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने का असर ऊर्जा और रसद पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप में आर्थिक आत्मविश्वास डगमगा रहा है और अमेरिका के सामने अपनी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि इस शोरगुल के बीच भारत अलग खड़ा रहा और किसी भी अन्य प्रमुख देश की तुलना में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस्राइल के हाइफा पोर्ट पर अदाणी की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी

इस्राइल में अदाणी की मौजूदगी का केंद्र हाइफा पोर्ट है, जहां अदाणी पोर्ट्स की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसे 2023 में इस्राइल के गैडोट ग्रुप के साथ साझेदारी में 1.2 बिलियन डॉलर में खरीदा गया है।

उत्तरी इस्राइल में रणनीतिक रूप से स्थित यह पोर्ट अदाणी पोर्ट्स के वार्षिक कार्गो वॉल्यूम में लगभग 3 प्रतिशत का योगदान देता है और इस्राइली आयात और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है।

अदाणी समूह के पास बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत– हिंडनबर्ग प्रकरण और अमेरिका में हुए मुकदमों की इशारा करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि हम चुनौतीपूर्ण वर्षों में भी एक ऐसे समूह के प्रमाण के रूप में खड़े हैं जो बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।

उन्होंने कहा, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा जोर से गूंजती है। हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं, मैं यह भी दोहराना चाहता हूँ कि हमारा शासन वैश्विक मानकों पर आधारित है। गौतम अदाणी ने कहा कि हमारे अनुपालन ढांचे से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। हमारे आंकड़े अपनी कहानी खुद बताते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चुनौतियों से भरे वर्ष में भी, हमने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, अभूतपूर्व वृद्धि और ऐतिहासिक लाभप्रदता देखी।

अदाणी एयरपोर्ट्स को मिला 1 अरब डॉलर का वित्तपोषण

अदाणी समूह की एविएशन शाखा ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण के लिए वैश्विक निवेशकों से एक अरब डॉलर का वित्तपोषण हासिल किया है। समूह ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, लेन–देन का नेतृत्व अपोलो द्वारा प्रबंधित फंडों की ओर से किया गया, जिसमें प्रमुख संस्थागत निवेशकों और बीमा कंपनियों के एक समूह ने भाग लिया, जिसमें ब्लैकरॉक द्वारा प्रबंधित फंड, स्टैंडर्ड चार्टर्ड आदि शामिल थे। इस डील ने भारत के बुनियादी ढांचे के अवसर और अदाणी एयरपोर्ट्स के परिचालन प्लेटफॉर्म में वैश्विक विश्वास को दर्शाया है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और भारत की सबसे बड़ी निजी हवाई अड्डा ऑपरेटर, अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने अपने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) के लिए परियोजना वित्त संरचना के माध्यम से 1 अरब डॉलर जुटाए।

संक्षिप्त

आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा यूएस ओपन के फाइनल में

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा ने यूएस ओपन 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली।

शनिवार रात एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 34वें स्थान पर मौजूद 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने सेमीफाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 9 चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। आयुष ने पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में जगह बनाई है। वह खिताबी मुकाबले में तीसरे वरीयता प्राप्त कनाडा के ब्रायन यांग से भिड़ेंगे है। वहीं महिला वर्ग में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पोलिना बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ तन्वी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

तन्वी और आयुष अमेरिकी ओपन के फाइनल में

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। प्रतिभाशाली भारतीय शटलर तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। भारत की 16 वर्षीय गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी तन्वी ने महिला एकल के सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त पोलिना बुहरोवा को 34 मिनट में 21-14, 21-16 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। यह उनकी यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ करियर की दूसरी जीत थी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग से होगा।

इंग्लैंड की महिला टीम पर धीमी ओवर गति का जुर्माना

नॉटिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में धीमी ओवर गति पर मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। शनिवार रात इंग्लैंड को निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके जाने का दोषी पाया गया। धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। मैदानी अंपायर जैकलीन विलियम्स और जेम्स मिडलब्रुक, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और चौथे अंपायर अन्ना हैरिस ने आरोप लगाया, जिसे इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। भारत ने इस मुकाबले में मेजबान टीम को 97 रनों से हराया था।

बुमराह के डर से मैच को जल्दी खत्म करना चाहते थे स्मिथ

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पहले टेस्ट के पांचवें दिन 82वें ओवर में जडेजा के खिलाफ आक्रामक रूख अपना कर मैच को जल्दी जीतने का फैसला किया। उन्हें डर था कि भारत विकेट की तलाश में अपने स्ट्राइक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को गेंदबाजी पर लगा सकता है। जैमी स्मिथ ने हालांकि जडेजा के खिलाफ दो छक्के और एक चौका लगाकर टीम को पांच विकेट से यादगार जीत दिलाई। उन्होंने कहा मैं मैच को जल्दी खत्म करना चाहता था। उन्होंने कहा, उस समय टीम को ज्यादा रन की जरूरत नहीं थी। उस समय बुमराह के गेंदबाजी पर आने की संभावना कम थी लेकिन क्रिकेट में आप किसी भी चीज को लेकर पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं हो सकते। आप नहीं जानते कि क्या होगा। मैं हमेशा अपनी टीम का समर्थन करता हूं।

भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाना बहुत खास हैः स्मृति मंधाना

नॉटिंघम, एजेंसी। भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी टीम को 97 रन से जीत दिलाने के बाद कहा कि इस प्रारूप में शतक लगाना उनके लिए विशेष मायने रखता है क्योंकि वह नैसर्गिक तौर पर पावर हिटर नहीं हैं। मंधाना ने अपने 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया। उन्होंने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम 210 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई।

मंधाना ने शनिवार को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "यह अच्छा अहसास है, क्योंकि यह प्रारूप ऐसा है जिसमें एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे लगातार प्रयास और सुधार करते रहना होगा। यह मेरे लिए बहुत नैसर्गिक प्रारूप नहीं है।" उन्होंने कहा, "मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शॉट मारना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं।

इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, "इस प्रारूप में शतक बनाना वास्तव में खास है। मैंने टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट में भी शतक लगाए हैं, लेकिन यह दोनों प्रारूप मेरी बल्लेबाजी शैली के अधिक अनुकूल हैं।" मंधाना ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि वह यहां पहले मैच में शतक लगाने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, "मैंने नहीं सोचा था कि मैं पहले मैच में ही शतक लगाने में सफल रहूंगी। मैं इससे पहले कुछ अवसरों पर यहां तक पहुंचने से चूक गई थी और मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं इसे हासिल करने में सफल रही। पिछले 10 वर्षों में 70 और 80 रन पर आउट होना निराशाजनक था।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के 20 एथलीट करेंगे स्पर्धा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का 20 सदस्यीय दल सोमवार से शुरु हो रही विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 में महिला और पुरुष वर्ग की विभिन्न भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेगा। झाकसिलिक उशकेम्पिरोव मार्शल आर्ट पैलेस में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट तीन निर्धारित आयोजनों में से दूसरा है, जो मुक्केबाजों को पूरे वर्ष रैंकिंग अंक अर्जित करने में मदद करता है। कजाकिस्तान चरण चार जुलाई तक चलेगा। इसमें ओलंपियन सहित 31 देशों के 400 से अधिक मुक्केबाज पुरुष और महिला दोनों वर्गों की 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत की 10 सदस्यीय महिला टीम में पेरिस 2024 ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक विजेता जैस्मीन लैम्बोरिया के साथ-साथ टोक्यो ओलंपियन और पूर्व एशियाई चैंपियन पूजा रानी भी शामिल हैं। इस बीच, ब्राजील मीट से पुरुष भारतीय मुक्केबाजी टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 70 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया, रजत पदक विजेता अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल इस टीम का नेतृत्व करेंगे।

विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 के लिए भारतीय टीमें इस प्रकार हैः-

पुरुष वर्गः- जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा),अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), विशाल (90 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेंगे।

महिला वर्गः- मीनाक्षी (48 किग्रा), अनामिका (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा),

संजू (60 किग्रा), नीरज फोगट (65 किग्रा), एस चानू (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नूपुर (80 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेंगी।

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

रिकार्ड

- **पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेली**

पंत के 5 टेस्ट में 6 शतक के बावजूद 4 हार और 1 ड्रॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है।

पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया।

2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई।

फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज बेनेट चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर

बुलावायो, एजेंसी। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट हल्की चोट के कारण बुलावायो टेस्ट के शेष मैच नहीं खेल पाएंगे। सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने आठवें ओवर में आउट होने से पहले शेवरॉन के लिए क्रीज पर रहते हुए 28 गेंदों पर 19 रन बनाए। बेनेट को छठे ओवर में क्वेना मफाका को हुक करने की कोशिश करते समय हेलमेट पर चोट लगी थी।

चोट प्रोटोकॉल के अनुसार ब्रायन बेनेट टेस्ट में आगे कोई भूमिका नहीं निभाएंगे। उनकी जगह प्रिंस मास्वारे को शामिल किया गया है, जो टेस्ट क्रिकेट में अपना 10वां मैच खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 90 ओवर में 418/9 रन बनाकर पारी घोषित करने के बाद जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और उसने ताकुदजवानाशे कैटानो (0) और निक वेल्च (4) को जल्दी ही खो दिया। बेनेट के जाने के बाद टीम मुश्किल में थी, हालांकि अनुभवी बल्लेबाज सीन विलियम्स (45) और क्रेग एर्विन (24) ने लंच तक टीम का स्कोर 94/2 तक पहुंचा दिया।

चेल्सी क्वार्टर फाइनल में, पाल्मेरास से होगी भिड़ंत

चार्लोट (अमेरिका), एजेंसी। पूर्व चैंपियन चेल्सी की टीम क्लब विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उसके अलावा पाल्मेरास ने भी अंतिम आठ दौर का टिकट कटा लिया है। क्वार्टर फाइनल में फिलाडेल्फिया में शुक्रवार को चेल्सी का सामना पाल्मेरास से होगा। चार साल पहले भिड़ी थीं दोनों : ये दोनों टीमें इस टूर्नामेंट में 2021 में फाइनल में भी भिड़ी थीं जब चेल्सी ने पाल्मेरास को हरा अपना एकमात्र खिताब जीता था।

अब पाल्मेरास की टीम के पास हिसाब चुकता करने का सुनहरा मौका होगा। चेल्सी ने शनिवार रात बेनफिका को 4-1 से हराया जबकि पाल्मेरास ने एक अन्य मैच में बोटाफोगो को 1-0 से मात दी। दो बार फाइनल में पहुंचे और 2021 में चैंपियन भी बनी चेल्सी की जीत के दौरान मैच में खराब मौसम और बिजली कड़कने के कारण रुकावट भी आई और इसे पूरा होने में करीब पांच घंटे लगे। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। क्रिस्टोफर एनकुंकू ने अतिरिक्त समय में रिबाउंड पर गोल से चेल्सी को बढ़त दिलाई। इसके बाद पेड्रो नेटो और किरनान डेव्सबरी ने अतिरिक्त समय में गोल से चेल्सी की बड़ी जीत पक्की की। पॉलिन्हो ने दिलाई जीत : उधर फिलाडेल्फिया में पॉलिन्हो ने अतिरिक्त समय में दो डिफेंडरों के बीच से गोल करते हुए गोल दागा जिससे पाल्मेरास ने ब्राजील के लीग प्रतिद्वंद्वी बोटाफोगो को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

गौतम गंभीर पर बढ़ा दबाव, टेस्ट क्रिकेट में नतीजे देने की चुनौतीः आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर जब से भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बने है तब से टीम के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। उनके कोच बनने के बाद टीम में कई बदलाव देखे गए हैं। हालांकि गंभीर बार-बार यह कहते रहे हैं कि टीम का चयन वे नहीं करते, लेकिन सभी जानते हैं कि चयन समिति कप्तान और कोच से बातचीत के बाद ही टीम को अंतिम रुप देने का काम करती है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट जीते हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हाल के वर्षों में टीम के प्रदर्शन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इसी को लेकर उनके पुराने साथी और पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने भी खुलकर कहा है कि अब गंभीर को नतीजे देने होंगे। हाल ही में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हेडिंग्ले टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने 371 रन का बड़ा लक्ष्य देने के बावजूद पांच विकेट से हार का सामना किया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि अब गंभीर के पास ज्यादा समय नहीं है और उन्हें जल्द अच्छे नतीजे देने होंगे वरना उन पर दबाव और बढ़ेगा। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि शुभमन गिल को फिलहाल दोष नहीं दिया जा सकता क्योंकि उन्होंने हाल ही में कप्तानी संभाली है और उन्हें अभी वक्त मिलेगा।

टेस्ट सीरीज | **भारत एजबेस्टन टेस्ट में वापसी की तलाश में लग सकता है झटका**

आंकड़े बताते है बुमराह का वर्कलोड सबसे ज्यादा, उन्हें आराम की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। पहला मैच हारकर यहां पहुंची शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया की नजरें जोरदार वापसी पर होंगी। हालांकि यह काम आसान नहीं होने वाला है। एजबेस्टन का यह मैदान भारत के लिए कभी भी शुभ नहीं रहा है। भारत आज तक यहां इंग्लैंड को हराने में नाकाम रहा है और इस बार भी चुनौती कड़ी रहने वाली है।

इस मुश्किल में टीम इंडिया को एक और बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया जा सकता है। टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को लेकर काफी सतर्क है और नहीं चाहता कि वह चोटिल हो जाएं। भले ही पहले और दूसरे टेस्ट के बीच सात दिनों का अंतर है, लेकिन मैनेजमेंट का मानना है कि बुमराह को पूरी तरह से तरोताजा रखना जरूरी है। दरअसल, सीरीज शुरू होने से पहले ही यह साफ कर दिया गया था कि बुमराह सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। योजना के मुताबिक वह पहला और तीसरा टेस्ट जरूर खेलेंगे और फिर सीरीज की स्थिति देखकर चौथे या पांचवें मैच के लिए फैसला करेंगे।

पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण टीम मैनेजमेंट की सोच को सही साबित करता है। तब बुमराह ने सभी पांच टेस्ट मैच खेले थे और इसके बाद उन्हें चोट ने परेशान किया। इस बार टीम कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहती। हालांकि, इस फैसले को लेकर कई दिग्गज और फैंस सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर दो मैचों के बीच सात दिन का ब्रेक है तो क्या वह आराम के लिए काफी नहीं है? यह सवाल भी उठ रहा है कि इतने अहम मौके पर भारत अपने सबसे भरोसेमंद गेंदबाज को कैसे बाहर बैठा सकता है।

बुमराह के वर्कलोड पर नजर डालें तो टीम मैनेजमेंट का फैसला समझ आता है। इस समय दुनिया के किसी भी तेज गेंदबाज पर उतना काम का बोझ नहीं है जितना बुमराह पर। 1 जनवरी 2024 से अब तक बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा ओवर फेंके हैं। उन्होंने 410.4 ओवर गेंदबाजी की है और इस दौरान 78 विकेट भी हासिल किए हैं। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क का नंबर आता है, जिन्होंने 362.3 ओवर में 48 विकेट लिए हैं। पैट कमिंस ने 359.1 ओवर में 51 विकेट चटकाए हैं।

भारतीय गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी इस दौरान 355.3 ओवर फेंके हैं और 41 विकेट हासिल किए हैं। वास्तव में, बुमराह ने भारत के लिए सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा ओवर भी फेंके हैं, उनके बाद रवींद्र जडेजा 400.1 ओवर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इन आंकड़ों से साफ है कि बुमराह भारतीय बॉलिंग अटैक की रीढ़ बने हुए हैं और उनका फिट रहना टीम के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यही वजह है कि टीम मैनेजमेंट उनके वर्कलोड को मैनेज करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। एजबेस्टन टेस्ट में उनकी गैरमौजूदगी भारत के लिए चुनौती जरूर बढ़ाएगी, लेकिन लंबी सीरीज को देखते हुए यह फैसला रणनीतिक माना जा रहा है।

...फिर, आप रहेंगी खुश

- यदि आप एक घंटे के लिए खुश रहना चाहती हैं तो एक झपकी ले लें।
- यदि आप एक दिन के लिए खुश रहना चाहती हैं तो पिकनिक पार्टी में सम्मिलित हो लें।
- यदि आप एक सप्ताह के लिए खुश रहना चाहती हैं तो फैमिली के साथ कहीं घूम-फिर आएं।
- यदि आप एक महीने के लिए खुश रहना चाहती हैं तो शादी कर लें।
- यदि आप एक साल के लिए खुश रहना चाहती हैं तो बड़ी जायदाद की वारिस बन जाएं।
- यदि तुम जिंदगी भर के लिए खुश रहना चाहती हैं तो अपने काम से प्यार करना सीखें।

मॉइश्चराइजर का उपयोग करना कई लोगों के लिए आम है। कुछ मामलों में, लोशन या मॉइश्चराइजिंग क्रीम का उपयोग, कोमल और स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने की इच्छा के वजह से होता है।

ऐसे इस्तेमाल करें मॉइश्चराइजर

अन्य समय में मॉइश्चराइजर का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया जाता है, ताकि कुछ प्रकार की त्वचा की समस्याओं को ठीक कर सके, संभवतः खुजली से राहत लाने के लिए, खरोच या सूखापन जो की चिकित्सा समस्या के साथ जुड़ा होता है, उसको कम करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। मॉइश्चराइजर को कितनी बार लगाना है, यह एक आम सवाल है, जिसका उत्तर व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर होता है। यहां कुछ उदाहरण हैं मॉइश्चराइजर के उपयोग के आम करणों के साथ और इसे कितनी बार लगाना आवश्यक होता है।

- जो लोग त्वचा की देखभाल के मौजूदा काम के लिए स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने में संलग्न होते हैं, उनके लिए नियमित रूप से मॉइश्चराइजिंग महत्वपूर्ण होता है।
- लोशन कितनी बार लगाएं, इसके लिए ध्यान रखना पड़ता है कि त्वचा कितना प्राकृतिक तेल ग्रहण कर सकती है।
- कुछ लोग लोशन का प्रयोग नहाने के बाद त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए करते हैं, ताकि जो नमी साबुन के उपयोग से हट गई है, उसे वापस लाया जा सके।
- जिन लोगों की त्वचा तेलीय होती है, उन लोगों को मॉइश्चराइजर का उपयोग हर दूसरे दिन या सप्ताह में दो बार काफी होता है, ताकि वो त्वचा में नमी की समान मात्रा बनाए रख सके।
- जब किसी प्रकार का चिकित्सा समस्या होती है, जिसकी वजह से त्वचा शुष्क हो जाती है, कम से कम दिन में एक बार मॉइश्चराइजर का उपयोग करें या कभी-कभी एक से अधिक बार ताकि किसी भी असुविधा और त्वचा को धीमी गति से क्षति को कम करने में मदद कर सके।
- जो लोग एक्जिमा से पीड़ित होते है, उन्हें बहुत खुजली होती है। खुजली की स्वाभाविक प्रवृत्ति, खरोच होती है, जो आगे त्वचा में जलन पैदा करती है और त्वचा को नुकसान पहुंचाती है।

- औषधीय मॉइश्चराइजर से प्रतिदिन या दिन में दो बार मॉइश्चराइजिंग करने से खुजली काफी शांत होती है और लगातार खरोंच के नुकसान से त्वचा को बचाती है।
- समय-समय पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम या लोशन का उपयोग करने से फायदा होता है। जो बच्चे नियमित रूप से बाहर खेलते हैं, उन्हें सनस्क्रीन लोशन लगाना चाहिए।
- हालांकि, नहाने के बाद खुशबू मुक्त लोशन की एक छोटी राशि को लगाने से युवा त्वचा को कोमल बनाने में मदद करता है और त्वचा के शुष्क होने की संभावना को कम करता है।
- आमतौर पर पुरुष मॉइश्चराइजर का उपयोग करने के बारे में नहीं सोचते हैं। हालांकि, खुशबू मुक्त मॉइश्चराइजिंग एजेंट को कोहनी, एड़ी और पैरों की गेंदों पर लगाना चाहिए, ताकि खुरदुरी शुष्क त्वचा के विकास को रोका जा सके, जो बाद के वर्षों में समस्याओं का कारण बनती है।
- नहाने के बाद थोड़ा समय निकाल कर सप्ताह में एक या दो बार लोशन लगाना काफी होता है, ताकि जो क्षेत्र शुष्क हो जाता है, उसे मजबूत और स्वस्थ त्वचा बनाये रखने में मदद करता है।
- सामान्य रूप में नहाने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना अच्छा होता है। उस समय नहाने के लिए जो पानी का उपयोग किया गया था, उसकी छोटी राश को पकड़ कर रखता है। मॉइश्चराइजिंग प्रोडक्ट उस नमी को पकड़ने में मदद करता है।
- जब तक कि आपकी त्वचा बहुत तेलीय ना हो, मॉइश्चराइजर के दैनिक उपयोग से कोई समस्या पैदा नहीं हो सकती। हालांकि, जिन लोगों की विशेष त्वचा स्थिति होती है, उन्हें त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

नैचुरल ग्लो

तैलीय त्वचा की खूबी है कि इस पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। और चेहरे पर हमेशा चमक बरकरार रहती है। लेकिन तैलीय त्वचा की अगर सही देखभाल न की जाए तो खुले छिद्र और मुंहासे की समस्या शुरू होते देर नहीं लगती। ऐसी त्वचा पर जल्दी कोई मेकअप भी सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा के रंग से थोड़े हल्के रंग का फाउंडेशन चुनें। यह आपको नैचरल लुक देगा। फाउंडेशन स्टिक तेल को कम करेगी और कई घंटों तक आप फ्रेस लगेंगी। तैलीय त्वचा के लिए लिक्विड फाउंडेशन के बजाय पाउडर फाउंडेशन ज्यादा असरदायक होता है। यह त्वचा का अतिरिक्त तेल सोख लेता है और उसे त्वचा को साफ-सुथरा बनाता है।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल

आजकल बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का कॉन्सेप्ट बेहद पॉपुलर है और डिजाइनर ने इसे अपने क्रिएशन में बखूबी उतारा है। ब्लैक जैसे बोल्ड रंग पर चिकन की कढ़ाई और मिरर वर्क के साथ डिजाइनर ने काफी एक्सपेरिमेंट किया है। शॉर्ट कुर्ती जैसे रेग्यूलर आउटफिट को फैंसी टाइट्स या जींस के साथ टीम करके एक अलग और आकर्षक लुक तैयार किया जा सकता है। बात एसेसरीज की करें तो बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए चंकी ज्यूलरी उपयुक्त होती है। गर्ल नेक्स्ट डोर इस कलेक्शन में बाटिक प्रिंट्स और पैचवर्क को प्रमुखता से प्रयोग किया गया। रंगों के एक्सपेरिमेंट में डिजाइनर ने कलात्मकता का पूरा परिचय दिया है। चटख रंगों के साथ कंटेंपरेरी कट्स के प्रयोग वाली यह ड्रेस प्रोफेशनल और कॉलेज-गोइंग लड़कियों के लिए उपयुक्त है। ये ड्रेसेज कॉटन फैब्रिक्स से डिजाइन की गई हैं जो इन्हें पहनने में और भी ज्यादा आरामदायक बनाता है। इस तरह के कलरफुल आउटफिट्स को रात की पार्टीस में भी आराम से कैरी किया जा सकता है।

बदलते वक्त के साथ जहां पति-पत्नी के रिश्तों की नई परिभाषाएं बनी हैं, वहां सेवानिवृत्त पति को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। एक महिला का कहना था- मैं नहीं जानती मैं अपने पति के साथ कैसे व्यवहार करूं।

किसी पर बोझ न बनें रिटायर्ड लाइफ

सेवानिवृत्त होने के बाद कुछ हफ्ते तक तो वह तनावग्रस्त रहे, बस समाचार-पत्र पढ़ने, टीवी देखने आदि में व्यस्त रहे, लेकिन फिर उन्होंने किसी कंपनी के अध्यक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया और घर को चलाने का सारा काम अपने हाथ में ले लिया। मैं सचमुच घर में उनके काम करने के ढंग को लेकर तंग आ गई हूं।

आम समस्या बन रही आदत

यह समस्या सिर्फ एक महिला की नहीं है। प्रायः हर उस महिला की है, जिसका पति नौकरी से सेवानिवृत्त होता है। अंतर केवल उसके काम की प्रकृति का होता है। बाबू के पद से सेवानिवृत्त है तो कोई अफसर के पद से। साथियों के पास उसका व्यवहार कैसा रहा है। यह भी बहुत बाद यह सब कुछ उसके व्यक्तित्व में समा जाता है। घर की समस्याओं को भी वह दफ्तर की समस्याओं की तरह ही निपटाने लगता है। अपने अधीनस्थों के साथ उसका संवेदनशील व्यवहार घर के सदस्यों के साथ भी दिखाई देने लगता है।

अपनी चलाने की कोशिश

समस्या उस समय और भी बढ़ जाती है, जब पति और पत्नी दोनों उच्च पदों से सेवानिवृत्त हुए हों। दफ्तर की तरह घर में भी सब कुछ पति की मर्जी के अनुसार हो ऐसा संभव नहीं। बड़ा साहब होने के कारण दफ्तर में सभी लोग उनके अनुसार चलते थे, लेकिन घर में अगर वह चाहते हैं कि शांति रहे तो उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समझौता करना होगा।

बच्चों को समझना होगा

बच्चों के अपने कर्तव्य होते हैं। उनका फर्ज है बूढ़े मां बाप की देखभाल करना। दूसरी तरफ मां-बाप को भी उन्हें और उनकी समस्याओं को समझना होगा। आज के समय में किसी को ग्रांटिड नहीं लिया जा सकता। पत्नी को भी नहीं, हर एक व्यक्ति को अपने लिए थोड़ी जगह चाहिए। कुछ समय वह अपने लिए और अपने साथ भी बिताना चाहता है। अगर यह बात पुरुष को समझ आ जाए तो घर में अशांति पांव नहीं रख सकतीं। अच्छा यही होगा कि अगर हमारी सेहत अच्छी है।

काम का चुनाव कर लें

रिटायर होने के बाद हमारे अंदर काम करने की क्षमता है तो हम रिटायर होने से पहले अपने लिए काम का चुनाव कर लें, ताकि न खुद परेशान हों न घरवाले। अब मैं रहकर घर के हर काम में टीका टिप्पणी करना किसी को भी नहीं सुहाएगा। सच तो यह है कि न तो घरवालों को 24 घंटे आपका चेहरा देखने की आदत होती है और आपको उनका चेहरा देखने की हर समय की नोक-झोंक घर के वातावरण को खराब कर देती है।

पीढ़ी का अंतर समझें

आखिर पीढ़ी का अंतर भी तो होता है। कहते हैं शादी का सुख जवानी से अधिक बुढ़ापे में होता है, जवानी तो मौजमस्ती में निकल जाती है, लेकिन बुढ़ापे में जब बच्चे अपने-अपने बसेरे बना लेते हैं, तब पति-पत्नी ही एक दूसरे के मित्र और साथी होते हैं और हर तरह का सुख-दुख बांटते हैं। बच्चों से जो शिकायतें होती हैं, वे भी बच्चों की बजाय एक दूसरे से कहकर मन हल्का कर लेते हैं। यह तभी संभव है, जब वे एक दूसरे को समझते हों। रिटायर तो सबको एक दिन होना ही होता है। पत्नी ने सारा जीवन पति की इच्छानुसार जिया, रिटायरमेंट के बाद पति अगर पत्नी की इच्छानुसार जीकर जीवन में नया रंग, नया रूप और नई उमंग भर सकता है, कोशिश तो की ही जा सकती है।

टीन्स का फैशन फिवर

गर्मी में सभी अपना ड्रेसिंग स्टाइल चेंज कर लेते हैं। समर में क्लाथ, वर्क और कलर में भी बदलाव आ जाता है। इसमें टीन एजर्स कैसे पीछे रह सकते हैं। उनके लिए ट्रेंडी के साथ कूल-लुक वाले ड्रेसेस बेहतरीन ऑप्शन है, जो न केवल फैशन में अपडेट रखते हैं, बल्कि जरा हटके दिखने की चाह को भी पूरा करते हैं।

ट्रेंडी कलर्स

गर्मी के मौसम में हल्के रंगों की ड्रेस की मांग बढ़ जाती है। ये ड्रेस सूर्य की रोशनी को रिफ्लेक्ट करते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। पैस्टल कलर जैसे कैंडी पिंक, पर्पल, लाइट फिरोजी, येलो कलर ऑफ व्हाइट, व्हाइट, पिस्ता, सी ग्रीन 2011 के समर सीजन के ट्रेंडी कलर्स हैं।

बेबी डॉल ड्रेसेस

गर्ल्स इस सीजन में बेबी डॉल ड्रेसेस पहन सकती हैं। एलाइन या स्ट्रेट के साथ फ्लोरल प्रिंट, एम्पायर बेस लाइन से सजी बेबी डॉल ड्रेसेस पर्सनैलिटी को आकर्षक बनाती हैं। ऐसी ड्रेसेस की लंबाई घुटनों तक होती है। यदि इसे लेगिंग्स या जीन्स के ऊपर डालें तो यह स्मार्ट लुक देगा। इसमें फ्रंट कट, बैक कट, ओपन नेक, कट स्लीव, वेस्ट लाइन फिटेट, बैक पोर्शन ओपन जैसे बदलाव लाकर इसमें वेरिएशन्स ला सकती हैं।

ट्यूनिक्स

एम्ब्रायडरी वाले बैलून शेप ट्यूनिक्स का लड़कियों के बीच खूब क्रेज रहता है। इसे लैगिंग्स या शार्ट्स के साथ पहना जाता है। प्रिंटेड लैगिंग्स

आजकल फैशन में इन हैं। जीन्स और ट्यूनिक्स का मैच भी स्मार्ट लुक देता है।

टाइ एंड डाई

यह डाई करने की ऐसी टेक्निक है, जिसमें कपड़े पर डाई से ग्राउंड या पैटर्न बनाया जाता है। इसके ट्यूनिक्स या टॉप आजकल फैशन में हैं। टाई एंड डाई के कलीदार कुर्ते के साथ लाइक्रा का चूड़ीदार पायजामा खूब फबता है। यदि इसके साथ यूनिक स्टाइल आजमाना हो, तो नेट वाला स्टोल डाल सकते हैं।

शेप्ड फिगर से मिलती है खुशी

कहते है अगर किसी महिला को आकर्षित करना हो तो उसकी तारीफ करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि एक महिला को सबसे ज्यादा खुशी मिलती है अपने शेप्ड फिगर को देखकर या उसकी प्रशंसा सुनकर। एक अध्ययन के मुताबिक अपने प्यार से ज्यादा खुशी महिला को अपनी छरहरी काया को देखकर मिलती है।

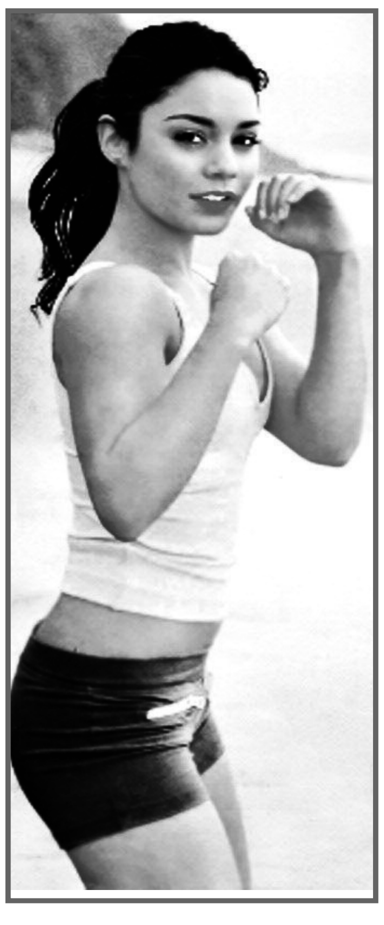

मोटा होना है दुखदाई

दूसरी तरफ मोटा होना एकाकी जीवन जीने से कहीं ज्यादा दुखदाई होता है। इतना ही नहीं, पतले होने से रिश्ते में ज्यादा संतोष का अनुभव होता है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक वजनदार होने से जुड़ी पीड़ा इतनी बड़ी हो चुकी है कि यह करीब-करीब जीवन के हर पक्ष को प्रभावित कर रही है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. गगनदीप कौर कहती हैं, मोटापे से जितनी शारीरिक समस्याएं होती हैं, उतनी ही मानसिक समस्याएं भी होती जाती हैं। स्त्रियों के लिए खासतौर पर मोटापा मानसिक प्रभाव डालने वाला होता है।

उत्तम है घरेलू जीवन

सन् 1984 से 2008 के बीच 24 साल तक हजारों जर्मन लोगों के जीवन का अध्ययन किया गया और पाया गया कि अच्छा घरेलू जीवन एक चमकदार कैरियर से कहीं ज्यादा बेहतर होता है। इस अध्ययन से संबद्ध मनोचिकित्सक का कहना है कि, 'मैंने बहुत सी मोटी महिलाओं के साथ काम करने के बाद पाया कि उनके दिमाग में अधिक वजन की चिंता हरदम बनी रहती है। इसकी वजह यह है कि आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जो अपने नैन-नक्श, आकार-प्रकार और आकर्षण को निरंतर निखारने में लगा हुआ है। मोटे लोगों पर अकसर टिप्पणी होती है कि यह मूर्ख और सुस्त है, जिसे अपनी जरा भी परवाह नहीं है। अध्ययन में बताया गया कि सामाजिक होना और कसरत करना जीवन में संतोष प्रदान करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि कम काम करना, अधिक काम करने की तुलना में ज्यादा दुख पहुंचाता है।

कोर्ट रूम ड्रामा-इमोशन्स से भरपूर है 'क्रिमिनल जस्टिस

'क्रिमिनल जस्टिस 4' का छठा एपिसोड रिलीज हो गया है

पंकज त्रिपाठी अभिनीत 'क्रिमिनल जस्टिस 4' इस समय ओटीटी पर छाया हुआ है। इसके प्रत्येक एपिसोड का दर्शक दिल थाम कर इंतजार करते हैं, क्योंकि निर्माता इसका रोमांच दर्शकों को किस्तों में दे रहे हैं। अब इसका छठा एपिसोड गुरुवार को रिलीज हो गया है, जिसमें डॉ. राज नागपाल और अंजू नागपाल पर रोशनी आहूजा के हत्या का आरोप है, जिसका केस कोर्ट में लड़ा जा रहा है।

कैसा है इसका छठा एपिसोड ?: 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' का छठा एपिसोड गुरुवार को हॉटस्टार पर रिलीज हुआ है। इसमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जिन्होंने माधव मिश्रा नाम के वकील का किरदार निभाया है। इसमें अभिनेता हत्या के आरोपी डॉ. राज नागपाल और अंजू नागपाल की ओर से केस लड़ते हैं, बल्कि अगस्त्या लेखा पुलिस का पक्ष रखती नजर आ रही हैं। इसमें दोनों पक्षों की तरफ से सबूतों और गवाहों को पेश करने का दौर जारी है और अलग-अलग रहस्यों से पर्दा उठ रहा है।

कब आएगा अगला एपिसोड ?: 29 मई को क्रिमिनल जस्टिस का चौथा सीजन तीन एपिसोड के साथ हॉटस्टार पर रीलीज हुआ था। जिसके बाद से अब हर सप्ताह गुरुवार को निर्माताओं की ओर से सीरीज का नया एपिसोड रिलीज किया जा रहा है। इसी कड़ी में 19 जून गुरुवार को इसका छठा एपिसोड आया। अब इसका अगला एपिसोड 26 जून को रिलीज होगा और आखिरी एपिसोड 3 जुलाई को आएगा।

'क्रिमिनल जस्टिस 4' के बारे में: 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। वहीं इस सीरीज का निर्माण अप्लॉड एंटरटेमेंट के बैनर तले किया गया है। इसमें पंकज त्रिपाठी, सुरवीन चावला, मोहम्मद जीशान अयूब, श्वेता बसु प्रसाद, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, आत्मप्रकाश मिश्र, बरखा सिंह और खुशी भारद्वाज आदि कलाकार शामिल हैं।

'कुबेर' से तेलुगु सिनेमा में धनुष की वापसी

तमिल सुपरस्टार धनुष ने दो साल के बाद तेलुगु सिनेमा में फिल्म 'कुबेर' से वापसी की है। क्राइम ड्रामा फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म देखने के बाद कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर इसके बारे में लिखा है। कुछ लोगों ने फिल्म की लंबाई की आलोचना की है, तो वहीं ज्यादातर लोगों ने धनुष की अदाकारी की तारीफ की है।

धनुष की अदाकारी को बड़े पर्दे पर देखा जाना चाहिए: एक एक्स यूजर ने लिखा है कि फिल्म में धनुष का किरदार आसान नहीं था लेकिन धनुष ने इसे बेहतर तरीके से निभाया है। उन्होंने लिखा 'धनुष के लिए यह अहम भूमिका है, पूरी फिल्म में उनकी मासूमियत ने बड़ा काम किया है। यह उनके किरदार को दिलचस्प बनाती है। यह रोल निभाना आसान नहीं था, लेकिन धनुष ने कर दिखाया। उनकी अदाकारी को बड़े पर्दे पर देखा जाना चाहिए।'

फिल्म छोटी होनी चाहिए थी: एक दूसरे यूजर ने धनुष के अभिनय की तारीफ की और लिखा कि फिल्म को थोड़ा छोटा होना था। उन्होंने एक्स पर लिखा 'धनुष की मजबूत अदाकारी। रश्मिका के साथ उनकी बेहतरीन केमिस्ट्री। शेखर कम्मुला की कहानी बहुत

मेकर्स की इस गलती पर नाराज हुए दर्शक

अच्छी है लेकिन फिल्म छोटी होनी चाहिए थी और बांधने वाली होनी चाहिए थी। खासकर दूसरा हिस्सा। फिल्म अगर थोड़ी तेज होती तो अच्छा होता।'

धनुष की करियर की सबसे अच्छी अदाकारी: एक दूसरे यूजर ने कुबेर में धनुष के प्रदर्शन को उनके करियर की बेहतरीन अदाकारी बताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा है 'कुबेर आपका दिल जीत लेती है। फिल्म में धनुष ने अपने करियर की सबसे अच्छी अदाकारी की है। फिल्म में एक ही कमी है कि यह बहुत लंबी है, हालांकि फिल्म में यादगार पल हैं, जो इसे मजेदार बनाते हैं।'

फिल्म के बारे में: कुबेर फिल्म शेखर कम्मुला के निर्देशन में बन रही है। फिल्म में धनुष ने अहम किरदार निभाया है।

फिल्म में वित्तीय अपराधों की कहानी दिखाई गई है। इसमें अवैध धन और भ्रष्टाचार के बारे में दिखाया गया है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है। धनुष की यह दूसरी तेलुगु फिल्म है। उन्होंने तेलुगु में पहली फिल्म 2023 में 'वाथी' में काम किया था।

12 साल से हर्ष सागर के साथ रिलेशनशिप में हैं डायना पेंटी

'कॉकटेल' और 'हैप्पी भाग जाएगी' जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री डायना पेंटी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस बीच अभिनेत्री ने अपनी लव लाइफ और शादी को लेकर अपनी योजना पर बात की।

22 साल से हर्ष को जानती हैं डायना: हटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान डायना पेंटी ने हर्ष सागर के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वो पिछले दस साल से अधिक समय से हर्ष सागर के साथ एक सीरियस रिलेशनशिप में हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कभी भी किसी के साथ कैजुअल रिलेशनशिप में कोई दिलचस्पी नहीं रही। मैं पुरानी सोच वाली हूं। अपने रिश्ते को सार्वजनिक करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं छत पर जाकर इसके बारे में भाषण नहीं देने जा रही हूं मैं और हर्ष एक दूसरे को 22 वर्षों से जानते हैं और 12 वर्षों से साथ हैं।

> **बोलीं: 'मैं अपने मन में शादीशुदा हूं'**

शादी के लिए नहीं है कोई दबाव: अपने रिश्ते और शादी के सवाल पर डायना ने कहा कि मैं शादीशुदा नहीं हूं, लेकिन मेरे दिमाग में मैं विवाहित हूं। यह एक ही बात है। आप रिश्ते का उसी तरह सम्मान कर रहे हैं। मेरे और हर्ष किसी के भी परिवार में भी कोई शादी के लिए दबाव नहीं डालता है। उनका हमें सपोर्ट है और उनका भी मानना शादी से ज्यादा खुश रहने पर है। हालांकि, शादी को लेकर मुझे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन हम साथ रहते हैं। हमारा एक डॉग भी है। बिना किसी फॉर्मेलिटी या डॉक्यूमेंट्स के भी हमारा रिश्ता शादी के जैसा ही है।

'डिटेक्टिव शेरदिल' में नजर आएंगी डायना: 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' से दीपिका पादुकोण और सैफ अली खान के साथ अपना करियर शुरू करने वाली डायना पेंटी ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया है। अब वो रवि छाबड़िया द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' में दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 20 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होने वाली है।

क्या नीसा देवगन एक्टिंग में करने वाली हैं डेब्यू?

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी आगामी फिल्म 'मां' से चर्चा में हैं। अब एक्ट्रेस ने अपनी बेटी नीसा देवगन के करियर को लेकर बात की है। सिनेमाई दुनिया की चर्चित अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आजकल स्टारकिड्स फिल्मी दुनिया में डेब्यू करते दिख रहे हैं। अब इसी कड़ी में काजोल ने भी अपनी बेटी नीसा देवगन के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की है।

क्या अभिनय में कदम रखने वाली हैं नायसा ?: हाल ही में काजोल एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने बेटी को लेकर बात की। अभिनेत्री से सवाल किया गया कि क्या वह भी अन्य पैरेंट्स की तरह भी अपनी बेटी को फिल्मों में लाने की योजना बना रही हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेंगी, उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार के सभी बच्चों से प्यार करती हूं और मैं चाहती हूं कि वे वही करें, जिससे उन्हें खुशी मिलती है और जो उन्हें लगता है कि वे उसमें सफल होंगे।'

काजोल ने बच्चों के बारे बताई ये बात: आगे बातचीत में काजोल ने बताया, 'मेरे बच्चों को मेरी पिक्चर पसंद नहीं आती क्योंकि मुझे उसमें रोना धोना पड़ता है और उन्हें अपनी मां को स्क्रीन पर रोते हुए देखना पसंद नहीं है। नीसा और युग मुझे रोते हुए देख कर बहुत सहम जाते हैं । मैंने उन्हें बोला है कि यह सब झूठ है पर उन्हें समझ नहीं आता।'

कब रिलीज होगी फिल्म ?: फिल्म मां, 'शैतान' के ब्रह्मांड की अगली कड़ी है और जिसमें एक मां अलौकिक शक्तियों से अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जाती है। इस फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्त, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज होगी।

धीमे-धीमे चमकेंगे आमिर के 'सितारे'

चार साल के ब्रेक के बाद जब शाहरुख खान ने 'पठान' से कमबैक किया था तो उनकी एंट्री बेहद मासी थी। अब तीन साल के ब्रेक के बाद आमिर खान ने फिल्म 'सितारे जमीन पर' से कमबैक किया है। बेहद सादे अंदाज में फिल्म के पहले सीन में ही वो कार से उतरते नजर आते हैं। इस एंट्री में कोई मास मसाला नहीं है, शायद यही आमिर का अपना नॉर्मल है। फिल्म शुरू होती है और पांच मिनट तक आपको लगता है कि क्या आमिर यहां भी अपने किरदार को 'लाल सिंह चड्ढा' की तरह ही एक सुर में ले जाएंगे? कई सीन में वो एक ही जैसे एक्सप्रेशन देते नजर आते हैं पर शुक्र है कि धीरे-धीरे वो अपने किरदार का सुर पकड़ ही लेते हैं। एक अलग सुर जो मूल फिल्म में कोच का किरदार निभाने वाले कलाकार से काफी अलग है। फिल्म भी उस मूल फिल्म से काफी अलग ही है, जिसे लेकर इसे काफी ट्रोल किया जा रहा है। यहां कई बड़े मजेदार देसी तड़के लगाए गए है और पूरी फिल्म की सबसे खास बात यह है कि ये आपको कहीं भी बोर नहीं करती। स्लो और इमोशनल होने के बावजूद भी यह हर बार सही वक्त पर अपनी रफ्तार फिर से पकड़ लेती है। फिल्म डाउन सिंड्रोम और न्यूरो डाइवर्जेंस पर आपको एक अलग ही अंदाज में मैसेज देती है। यह पूरी तरह से आमिर की फिल्म भी नहीं है। हर छोटे किरदार को पूरा स्पेस दिया गया है। फिर चाहे वो आमिर की मां हों या फिर आमिर की पत्नी सुनीता के किरदार में जेनेलिया डिसूजा। वो फिल्म में खूबसूरती लेकर आती हैं। उनके बोलने के अंदाज में थोड़ा धीमापन है.. इसकी वजह फिल्म के अंत तक समझ नहीं आती क्योंकि जेनेलिया की हिंदी काफी अच्छी है.. बहरहाल, जब बाकी चीजें अच्छी हों तो कुछ कमियां अपने आप नजर अंदाज हो जाती हैं। फिल्म में जान डालने का काम यकीनन 10 खास कलाकारों का था और मानना पड़ेगा डायरेक्टर आर.एस. प्रसन्ना को कि उन्होंने इन बच्चों से कमाल का काम निकलवाया है। इन सबकी अपनी अपनी कहानी जो धीरे-धीरे आगे बढ़ती है और अंत तक आपको इन सभी से प्यार हो जाता है। अब बात करते हैं एक्टिंग की तो आमिर ने अपना काम बखूबी निभाया। उनका किरदार में कई लेयर्स हैं जो आपको उनके ही अंदाज में देखने में मजा आएगा। जेनेलिया स्क्रीन पर क्यूटनेस लेकर आती हैं बाकी उनकी एक्टिंग तो हमेशा से ही बेहतर थी। सतबीर से लेकर गुड्डू और शर्मा जी से लेकर गोलू तक सभी दस खास कलाकारों से आपको प्यार हो ही जाएगा क्योंकि फिल्म में इन सभी ने एक्टिंग नहीं की है.. इन्होंने अपनी असल मासूमियत दिखाई है। फिल्म में तीन चरित्र कलाकार भी हैं- डॉली अहलूवालिया, गुरपाल सिंह और बृजेंद्र काला.. इनके बिना ये फिल्म अधूरी थी।

उज्ज्वल निकम का रोल निभाएंगे राजकुमार

मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों पर एक नई फिल्म की तैयारी हो रही है। जिसमें एक्टर राजकुमार राव लीड रोल करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में उज्ज्वल निकम की भूमिका अभिनेता राजकुमार राव निभा रहे हैं। निकम देश के सबसे चर्चित पब्लिक प्रोसिक्यूटर रहे हैं। उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल केस लड़े हैं। 26/11 केस में उनकी भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। हालांकि, यह फिल्म पूरी तरह से उज्ज्वल निकम की बायोपिक नहीं होगी। फिल्म में सिर्फ उस केस पर फोकस किया जाएगा, जिसमें निकम ने आतंकी अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ा था।

> **26/11 केस पर बन रही है फिल्म, 'शाहिद' में वकील बनकर जीता था नेशनल अवॉर्ड**

फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं अविनाश अरुण धावरे: फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हुआ है। फिल्म का निर्देशन अविनाश अरुण धावरे कर रहे हैं। अरुण धावरे ने प्राइम वीडियो की सीरीज 'पाताल लोक' के दोनों सीजन, 'किला' व 'थ्री ऑफ अस' का निर्देशन किया है। पटकथा सुमित रॉय ने लिखी है। सुमित ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'जुबान' और 'गहराइयां' जैसी फिल्मों का स्क्रीनप्ले भी लिखा है।

बता दें कि पहले चर्चा थी कि इस रोल को आमिर खान निभाएंगे, लेकिन वो 'सितारे जमीन पर' प्रोजेक्ट में व्यस्त होने की वजह से फिल्म से हट गए। इसके बाद राजकुमार राव को यह रोल ऑफर किया गया।

फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि यह एक पारंपरिक बायोपिक नहीं होगी। फिल्म सिर्फ 26/11 केस से जुड़े कोर्ट रूम ड्रामा और कानूनी लड़ाई पर आधारित होगी। बता दें कि उज्ज्वल निकम ने इस केस में कसाब के खिलाफ सबूत पेश किए और कोर्ट से उसे सजा दिलवाई।

राजकुमार पहले भी निभा चुके हैं वकील का रोल: राजकुमार राव इससे पहले भी वकील की भूमिका निभा चुके हैं। फिल्म 'शाहिद' में उन्होंने वकील शाहिद आजमी का किरदार निभाया था। इस रोल के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। वहीं, राजकुमार जल्द ही फिल्म 'मालिक' में भी नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें वे गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। एक्टर राजकुमार राव अपकमिंग फिल्म मालिक में गैंगस्टर की भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का धांसू टीजर जारी कर दिया है। एक्शन से भरपूर टीजर में राजकुमार का गजब का अंदाज देखने को मिला। 'मालिक' को मिलने 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आ जाना।

आयुश्री मिस सुप्रानेशनल करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

दिल्ली की रहने वाली आयुश्री मलिक आज लाखों लड़कियों के लिए एक मिसाल बन चुकी हैं। जब वह सिर्फ 7 साल की थीं, तब उनके पिता का एक सड़क हादसे में देहांत हो गया था। उस उम्र में, जब बच्चे सबसे ज्यादा प्यार और सहारे की उम्मीद रखते हैं, आयुश्री ने अपनी ज़िंदगी का सबसे बड़ा खालीपन महसूस किया। लेकिन उनकी मां, जो एक पुलिस अफसर हैं, उन्होंने उन्हें संभाला। मिस सुप्रानेशनल 2025 की अपनी तैयारी को लेकर आयुश्री ने बताया, 'मैं सिर्फ कम्पटीशन के लिए नहीं, लोगों से जुड़ने के लिए तैयारी कर रही हूं। मैं अपने शरीर को फिटनेस से तैयार कर रही हूं। अपने मन को मेडिटेशन से संभाल रही हूं। और खुद को दूसरों की मदद करके मजबूत बना रही हूं। मैं जानती हूं कि इस मंच पर सिर्फ सुंदरता नहीं, सोच और भावनात्मक जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है।' आयुश्री ने कहा, 'साइकोलॉजी ने सिखाया कि समझना सबसे पहली चीज होती है। तभी हीलिंग शुरू होती है। 'ब्रेव हार्ट्स' में हम बच्चों की मदद करने के लिए इम्पैथी का इस्तेमाल करते हैं। ध्यान से सुनते हैं। और ट्रॉमा की सही समझ से काम करते हैं। मेन्टल हेल्थ कोई लग्जरी नहीं, ये जरूरत है। खासकर जब आप किसी को दोबारा जीने की हिम्मत देना चाहते हैं।' देश की बाकी लड़कियों को संदेश देते हुए आयुश्री ने कहा, 'आपके सपने सच्चे हैं। आपकी आवाज भी। किसी को ये मत कहने दीजिए कि आप कमजोर हैं। मेहनत से आगे बढ़िए। अपने जख्मों को गर्व से दिखाइए। गरिमा का मतलब कमजोरी नहीं होता।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009